THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 17 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **चैत्र पूर्णिमा 2080 गुरुवार, 6 अप्रैल 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

विपक्षी दलों को सुप्रीम झटका

केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग से जुड़ी याचिका पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी-सीबीआई के दुरुपयोग से जुड़ी कांग्रेस के नेतृत्व में 14 विपक्षी दलों की याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। इसके बाद विपक्षी दलों ने अपनी याचिका वापस ले ली। याचिका में विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों के मनमाने उपयोग का आरोप लगाया गया था। याचिका में गिरफ्तारी, रिमांड और जमानत जैसे मामलों को नियंत्रित करने वाले दिशा-निर्देशों का नया सेट जारी करने की मांग की गई थी। विपक्षी दलों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने तर्क दिया कि 2013-14 से 2021-22 तक सीबीआई और ईडी के मामलों में 600 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। ईडी की ओर से 121 राजनीतिक नेताओं की जांच की गई है, जिनमें से 95 प्रतिशत नेता विपक्षी दलों से हैं। सीबीआई की 124 जांचों में से 95 प्रतिशत से अधिक विपक्षी दलों से हैं। सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि राजनीतिक विरोध की वैधता पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने सिंघवी से पूछा कि क्या हम इन आंकड़ों की वजह से कह सकते हैं कि कोई जांच या कोई मुकदमा नहीं होना चाहिए? क्या नेताओं को इससे अलग रखा जा सकता है? सर्वोच्च कोर्ट का कहना है कि अंततः एक राजनीतिक नेता मूल रूप से एक नागरिक होता है और नागरिकों के रूप में हम सभी एक ही कानून के अधीन हैं। इस पर सिंघवी ने कहा कि पक्षकार नहीं चाहते कि याचिका से भारत में कोई लंबित मामला प्रभावित हो और वे मौजूदा जांच में हस्तक्षेप करने के लिए भी नहीं कह रहे हैं।

शीर्ष कोर्ट ने कहा कि किसी खास मामले के तथ्यों के बिना आम दिशा-निर्देश तय करना संभव नहीं है। शीर्ष कोर्ट ने केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाने वाले राजनीतिक दलों से कहा कि जब आपके पास कोई व्यक्तिगत आपराधिक मामला हो या कई मामले हों तो हमारे पास वापस आएं। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया और याचिका को वापस लेने की अनुमति दी।

सरकारी नीतियों की आलोचना एंटी-नेशनल नहीं

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मलयालम न्यूज चैनल पर लगे केंद्र सरकार के बैन को हटा दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- सरकार की नीतियों और कदमों की आलोचना को एंटी-नेशनल नहीं कहा जा सकता है।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने केरल हाईकोर्ट के फैसले को पलट दिया। हाईकोर्ट ने उस फैसले को बरकरार रखा था, जिसमें केंद्र ने सुरक्षा कारणों से चैनल के ब्रॉडकास्ट पर रोक लगा दी थी। न्यूज चैनल ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। मीडिया वन न्यूज चैनल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर दावे बिना किसी आधार के नहीं होने चाहिए। इसके पीछे मजबूत तथ्य होने चाहिए। चंद्रचूड़ ने कहा- ऐसा कुछ भी नहीं है, जिससे टेररिस्ट लिंक साबित होता हो। ऐसा कोई भी तथ्य नहीं है, जिससे साबित हो कि राष्ट्रीय सुरक्षा या फिर कानून-व्यवस्था प्रभावित हुई हो।

एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम में बदलाव पर बवाल

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड सीबीएसई के छात्र अब कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं में इतिहास की नई पुस्तकें पढ़ेंगे। इन छात्रों को इतिहास की पुस्तकों में अब मुगल साम्राज्य, दिल्ली दरबार, अकबरनामा, बादशाहनामा और कई राजनीतिक दलों के उदय की कहानियां पढ़ने को नहीं मिलेंगी।

हालांकि, पाठ्यक्रम से मुगल दरबार और अन्य अध्यायों को हटाने पर विवाद भी खड़ा हो गया है। कांग्रेस, सीपीएम, शिवसेना समेत (उद्धव गुट) के कई पार्टियों ने इस कदम का विरोध जताया है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद यानी एनसीईआरटी की ओर से कक्षा 10वीं, 11वीं और 12वीं के लिए इतिहास की पुस्तकों का पाठ्यक्रम संशोधित किया गया है। इनमें कई बड़े बदलाव किए गए हैं। इन बदलावों की घोषणा पिछले साल जून में ही कर दी गई थी लेकिन उत्तर प्रदेश ने इन बदलावों को लागू भी कर दिया है। शैक्षिक सत्र 2023-24 की नई पुस्तकें भी ऑनलाइन और ऑफलाइन उपलब्ध हो चुकी हैं। अपर मुख्य सचिव (बेसिक और माध्यमिक शिक्षा) दीपक कुमार ने कहा, 'हम एनसीईआरटी की किताबों का अनुसरण करते हैं और संशोधित संस्करण में जो कुछ भी उपलब्ध है, उसे हम 2023-24 सत्र से राज्य के स्कूलों में लागू करेंगे।'

क्या हुए बदलाव?

एनसीईआरटी ने कक्षा 10वीं, 11वीं, 12वीं की इतिहास की पुस्तकों से राजाओं और उनके इतिहास से संबंधित अध्यायों और विषयों को हटा दिया है। इसने शैक्षिक सत्र 2023-24 से इंटरमीडिएट में चलने वाली "आरोह भाग दो' में कई परिवर्तन किए हैं। इसमें फिराक गोरखपुरी गजल और "अंतरा भाग दो' से सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की "गीत गाने दो मुझे' नहीं पढ़ सकेंगे। इसके अलावा विष्णु खरे की एक काम और सत्य को भी एनसीईआरटी ने "अंतरा भाग दो' से हटा दिया है।

"विद्यार्थी आरोह भाग दो' में "चार्ली चैपलिन यानी हम सब' को भी छात्र इस सत्र में नहीं पढ़ सकेंगे। नए पाठ्यक्रम के तहत इतिहास की किताब थीम्स ऑफ इंडियन हिस्ट्री-पार्ट-2 से द मुगल कोर्ट्स (16वीं और 17वीं सदी) को हटा दिया गया है। >14

हनुमान जयंती पर केंद्र की राज्यों को एडवाइजरी

माहौल बिगाड़ने वाली चीजों पर नजर रखें; कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा-बंगाल सरकार केंद्र से फोर्स मांगे

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के कई राज्यों में रामनवमी पर हिंसा के बाद गृह मंत्रालय ने बुधवार को सभी राज्यों के लिए एडवाइजरी जारी की। मंत्रालय ने कहा कि हनुमान जयंती पर शांति बनी रहे, इसके लिए कानून-व्यवस्था बनाए रखें। हर ऐसी चीज पर नजर रखें, जिससे साम्प्रदायिक सौहार्द्र बिगड़ने की आशंका हो।

उधर, कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी बंगाल सरकार को इसी सिलसिले में निर्देश दिए। हाईकोर्ट ने कहा- अगर आपके पास पुलिस कम है तो आप केंद्र से फोर्स मांगिए। केंद्र सरकार भी तुरंत आपकी अपील पर कदम उठाए। हमें लोगों की सुरक्षा करनी है। हनुमान जयंती 6 अप्रैल को है।

पुलिस शांति मार्च निकाले

कोर्ट ने राम नवमी पर हुई हिंसा का हवाला देते हुए सरकार से सवाल किया। कोर्ट ने कहा- आप कह रहे हैं कि कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है। हमारे पास कुछ जजों के खत आए हैं। उन्होंने कहा कि उनके घरों के पास दंगा हो रहा है। तब क्या होगा, जब ऐसा ही माहौल कोर्ट परिसर के भीतर भी हो जाए। कुछ तो करना होगा। आप शोभायात्रा के रास्तों पर बैरिकेड्स लगाइए। पुलिस शांति मार्च निकाल सकती है ताकि लोगों को यह लगे कि वह सुरक्षित हैं। उधर, दिल्ली में हनुमान जयंती से एक दिन पहले पुलिस ने जहांगीर पुरी में फ्लैग मार्च किया। पुलिस ने 6 अप्रैल को हनुमान जयंती पर जहांगीरपुरी इलाके में जुलूस निकालने के लिए विश्व हिंदू परिषद और एक अन्य समूह को अनुमति देने से इनकार कर दिया।

ईडी ने दर्ज किया मनी लॉन्ड्रिंग का मामला, 10 राज्यों में कर चुका 27 शादियां

हैदराबाद में एमबीबीएस की सीटों में भर्ती के बदले दो करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की

भुवनेश्वर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रर्वतन निदेशालय (ईडी) ने एक धोखेबाज शख्स के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी के आर्थिक लेन-देन की जांच की जाएगी।

इसके साथ ही एजेंसी पूछताछ के लिए रिमांड की भी मांग कर सकती है। 66 साल का यह शख्स धोखाधड़ी से देश के दस राज्यों में 27 शादियां करके पहले भी चर्चाओं में रह चुका है। उसे पिछले साल 13 फरवरी में गिरफ्तार किया गया था। ओडिशा के रमेश स्वेन नाम के इस शख्स को पिछले साल राज्य पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उसे दस राज्यों में 27 महिलाओं से शादी करने और उनके लाखों रुपये की ठगी के मामले में उसे गिरफ्तार किया गया था। उसके साथ ही उसकी कथित पत्नियों, सौतेली बहन कमला सेठी और ड्राइवर को भी गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, इन सभी हाईकोर्ट से जमानत मिल गई थी। आरोपी ने साल 2011 में हैदराबाद में लोगों से एमबीबीएस की सीटों में भर्ती के बदले दो करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की।

इसके अलावा, उस पर 2006 में केरल के कई बैंकों को भी एक करोड़ रुपये का चूना लगाने का आरोप है। ईडी के अधिकारी ने कहा, जांच एजेंसी ओडिशा पुलिस के संपर्क में है। स्वेन और उसके करीबियों से बरामद दस्तावेजों की जांच की जा रही है। स्वेन के खिलाफ मई 2021 में दिल्ली में रहने वाली एक पत्नी ने शिकायत दर्ज कराई थी। महिला से उसकी मुलाकात 2018 में एक मैट्रिमोनी साइट के जरिए हुई थी। तब उसने दावा किया ता कि वह स्वास्थ्य मंत्रालय में उप महानिदेशक के तौर पर काम करता है। रिपोर्ट के मुताबिक, स्वेन पहले भी काफी चर्चाओं में रह चुका है। भुवनेश्वर में उसने तीन मकान किराए पर लिए थे, जहां वह एक बार में तीन पत्नियों को रखता था।

सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 17 अप्रैल तक बढ़ी

मनी लॉन्ड्रिंग केस में जमानत पर सुनवाई 12 अप्रैल को होगी, अभी ईडी की कस्टडी में हैं

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर अब 12 अप्रैल को सुनवाई होगी। इसके अलावा कोर्ट ने उनकी न्यायिक हिरासत 17 अप्रैल तक बढ़ा दी। बुधवार को कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद ये फैसला लिया।

सिसोदिया के वकील विवेक जैन ने बुधवार को कोर्ट में कहा- मनीष सिसोदिया या उनके परिवार के खाते में एक भी रुपया नहीं आया है। जांच एजेंसी ने उनके घर पर छापा मारा। उनके बैंक खातों की जांच की गई। वे उनके पैतृक गांव भी गए। सिसोदिया के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का कोई सबूत नहीं है। सिसोदिया अभी ईडी की कस्टडी में हैं। इसके पहले ईडी ने 20 मार्च को उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया था। स्पेशल जज एमके नागपाल ने सिसोदिया की कस्टडी 3 अप्रैल तक बढ़ा दी थी।

सिसोदिया के मोबाइल से मिले डेटा का एनालिसिस कर रही ईडी

ईडी ने कोर्ट में कहा था कि एलजी ने जब इस मामले की शिकायत की तो सिसोदिया ने अपना फोन बदल दिया था, लेकिन एजेंसी ने उनके मोबाइल डेटा को फिर से निकाल लिया है। अब एजेंसी उनके ईमेल और मोबाइल फोन से निकाले गए डेटा का एनालिसिस कर रही है। अभी हमें सिसोदिया से और सवाल पूछने हैं।

ईडी के वकील जोहैब हुसैन ने कहा था कि सिसोदिया के असिस्टेंट विजय नायर इस पूरी साजिश को कोऑर्डिनेट कर रहे थे। इस घोटाले में सरकारी तंत्र, बिचौलिये और कई अन्य लोग शामिल हैं। ये साजिश नायर, सिसोदिया, तेलंगाना के चीफ मिनिस्टर के चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता और कई दूसरे लोगों ने मिलकर रची। इस मामले में 219 करोड़ रुपए के मनी ट्रेल का पता चला है।

वहीं, सिसोदिया के वकील ने कोर्ट को बताया कि ईडी ने पूर्व डिप्टी सीएम के खिलाफ किसी क्राइम का जिक्र नहीं किया है। एजेंसी को बताना होगा कि प्रोसीड ऑफ क्राइम क्या हुआ? यह नहीं बताना है कि क्या अपराध हुआ। कन्फ्रंट कराने के लिए हिरासत की जरूरत नहीं होती।

सोनिया के घर शिफ्ट होंगे राहुल गांधी

सांसदी जाने के बाद बंगला खाली करने का नोटिस मिला था

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। राहुल गांधी सरकारी बंगला छोड़ने के बाद सोनिया गांधी के घर (10 जनपथ) शिफ्ट हो रहे हैं। उनका सामान शिफ्ट किया जा रहा है। वे जल्द ही यहां रहने लगेंगे। 23 मार्च को सूरत कोर्ट ने मानहानि केस में उन्हें 2 साल के कैद की सजा सुनाई थी। हालांकि, कुछ ही देर में उन्हें जमानत दे दी गई थी। इसके अगले दिन राहुल की सदस्यता रद्द कर दी गई। इसके बाद 27 मार्च को उन्हें बंगला खाली करने का नोटिस दिया गया। बता दें कि नोटिस मिलने के बाद राहुल ने कहा था कि उनके सरकारी बंगले से उनकी कई अच्छी यादें जुड़ी हुई हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तब उनहें अपने या सोनिया के बंगले में शिफ्ट होने का सुझाव दिया था। लुटियन जोन का सबसे बड़ा बंगला है 10 जनपथ सोनिया गांधी का घर 10 जनपथ लुटियन जोन में बने नेताओं के सरकारी आवासों में सबसे बड़ा है। ये घर पीएम नरेंद्र मोदी के सरकारी आवास 7 आरसीआर से भी बड़ा है। सेंट्रल पब्लिक डिपार्टमेंट के मुताबिक, मोदी का सरकारी आवास 14,101 वर्ग मीटर में बना है, वहीं सोनिया गांधी का निवास 15,181 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैला है। लाल बहादुर शास्त्री जब प्रधानमंत्री थे तो वे यहीं रहते थे। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद से राजीव गांधी का परिवार 10 जनपथ में रह रहा है। इसी घर के पीछे कांग्रेस का मुख्यालय है।

घुसपैठ करते पाकिस्तानी गिरफ्तार

अहमदाबाद, 5 अप्रैल (एजेंसियां)।सीमा सुरक्षा बल ने गुजरात के बनासकांठा जिले की सीमा से भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा है। बीएसएफ ने बुधवार को यह जानकारी दी। बीएसएफ ने बताया कि जवानों ने मंगलवार को एक पाकिस्तानी नागरिक को अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करते देखा। जैसे ही वह बनासकांठा जिले में सीमा चौकी (बीओपी) नदेश्वरी के पास पहुंचा, उसे दबोच लिया गया। व्यक्ति की पहचान पाकिस्तान के नागरपारकर के रहने वाले दयाराम के रूप में हुई है।

अलप्पुझा-कन्नूर एक्सप्रेस में यात्रियों को जलाने का आरोपी शाहरुख गिरफ्तार

महाराष्ट्र एटीएस और केंद्रीय एजेंसियों ने पकड़ा; घटना में 3 लोगों की गई थी जान

रत्नागिरी, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल में अलप्पुझा से कन्नूर जा रही ट्रेन में आग लगाने वाले आरोपी शाहरुख सैफी को महाराष्ट्र के रत्नागिरी से गिरफ्तार किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, महाराष्ट्र एटीएस और सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसियों के संयुक्त ऑपरेशन में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात शाहरुख को पकड़ा गया। आरोपी के सिर और चेहरे पर चोटें आई थीं और उसने रत्नागिरी के एक अस्पताल में अपना इलाज कराया था। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आरोपी को पकड़ने के लिए महाराष्ट्र सरकार, रेलवे पुलिस फोर्स और एनआईए को धन्यवाद दिया है। केरल पुलिस की एक टीम रत्नागिरी पहुंच चुकी है। वो उसे वापस केरल लेकर आएगी। शाहरूख दिल्ली के शाहीन बाग का रहने वाला है। केरल पुलिस की एक टीम जांच के लिए उसके घर भी पहुंची है।

एक अधिकारी के मुताबिक, आरोपी ने बताया है कि उसकी एक यात्री से बहस हो गई थी। इसके बाद उसने उस पर पेट्रोल फेंककर आग लगा दी थी। इससे लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई थी।

डिब्बे की सीटों और सामान में भी आग लग गई और पूरा डिब्बा आग की चपेट में आ गया। ये घटना रविवार रात करीब 9.30 बजे अलप्पुझा-कन्नूर एक्सप्रेस के डी1 डिब्बे में हुई। इस समय ट्रेन कोझिकोड के इलाथुर से गुजर रही थी।

इस घटना में एक बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वे आग से बचने के लिए ट्रेन से कूद गए थे। इस घटना में 9 और लोग भी जख्मी हुए थे। इनमें से एक ही हालत गंभीर बनी हुई है।

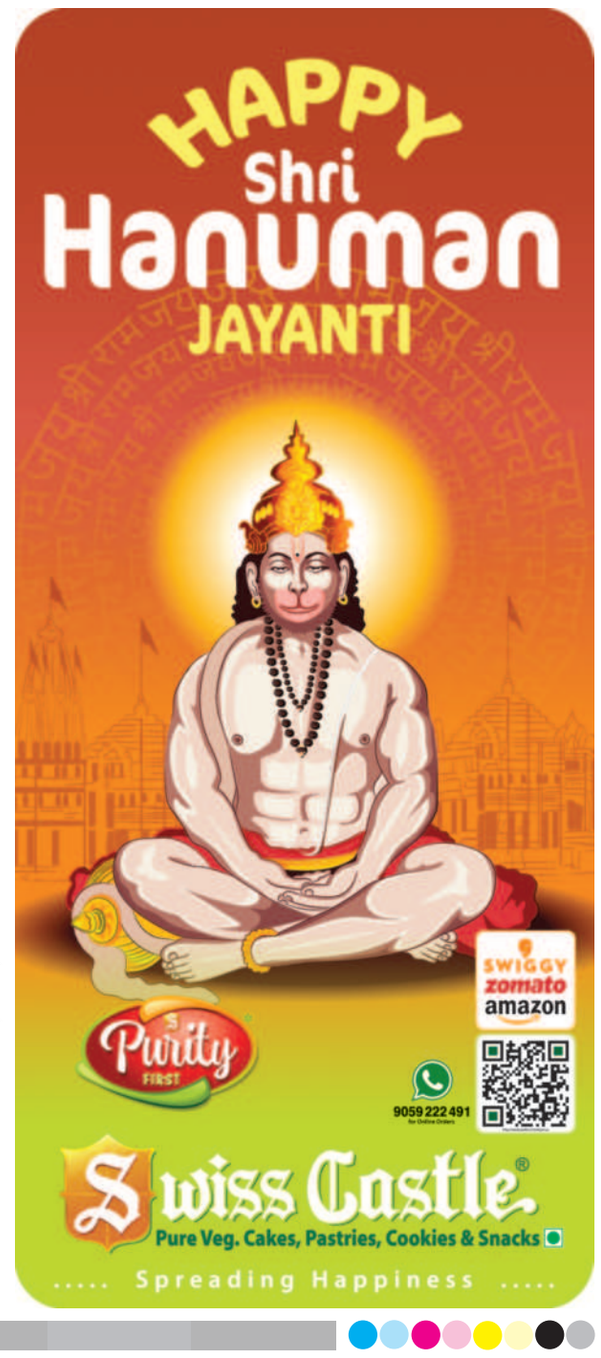

दलाई लामा का 110 साल जीने का दावा

अनुयायियों को भरोसा दिलाया, बोले-स्वस्थ और चुस्त दुरुस्त हूं, 20 साल और आपकी सेवा करूंगा

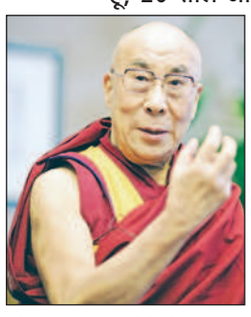

धर्मशाला , 5 अप्रैल (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के मैक्लोडगंज के चुगलाखांग बौद्ध मठ में तिब्बतियों के सर्वोच्च आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा की दीर्घायु के लिए प्रार्थना की गई। इस दौरान बौद्ध भिक्षुओं को संबोधित करते हुए दलाई लामा ने अपने स्वास्थ्य और उम्र को लेकर बड़ा दावा किया।

बौद्ध धर्म की सेवा करता रहूंगा

उन्होंने कहा कि मैं 87 वर्ष का हूं, पूर्णतया स्वस्थ होने के साथ शारीरिक रूप से चुस्त दुरुस्त हूं। मेरा विश्वास है कि मैं अभी 20 साल से ज्यादा वक्त तक जीवित रहूंगा। मेरा जीवन बौद्ध धर्म के लिए समर्पित रहा है और आगे भी रहे, इसकी कामना करता हूं, ताकि मैं लोक कल्याण और लोक हित में काम करता रहूं। बौद्ध धर्म की सेवा में आजीवन जुटा रहा हूं। आगे भी इसी तरह से जुड़ा रहूंगा।

उन्होंने अपने अनुयायियों को भरोसा दिया कि 100 से 110 वर्ष की आयु तक आप सब की सेवा करूंगा। मेरा यह आत्मबल भी है और प्रार्थना भी है। दलाई लामा की दीर्घायु के लिए प्रार्थना का आयोजन तिब्बतियन होम्स फाउंडेशन तथा सीएसटी मसूरी के छात्रों, पूर्व छात्रों एवं कर्मचारियों के साथ-साथ सीएसटी पंचमढ़ी के पूर्व छात्रों एवं पूर्व व्यावसायिक प्रशिक्षुओं द्वारा किया गया।

अनुच्छेद 370 हटने के बाद कितने बाहरी लोगों ने जम्मू कश्मीर में खरीदी जमीन?

सरकार ने दी जानकारी

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने बुधवार को राज्यसभा में बताया कि जम्मू कश्मीर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, साल 2020, 2021 और 2022 में 185 बाहरी लोगों ने केंद्र शासित जम्मू कश्मीर में जमीन खरीदी है। गृह राज्यमंत्री ने बताया कि केंद्र शासित लद्दाख द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, बीते तीन सालों में लद्दाख में किसी भी बाहरी व्यक्ति ने जमीन नहीं खरीदी है।

1559 कंपनियों ने किया जम्मू कश्मीर में निवेश

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री ने सदन को ये भी बताया कि जम्मू कश्मीर में बीते तीन सालों में 1559 भारतीय कंपनियों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने निवेश किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ने 'क्राइम इन इंडिया' नामक अपनी रिपोर्ट में बताया है कि आईपीसी और स्पेशल एंड लोकल लॉ के अनुसार, नाबालिगों के खिलाफ दर्ज मामलों में कमी आ रही है। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री ने बताया कि साल 2019 में नाबालिगों के खिलाफ 32,269 मामले दर्ज हुए। वहीं 2020 में 29,%68 और 2021 में 31,170 मामले दर्ज हुए हैं। उन्होंने कहा कि डाटा से पता चलता है कि 2019 के मुकाबले इनमें कमी आई है।

एम्मार समूह ने किया ढाई सौ करोड़ का निवेश

केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का ऐतिहासिक फैसला लिया था। इसके बाद जम्मू कश्मीर में विदेशी निवेश का राह खुल गई है। बीते महीने ही जम्मू कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने ढाई सौ करोड़ रुपए की लागत से बन रहे मॉल की आधारशिला रखी थी। इस मॉल का निर्माण संयुक्त अरब अमीरात स्थित एम्मार ग्रुप द्वारा राजधानी श्रीनगर के सेमपोरा इलाके में किया जा रहा है। इसके अलावा समूह जम्मू और श्रीनगर में आईटी टावर भी स्थापित कराएगा।

मोदी और योगी को जान से मारने की धमकी
जांच में जुटी नोएडा पुलिस

नोएडा, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। इस मामले में नोएडा पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच प्रारम्भ कर दी है। थाना सेक्टर -20 में एक न्यूज चैनल के अधिकारी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात बदमाशों ने उनके कंपनी के चीफ फाइनेंस ऑफिसर को एक ई-मेल किया और ई-मेल के माध्यम से बदमाश ने देश के प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री सहित कई महत्वपूर्ण लोगों को हत्या करने की धमकी दी।

नोएडा पुलिस को मिले अहम सुराग

घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। नोएडा पुलिस को इस मामले में अहम सुराग मिले हैं । पुलिस अधिकारियों ने दावा किया है कि इस मामले का जल्द खुलासा किया जाएगा। पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ करनी शुरू कर दी है। सहायक पुलिस आयुक्त रजनीश वर्मा ने बताया कि सेक्टर 16-ए स्थित एक चैनल के मैनेजर विजय कुमार ने पुलिस से शिकायत करते हुए बताया कि उनकी कंपनी के सीएफओ कुशन चक्रवर्ती को ई-मेल भेजकर अज्ञात बदमाशों ने देश के प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री सहित कई महत्वपूर्ण लोगों को जान से मारने की धमकी दी है। दावा किया कि पुलिस इस मामले के काफी नजदीक पहुंच गई है, जल्द इसका खुलासा किया जाएगा। पुलिस को शक है कि किसी साइको या प्रेम में विफल रहे व्यक्ति ने इस तरह की मेल किया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। इस मामले में पुलिस की तीन टीमें लगा दी गई हैं। साइबर टीम भी इस केस पर काम कर रही है।

भोपाल से लापता इंस्पेक्टर दिल्ली में मिला

भोपाल, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। भोपाल से लापता हुए उमरिया जिले के स्पेशल ब्रांच में पदस्थ पुलिस इंस्पेक्टर संतोष कुमार उद्दे को उनके परिजन ने तलाश लिया है। वह परिजनों को दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के बाहर घूमते मिले। उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। परिजन उन्हें उमरिया लेकर आ गए हैं। फोन बंद रखने की वजह से परिजनों को उनके तलाशने में कड़ी मश्क्कत करनी पड़ी। बताया गया कि भोपाल पुलिस में पदस्थ उनके साथी पुलिस अधिकारी किसी अपराध के इन्वेस्टिगेशन के लिए दिल्ली गए हुए थे। जहां रेलवे स्टेशन के बाहर पुलिस इंस्पेक्टर के हुलिए का व्यक्ति दिखा। पुलिस अधिकारी पीछा कर पाते जब तक संतोष आगे बढ़ गए। बाद में पुलिस अधिकारी ने सीसीटीवी फुटेज चेक किए। जिसमें संतोष दिखे। उन्होंने परिजन को सूचना देकर स्टेशन के आसपास नजर रखने के लिए कहा। अगले रोज संतोष स्टेशन के पास घूमते मिल गए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुब्रमण्यम स्वामी का ट्वीट
पठानकोट एयरपोर्ट शुरू होने की जगी उम्मीद

पठानकोट (पंजाब), 5 अप्रैल (एजेंसियां)। उड़ानों के अभाव में लंबे समय से वीरान पड़े पठानकोट एयरपोर्ट के एक बार फिर गुलजार होने की उम्मीद बंधी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुब्रमण्यम स्वामी ने अपने ट्विटर हैंडल से इसकी जानकारी शेयर की है। इसमें उन्होंने कहा कि पठानकोट में बुनियादी ढांचे से लैस आधुनिक एयरपोर्ट को शुरू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इससे हिमाचल के लोगों का जीवन भी आसान होगा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने अपने ट्विटर हैंडल से जानकारी शेयर की

इसके साथ ही पूर्व केंद्रीय मंत्री सुब्रमण्यम स्वामी ने नागरिक उड्डयन मंत्री विक्रमादित्य सिंधिया के साथ हुए पत्राचार की जानकारी दी। वहीं, विक्रमादित्य सिंधिया द्वारा भेजे पत्र को भी शेयर किया, जिसमें विक्रमादित्य सिंधिया लिख रहे हैं कि इस ओर जल्द ही ध्यान दिया जाएगा।

नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से हुए पत्राचार की भी दी जानकारी

पठानकोट सिविल एयरपोर्ट से दिल्ली जाने वाली इकलौती फ्लाइट को 1 मार्च 2022 से अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया गया था। फ्लाइट का संचालन करने वाली एलायंस एयर कंपनी ने उड़ान रद्द करने को का कारण कामर्शियल बताया था, लेकिन अब पूर्व केंद्रीय मंत्री द्वारा सोशल मीडिया पर जानकारी सांझा करने से पठानकोट के लोगों की उम्मीद जगी है। कई बार बंद हो चुकी फ्लाइट पठानकोट एयरपोर्ट का उद्घाटन 21 नवंबर 2006 में हुआ था। 37 करोड़ से बने एयरपोर्ट से एयर डेक्कन ने फ्लाइट शुरू की और ढाई साल बाद इसे बंद कर दिया गया। उसके बाद 2010 में एयर इंडिया ने उड़ानें शुरू कीं और कम यात्रियों का हवाला देकर 2011 में फ्लाइट बंद कर दी। उसके 7 साल बाद 2018 में दोबारा फ्लाइट एलायंस एयर ने शुरू की। फरवरी 2022 तक 4 साल में कभी कोरोना तो कभी ओमिक्रॉम के कारण 2 बार उड़ानों का संचालन बंद हुआ। इसके बाद 1 मार्च 2022 को इकलौती उड़ान अनिश्चितकाल के लिए बंद हो गई। बता दें, अब एयरपोर्ट वीरान हो चुका है। एयरपोर्ट अथारिटी के 4 कर्मचारी यहां तैनात रहते हैं और पुलिस के 19 जवान सुरक्षा में तैनात हैं।

पठानकोट के व्यापार को लगेंगे पंख

पठानकोट के सिविल एयरपोर्ट से उड़ान शुरू होने के बाद से पठानकोट के व्यापार को फायदा मिल रहा था। शहर के व्यापारी ज्यादातर दिल्ली से ही माल खरीदते थे। ऐसे में व्यापारी और छात्र वर्ग को फ्लाइट बंद होने से नुकसान हो रहा है। पठानकोट आर्मी एरिया होने, पंजाब, जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश का प्रवेश द्वार होने के कारण भी लोगों को पठानकोट सिविल एयरपोर्ट का काफी फायदा मिल सकेगा। जिला व्यापार मंडल के अध्यक्ष इंद्रजीत गुप्ता ने कहा कि कंपनी की ओर से इस तरह अचानक पठानकोट/दिल्ली की सेवा बंद कर दिए जाने से पठानकोट के पर्यटन और व्यापार पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। केंद्र व राज्य सरकार को तुरंत इस ओर ध्यान देने की जरूरत है ताकि सप्ताह के तीन दिन चलने वाली यह सेवा को दोबारा शुरू किया जा सके।

बारामुला में दो आतंकी पुलिस की हिरासत से फरार

बारामुला, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तरी कश्मीर के बारामुला में पुलिस की हिरासत से दो आतंकियों के फरार होने का मामला सामने आया है। आतंकियों की धर-पकड़ के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। बारामुला में मुख्य चौक-चौराहों सुरक्षा बढ़ा दी गई है। अतिरिक्त नाके लगाकर जांच की जा रही है। आतंकी मारूफ नजीर और शाहिद शौकत को पिछले साल 19 मई को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के दौरान दोनों से हथियार भी बरामद किए गए थे। दोनों आतंकी बारामुला में शराब की दुकान में किए गए ग्रेनेड हमले के आरोपी हैं। बारामुला जिला पुलिस मीडिया सेल ने बताया कि आज सुबह सेहरी के समय बारामुला पुलिस स्टेशन से हिरासत में लिए गए दो आरोपी फरार हो गए हैं। संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। 17 मई 2022 को आतंकियों ने बारामुला के दीवान बाग में एक शराब की दुकान को निशाना बनाकर ग्रेनेड फेंका था। दुकान के अंदर ग्रेनेड फटने से चार कर्मचारी घायल हो गए थे, जिसमें इलाज के दौरान एक की मौत हो गई थी। सभी कर्मी जम्मू संभाग के रहने वाले थे। हमले के 48 घंटे के भीतर पुलिस ने गुत्थी को सुलझाते हुए लश्कर-ए-तैयबा और टीआरएफ का भंडाफोड़ किया था। पुलिस ने इस मामले में चार आतंकियों समेत एक ओजीडब्ल्यू को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 5 पिस्तौल, 23 ग्रेनेड और अन्य विस्फोटक सामग्री बरामद की गई। आज, बुधवार इस हमले के दो आरोपी बारामुल पुलिस स्टेशन से फरार हो गए हैं, जिनकी तलाश की जा रही है।

ओबीसी महासभा का बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा को नोटिस
लिखा- राहुल के मुद्दे पर ओबीसी को न घसीटें; माफी मांगें, नहीं तो केस कराएंगे

ग्वालियर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) महासभा की राष्ट्रीय कोर कमेटी ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि आपने राहुल गांधी के मुद्दे पर ओबीसी का अपमान किया है। माफी मांगें। बता दें कि राहुल गांधी को मानहानि के केस में सूरत कोर्ट से सजा होने के दूसरे दिन 24 मार्च को नड्डा ने ट्वीट कर कहा था- राहुल गांधी ने पूरे ओबीसी समाज का अपमान किया है। नड्डा के इसी ट्वीट को आधार मानकर ओबीसी महासभा की राष्ट्रीय कोर कमेटी ने नड्डा को नोटिस भेजा है। साथ ही नोटिस मिलने के 24 घंटे के अंदर जवाब देने को भी कहा है। ओबीसी महासभा का तर्क है कि मोदी सरनेम ओबीसी के रूप में कहीं दर्ज नहीं है। न तो गुजरात और न ही केंद्र सरकार की सूची में मोदी सरनेम कहीं ओबीसी

कैटेगरी में दर्ज है। राहुल गांधी ने सिर्फ मोदी शब्द का इस्तेमाल किया है, न कि ओबीसी वर्ग का, इसलिए मोदी सरनेम को लेकर ओबीसी वर्ग को नहीं घसीटा जाए।

मोदी नाम की कोई जाति नहीं

ओबीसी महासभा की राष्ट्रीय कोर कमेटी के सदस्य धर्मेंद्र कुशवाह का कहना है- मैं जेपी नड्डा से पूछना चाहता हूं कि केंद्र की ओबीसी की सूची में मोदी नाम की कोई सूची नहीं है। गुजरात में भी जहां मोदी जी की जाति का कोई उल्लेख नहीं है, तो क्या कारण है कि आप ओबीसी को एक ढोलक की तरह हर तरफ से बजा रहे हैं। जब अच्छाई की बात आती है, तो ओबीसी जाति का कोई नाम कहीं नहीं लेते हैं। जब किसी व्यक्ति के माध्यम से गाली दी जाती है तो चिल्लाने लगते हैं कि ओबीसी को गाली दी है। ये ओबीसी जाति के साथ छलावा और अपमान है। इसलिए हमने उनको नोटिस दिया है और कहा है कि अगर वे माफी नहीं मानेंगे तो हम आगे केस फाइल करेंगे। 24 मार्च की सुबह जेपी नड्डा ने सिलसिलेवार चार ट्वीट किए थे। उन्होंने लिखा था, 'कल सूरत कोर्ट ने राहुल को ओबीसी समाज के प्रति उनके आपत्तिजनक बयान के लिए सजा सुनाई है। परंतु राहुल व कांग्रेस पार्टी अभी भी अपने अहंकार के चलते लगातार अपने बयान पर अड़े हुए हैं व निरंतर ओबीसी समाज की भावनाओं को आहत कर रहे हैं। पूरा ओबीसी समाज प्रजातांत्रिक ढंग से राहुल से इस अपमान का बदला लेगा। राहुल गांधी का अहंकार बहुत बड़ा और समझ बहुत छोटी है। अपने राजनीतिक लाभ के लिए उन्होंने पूरे ओबीसी समाज का अपमान किया। उन्हें चोर कहा। समाज और कोर्ट के द्वारा बार-बार समझाने और माफी मांगने के विकल्प को भी उन्होंने नजरअंदाज किया और लगातार ओबीसी समाज की भावना को ठेस पहुंचाई। फिर चौकीदार चोर है का शोर मचाया, जिस पर मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्यों तक ने ऐतराज जताया। इस नारे पर जनता जनार्दन की अदालत ने 2019 के चुनाव में राहुल गांधी को जमकर फटकार लगाई और कांग्रेस को मुंह की खानी पड़ी- बुरी हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को तथ्यों से परे और मनगढ़ंत आरोप लगाने की आदत है। 2019 लोकसभा चुनाव के पहले राहुल ने राफेल के नाम पर देश को भ्रमित करने की कोशिश की। जिसको लेकर सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई और राहुल गांधी को मनगढ़ंत आरोप के लिए बिना शर्त माफी मांगनी पड़ी थी।'

क्या है पूरा मामला?

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मोदी सरनेम वाले बयान को लेकर सूरत कोर्ट ने 23 मार्च को उन्हें दो साल की सुनाई। इसके बाद उनकी संसद सदस्यता भी रद्द कर दी गई। राहुल ने 2019 में एक चुनावी सभा में कहा था- ललित मोदी, नीरव मोदी, नरेंद्र मोदी, कैसे सभी चोरों के कॉमन सरनेम मोदी होते हैं। इस बयान के खिलाफ बीजेपी विधायक और गुजरात सरकार में पूर्व मंत्री पूर्णेश मोदी ने शिकायत दर्ज कराई थी।

अपनी पार्टी प्रमुख अल्ताफ बुखारी को सरकार ने प्रदान की जेड प्लस सुरक्षा

जम्मू, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। कश्मीर के पूर्व मंत्री एवं जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी के अध्यक्ष (जेकेएपी) अल्ताफ बुखारी को केंद्र सरकार ने जेड प्लस सुरक्षा श्रेणी प्रदान की है। उन्हें सशस्त्र केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल सुरक्षा कवर प्रदान किया गया है। व्यवसायी से नेता बने और अल्ताफ बुखारी (65) को सुरक्षा एजेंसियों के विश्लेषण के आधार पर हाल ही में सुरक्षा समीक्षा बैठक के बाद जम्मू-कश्मीर में चौबीसों घंटे 'जेड प्लस' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान करने का फैसला लिया गया है। जेड प्लस सुरक्षा श्रेणी भारत में सुरक्षा का दूसरा सबसे बड़ा स्तर है। अल्ताफ बुखारी ने पीडीपी से अलग होकर मार्च 2020 में जम्मू कश्मीर अपनी पार्टी की स्थापना की थी। अनुच्छेद 370 और 35ए के निरस्त होने के आठ महीने बाद उन्होंने अपनी अलग पार्टी बनाई थी। तब से अब तक करीब दो दर्जन पूर्व विधायक इसमें शामिल हो चुके हैं।

शाही ईदगाह मस्जिद में नहीं होगा सर्वे, मथुरा कोर्ट ने लगाई रोक

मथुरा, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद के जमीन विवाद मामले में कोर्ट का बड़ा आदेश आया है. कोर्ट ने शाही ईदगाह के अमीनी सर्वे किए जाने के आदेश पर रोक लगा दी है. मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक सिविल सीनियर डिविजन कोर्ट के न्यायाधीश की कोर्ट में हो रही थी. जिसमें कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद अमीनी सर्वे पर रोक लगाई है. शाही ईदगाह के पक्षकार अधिवक्ता तनवीर अहमद और नीरज शर्मा ने कोर्ट के फैसले की जानकारी दी. बताया किइस कोर्ट में मामले में आगे की सुनवाई 11 अप्रैल को होगी. इसमें तय किया जाएगा कि अमीनी सर्वे होगा या नहीं होगा. इस संबंध में हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने कोर्ट में याचिका दाखिल की थी. इसमें सीनियर डिविजन कोर्ट ने अमीनी सर्वे का आदेश भी पारित कर दिया था. कोर्ट ने यह आदेश 29 मार्च को दिया था. जिसके बाद दूसरे पक्ष ने रिवीजन दाखिल किया. इसके बाद अब नया फैसला आया है. इसमें कोर्ट ने कहा कि अगले आदेश तक ईदगाह के अमीनी सर्वे पर रोक लगाई जा रही है. अब 11 अप्रैल तक इस सर्वे के लिए इस जमीन पर कोई नहीं जाएगा. बता दें कि 29 मार्च को जब कोर्ट ने सर्वे के आदेश दिए थे, उस समय हिंदू पक्ष की ओर से वादी विष्णु गुप्ता समेत अन्य लोगों ने इसे पहली जीत बताई थी. इस आदेश की कॉपी मीडिया में भी जारी की गई.कोर्ट के उस फैसले में कहा गया था कि अमीन सर्वे के लिए टीम विवादित स्थल पर निरीक्षण करेगी. इसके बाद 17 अप्रैल तक कोर्ट में रिपोर्ट पेश करेगी.

अब गर्मी झेलने को रहिए तैयार-मौसम विभाग ने कहा है

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के कई राज्यों में अप्रैल महीने की शुरुआत झमाझम बारिश के साथ हुई। फरवरी में ही शुरू हुई गर्मी मार्च में ही चरम पर पहुंच गई थी। इसके बाद पिछले कुछ दिनों हुई बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दी। लेकिन ऐसा मौसम अब ज्यादा दिन नहीं रहने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक अब एक बार फिर से दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में मौसम तेजी से बदलने वाला है और सताने वाली गर्मी का दौर शुरू होने वाला है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले हफ्ते से राष्ट्रीय राजधानी में गर्मी बढ़ने की संभावना है।

आने वाले 5 दिनों में तीन से पांच डिग्री बढ़ जाएगा तापमान

मौसम विभाग की मानें तो आने वाले पांच दिनों में तापमान में 3 से 5 डिग्री की बढ़ोत्तरी होने वाली है और आने वाले दिनों में दिल्ली का तापमान 34 डिग्री हो जाएगा जबकि गुरुग्राम और एनसीआर का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

मध्य भारत में अगले 5 दिनों के दौरान विदर्भ और छत्तीसगढ़ में हल्की/मध्यम छिटपुट वर्षा हो सकती है।

पश्चिम भारत में आंधी/बिजली महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में हल्की/मध्यम बारिश हो सकती है। दक्षिण भारत में भी हल्की/मध्यम बारिश हो सकती है। कर्नाटक में 6 और 7 अप्रैल के दौरान अगले 5 दिन में अधिकतम तापमान बढ़ने का पूर्वानुमान है। उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तापमान बढ़ने का अनुमान है लेकिन किसी भी हिस्से में लू चलने की संभावना नहीं है। आने वाले दिनों में नई दिल्ली का तापमान लगातार बढ़ेगा। मौसम विभाग की मानें तो 9 अप्रैल से दिल्ली का तापमामन 34 डिग्री तक पहुंच सकता है। गाजियाबाद का तापमान 35 डिग्री पहुंच सकता है।आनेवाले हफ्ते में गुरुग्राम का अधिकतम तापमान 36 डिग्री तक पहुंच सकता है। वहीं, अगले हफ्ते से नोएडा में अधिकतम तापमान 35 डिग्री तक पहुंच सकता है।

मौसम विभाग के मुताबिक अगले 3 दिनों के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में हल्की/ छिटपुट वर्षा हो सकती है।

अगले 24 घंटों के दौरान गरज/बिजली चमकना, मैदानी इलाकों में हल्की बारिश और उसके बाद मौसम शुष्क रहेगा। पूर्वी भारत में अगले 48 घंटों के दौरान हल्की वर्षा होगी और उसके बाद मौसम शुष्क हो जाएगा। पूर्वोत्तर भारत में अगले 48 घंटों के दौरान हल्की से मध्यम बिखरी/काफी व्यापक वर्षा हो सकती है और उसके बाद बारिश में कमी आएगी। अगले 24 घंटों के दौरान पूर्वी अरुणाचल प्रदेश और पूर्वोत्तर असम में छिटपुट बारिश और ओलावृष्टि हो सकती है।

'सीरियस वेरी सीरियस', संसद नहीं चलने पर भड़के टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन

कोलकाता, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने बुधवार (5 अप्रैल) संसद में हुए हंगामे को लेकर केंद्र सरकार की निंदा की है. डेरेक ओ ब्रायन ने ट्विटर पर कहा, संसद की गंभीर, बहुत गंभीर तबाही हो रही है. उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल के सांसद नारेबाजी कर रहे हैं, संसद का पूरा सत्र नहीं चलने दे रहे हैं. ब्रायन ने बताया कि आज भी लोकसभा और राज्यसभा का सत्र एक दिन के बाद शुरू हुआ था, लेकिन थोड़ी देर बाद ही इसे स्थगित कर दिया गया. सत्र में आज अडानी के शेयरों के मुद्दे को लेकर विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी की और जांच की मांग करते हुए हंगामा किया. इससे पहले चार दिनों के लंबे स्थगन के बाद लोकसभा और राज्यसभा का बजट सत्र का अंतिम चरण फिर से शुरू हुआ, लेकिन इसके थोड़ी देर बाद ही इसे स्थगित कर दिया गया था. संसद के बजट सत्र के दूसरे भाग की शुरुआत 13 मार्च को हुई थी. इसके बाद से लगातार हंगामे की वजह से सत्र स्थगित कर दिया जा रहा है. सत्र में बीजेपी राहुल गांधी से माफी मांग कर रही है और विपक्षी दलों ने अडानी मुद्दे पर संयुक्त संसदीय समिति की जांच पर जोर दिया है. कांग्रेस नेता और पूर्व वायनाड सांसद राहुल गांधी कुछ दिनों पहले लंदन गए हुए थे, जहां उन्होंने कैमब्रिज यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की थी. राहुल ने कहा था कि भारत में मीडिया और न्यायपालिका सरकार के नियंत्रण में है. भारत में लोकतंत्र खतरे में है. उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके फोन की पेगासस से जासूसी होती है.

इंदौर के परदेशीपुरा एरिया में युवक की हत्या, इलाके में फैला तनाव, पुलिस बल मौजूद

इंदौर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर के परदेशीपुरा एरिया में बुधवार को हत्या के बाद तनाव पूर्ण स्थिति बन गई। लोहा मंडी एरिया में गोडाउन पर काम करने वाले युवक सचिन शर्मा की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। हत्या करने वाले आरोपी मुस्लिम समाज के हैं और लालगली क्षेत्र में रहते हैं। बता दें कि हत्या मामूली विवाद को लेकर की गई है, अब इसे लेकर क्षेत्र में तनाव बढ़ गया। युवक की अर्थी सड़क पर रखकर लोगों ने चक्का जाम कर दिया। मौके पर पुलिस बल पहुंचा और अफसर समझाइश देकर लोगों का गुस्सा शांत करते नजर आए, जिस इलाकों में आरोपियों के घर हैं, वहां पर भी बड़ी संख्या में पुलिस जवान तैनात किए गए। विधायक रमेश मेंदोला भी मौके पर आए और पुलिस अफसरों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करें। काफी देर तक लोग नारेबाजी कर गुस्सा जताते रहे। उनका कहना था कि आरोपी पहले भी विवाद कर चुके थे। उसकी शिकायत थाने पर की गई थी, लेकिन एक्शन नहीं लिया गया। बाद में पुलिस बल की मौजूदगी में सचिन की शव यात्रा निकाली गई।

दिल्ली के रामलीला मैदान में फिर एक बार जुटे किसान

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में बुधवार को सेंटर ऑफ इंडियन, ट्रेड यूनियन ऑल इंडिया, किसान सभा और ऑल इंडिया एग्रीकल्चर वर्कर्स यूनियन द्वारा आयोजित रैली शुरू हो गई है. कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए पूरे देश से किसान और मजदूर राजधानी पहुंच रहे हैं. रामलीला मैदान में हो रहे प्रदर्शन में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा समेत विभिन्न राज्यों के किसान और मजदूर संगठन यहां एकत्रित हुए हैं. किसान सभा सहित विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता बीते दिन दिल्ली पहुंच गए थे. वहीं इस महारैली में शामिल हो रहे संगठनों का कहना है कि मोदी सरकार की ओर से मजदूरों के श्रम कानूनों को समाप्त कर चार श्रम संहिताएं बनाई गई हैं, जो कि पूर्ण रूप से पूंजीपतियों व मालिकों के पक्ष में हैं. आज मजदूर वर्ग पर सरकार की ओर से लगातार हमला किया जा रहा है.

संगठन के झंडे और बैनर लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी

दिल्ली के रामलीला मैदान पर जुटे किसान और मजदूर संगठनों में एक बड़ी संख्या में महिला किसान, मजदूर रामलीला मैदान में पहुंचे हैं. दिल्ली का रामलीला मैदान एक बार फिर खचाखच आंदोलनकारियों से भर चुका है. अलग-अलग राज्यों से किसान मजदूर संगठन के लोग यहां पर आए हुए हैं और अपने हाथों में अलग-अलग संगठन के झंडे और बैनर लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी कर रहे हैं. महारैली में महिला किसान और मजदूर बड़ी तादाद में शामिल बता दें कि राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान पर बीते कुछ दिनों पहले ही बड़ी संख्या में संयुक्त किसान मोर्चा के लोगों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया गया था, लेकिन 5 अप्रैल को किसान मजदूर संगठन की तरफ से यहां पर दिल्ली के अलावा अलग-अलग राज्यों से महिला किसान और मजदूर काफी तादाद में खड़े हुए हैं और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे हैं. इनकी मांग है कि जो देहाती मजदूर हैं उनको न्यूनतम वेतन दिया जाए. रैली को लेकर कई रूट डायवर्ट रामलीला मैदान में एक बार फिर आयोजित की जा रही मजदूर किसान संघर्ष रैली शुरू हो गई है. बता दें कि कुछ दिन पहले ही संयुक्त किसान मोर्चा की महारैली इस मैदान में आयोजित की गई थी, लेकिन बुधवार को रामलीला मैदान में मजदूर किसान संगठन रैली में बड़ी संख्या में देश के अलग-अलग राज्यों से किसान और मजदूर दिल्ली पहुंच चुके हैं. वहीं दिल्ली के रामलीला मैदान पहुंच रहे किसान और मजदूर की रैली को देखते हुए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की तरफ से कई रूटों को डायवर्ट किया गया है और ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की गई है. जिसमें कई रास्ते बंद किए गए हैं. दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के अनुसार लोगों से यह भी अपील की गई है कि जो लोग पहाड़गंज चौक, केजी मार्ग, मिंटो रोड, बाराखंबा और जनपद की तरफ जा रहे हैं, वो इस रास्ते पर जाने से बचे, क्योंकि यहां पर जाम की समस्या रह सकती है. साथ ही जेएलएन मार्ग कमला मार्केट, और हमदर्द चौक, भूमिगत मार्ग , महाराजा रणजीत सिंह मार्ग , और अजमेरी गेट, दिल्ली गेट की तरफ जाने वाले रास्तों पर भी पुलिस की तरफ से एडवाइजरी जारी की गई है. साथ ही रामलीला मैदान के आसपास भारी संख्या में अर्धसैनिक बल, दिल्ली पुलिस के जवान और ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया है, ताकि लोगों को असुविधा ना हो. किसानों और मजदूरों ने पीएम से किया सवाल बता दें कि इस प्रदर्शन का आयोजन सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड, यूनियन ऑल इंडिया किसान सभा और ऑल इंडिया एग्रीकल्चर वर्कर्स यूनियन द्वारा किया जा रहा है. वहीं एआईकेएस मोर्चा की तरफ से कहा जा रहा है कि हमारा सवाल देश की नरेंद्र मोदी सरकार से है कि दो करोड़ लोगों को नौकरी देने का वादा किया गया था,

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
गुरुवार, 6 अप्रैल, 2023 3

सुविचार: उस ज्ञान का कोई लाभ नहीं, जो समाज के हित में ना हो!

तेलंगाना आईपीएस एसोसिएशन ने भाजपा विधायक की टिप्पणी की निंदा की

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के आईपीएस एसोसिएशन ने भाजपा विधायक रघुनंदन राव की डीजीपी अंजनी कुमार के खिलाफ गैर-जिम्मेदाराना और अत्यधिक अपमानजनक टिप्पणी की निंदा की है।

आईपीएस एसोसिएशन ने विधानसभा अध्यक्ष पोचारम श्रीनिवास रेड्डी से रघुनंदन राव के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का भी अनुरोध किया, जो सिद्दीपेट जिले के दुब्बका विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

उन्होंने कहा कि एक विधायक का इस तरह का गैर-जिम्मेदाराना बयान और एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के खिलाफ असंसदीय भाषा का इस्तेमाल एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में अत्यधिक अशोभनीय और अस्वास्थ्यकर है। इसके अलावा, इस तरह की अपमानजनक टिप्पणी तेलंगाना के पूरे पुलिस बल के लिए अत्यधिक मनोबल गिराने वाली है, जो कार्य दिवस है और तेलंगाना के आईपीएस एसोसिएशन ने एक विज्ञप्ति में कहा, राज्य में जनता की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के रखरखाव को सुनिश्चित करने के लिए रात।

हरीश राव ने बंडी को लोकसभा से अयोग्य ठहराने की मांग की

मेदक, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय को लोकसभा से अयोग्य ठहराने की मांग की। यह कहते हुए कि तांडूर और वरंगल में सोमवार और मंगलवार के प्रश्न पत्र की घटनाओं में संजय शामिल है, मंत्री ने कहा कि संजय दोनों घटनाओं में मुख्य साजिशकर्ता है। जबकि वारंगल मामले में शामिल प्रशांत भाजपा पार्टी का कार्यकर्ता है, तांडूर घटना में शामिल शिक्षक भाजपा से संबद्ध शिक्षक संगठन का सदस्य है। राव ने संजय से स्पष्टीकरण भी मांगा कि प्रशांत ने व्हाट्सएप पर संजय के साथ प्रश्न पत्र की फोटो क्यों साझा की थी।

बुधवार को मेदक में पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि मंगलवार को प्रश्नपत्र की घटना में संजय को रंगेहाथ पकड़ा गया था। भाजपा पार्टी और उसके नेताओं पर राजनीतिक लाभ के लिए 10वीं कक्षा के छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का

आरोप लगाते हुए राव ने कहा कि भाजपा नाटक कर रही है। जबकि वारंगल में भाजपा नेताओं ने मंगलवार दोपहर विरोध प्रदर्शन किया, उन्होंने कहा कि उन्हीं नेताओं ने मंगलवार शाम को उसी वारंगल में धरना दिया, जिसमें पेपर लीक में शामिल लोगों की रिहाई की मांग की गई थी।

मंत्री ने कहा कि यह स्पष्ट रूप से संकेत देता है कि इस घटना में भाजपा नेता शामिल है। यह कहते हुए कि मंगलवार को परीक्षा पूरी होने से पहले किसी भी माता-पिता या छात्र को पेपर नहीं मिला, उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं ने पेपर लीक होने को दर्शाने के लिए आपस में प्रश्नपत्र बांटे थे। भाजपा नेताओं पर शिक्षा के मूल्य के बारे में ज्ञान की कमी का आरोप लगाते हुए राव ने कहा कि भाजपा के पास अधिक शिक्षित सदस्य नहीं हैं। तेलंगाना से लेकर नई दिल्ली तक भाजपा के कई नेता फर्जी योग्यता धारण कर रहे थे।

संजय सहित विभिन्न भाजपा नेताओं के साथ प्रशांत की तस्वीरें दिखाते हुए राव ने कहा कि भाजपा विभिन्न साजिशों के साथ राज्य सरकार को अस्थिर करने की साजिश के लिए जानी जाती है। उन्होंने जीएचएमसीचुनावों के दौरान भाजपा की साजिशों को याद किया। राव ने यह भी मांग की कि संजय यह स्पष्ट करें कि प्रशांत भाजपा पार्टी के कार्यकर्ता थे या नहीं और उन्होंने संजय के साथ प्रश्न पत्र साझा किया था या नहीं। मंत्री ने कहा कि प्रशांत ने संजय के फोन नंबर सहित दो घंटे के भीतर 142 कॉल किए। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया पर संदेश फैलाने के अलावा संजय के समर्थन से मीडिया संगठनों और वेबसाइटों को प्रश्न पत्र प्रसारित किया था।

अंतर्राष्ट्रीय नकली आमेज़ॅन प्राइम सब्सक्रिप्शन कॉल सेंटर का भंडाफोड़

13 धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। स्पेशल ऑपरेशन्स टीम (एसओटी), मेड्चल जोन के अधिकारियों ने पेटबशीरबाद पुलिस सीमा के तहत एक अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया और 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने खुद को अमेज़ॅन के टेक सपोर्ट टीम स्टाफ के रूप में प्रस्तुत करके ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले लोगों को धोखा दिया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में स्थित संभावित लक्ष्यों को बुलाया और पीड़ितों को यह बताकर तकनीकी सहायता की पेशकश की कि उनका खाता या तो हैक कर लिया गया है या सुरक्षा को खतरा है। आरोपियों ने अवैध तकनीक और वॉयस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल का इस्तेमाल किया। पीड़ितों को उपहार कार्ड के माध्यम से निर्दिष्ट राशि का भुगतान करने के लिए मजबूर किया गया था, जिसे अभियुक्तों के विदेशी संपर्कों द्वारा ऑस्ट्रेलिया स्थित बैंक खातों में भुनाया गया था। कॉल सेंटर पर कुल 13 व्यक्ति मौजूद थे, जो हाजिर थे और खुद को अमेजन प्राइम का टेक सपोर्ट बताकर विदेशी नागरिकों के साथ कॉल में लगे हुए थे। उन्हें गिरफ्तार किया गया और 13 डेस्कटॉप मॉनिटर, 14 सीपीयू, 13 हेड सेट, एक हार्ड डिस्क, एक पेन ड्राइव, एक मेमोरी कार्ड, आठ नए सिम कार्ड, 18 मोबाइल फोन, दो डीजल कलाई घड़ियाँ, एक हिल फिंगर कलाई घड़ी, एक ऑर्टुनर कार, 5,940 रुपये की शुद्ध नकदी, इंटरनेट राउटर, टेलीकम्युनिकेशन सॉफ्टवेयर और कंप्यूटर और मोबाइल फोन में अन्य सामग्री के साथ आपत्तिजनक डेटा बरामद किए गए।

अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल सेंटर के आयोजक हैं रबेश कुमार प्रसाद उर्फ राहुल, कॉल सेंटर के प्रबंधक और मुकुंदपुर, 124 परगना, पश्चिम बंगाल के मूल निवासी, सर्बेश कुमार गुप्ता उर्फ आमीन, कॉल सेंटर के प्रबंधक, फ्लैट नंबर 907, वीएसएस अपार्टमेंट में रहते हैं, टेलीकॉलर जॉब और मूल निवासी मिदनापुर, नदिया जिला, पश्चिम बंगाल, बैरिक प्रमोद रेड्डी उर्फ प्रमोद, बिजनेस ए1 एक्सप्रेस सुपर मार्केट लंदन निवासी किशनपुरा, हनमकोंडा, लंदन पता: अदीस कॉम्बे, क्रोडियन, लंदन, कुंचला अजय कुमार, बीड़ी पत्ता ठेकेदार फर्स्ट बैंक कॉलोनी, वारंगल का रहने वाला रामकृष्ण रेड्डी (फरार) है। ग्राहक डेटा विक्रेता है : पश्चिम बंगाल का आकाश (फरार), पश्चिम बंगाल का वेस्ले (फरार)। टेलीकॉलर: मुकेश रजाक उर्फ मार्क, टेलीकॉलर, फ्लैट नंबर. 203, डीएच रोड, भेल, डायमंड हारबर, पश्चिम बंगाल, कर्मा शेपल उर्फ जैक, काइलिंग होम्स, डार्जलिंग, पश्चिम बंगाल के मूल निवासी, एमडी मुस्तफा उर्फ डेनियल, टेलीकॉलर, बकाडा बाजार, पश्चिम बंगाल के मूल निवासी, अनमोल प्रदान उर्फ स्टीफन, टेलीकॉलर, मूल निवासी दलिनी, ढाली प्रसाद दार्जिलिंग, रॉय रिशकांत उर्फ रयान, टेलीकॉलर, 199 डीएच रोड, कोलकाता 34, पश्चिम बंगाल, मोहम्मद समीर उर्फ सैम मोहम्मद हाजी, टेलीकॉलर, निवासी मोहम्मदिया मस्जिद, रामरेड्डीनगर, आईडीपीएल, बालानगर, गुंजी पवन कल्याण उर्फ केविन, टेलीकॉलर, निवासी वीबी सिटी, बोलाराम, मूल निवासी मंजुलापुरी कॉलोनी, हनुमान मंदिर के पास, साईं वर प्रसाद उर्फ जेम्स, टेलीकॉलर, गोलापेट कॉलोनी के मूल निवासी, निर्मल, नयाकोटि बसवाराजू, टेलीकॉलर, एच.नंबर 11-244, संजय गांधी नगर, जीदीमेटला में रहते हैं। गिरफ्तारियां जी. संदीप, उप निदेशक की देखरेख में की गईं।

चुनाव से पहले टीएस में गड़बड़ी पैदा करने की कोशिश कर रही है बीजेपी : इंद्रकरन

निर्मल, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वन मंत्री अल्लोला इंद्रकरन रेड्डी ने आरोप लगाया किभारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय का असली स्वभाव तब सामने आया जब एसएससी प्रश्नपत्र जारी करने वाले आरोपी का उससे संबंध पाया गया। बुधवार को यहां मीडिया को संबोधित करते हुए, इंद्रकरन रेड्डी ने संदेह जताया कि क्या भाजपा नीत केंद्र प्रश्नपत्र मुद्दे के पीछे का मास्टरमाइंड हो सकता है और कहा कि आरोपी के भगवा पार्टी के नेताओं के साथ सीधे संबंध है। उन्होंने कहा कि केंद्र, जिसे तेलंगाना के प्रति द्वेष है, वह राज्य के लिए समस्याएं पैदा करने की कोशिश कर रहा है।

जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, बीजेपी तेलंगाना में किसी

तरह की गड़बड़ी पैदा करना चाहती है और राजनीतिक लाभ हासिल करना चाहती है। यह सरकार को दोष देने की कोशिश कर रहा है। हम भाजपा के केंद्र और राज्य के नेताओं के व्यवहार की कड़ी निंदा करते हैं, उन्होंने कहा कि घटना में भाजपा नेताओं और उनके समर्थकों की साजिश की निष्पक्ष जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि हम भाजपा नेताओं के व्यवहार का विरोध करने और पार्टी के पुतले जलाने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं का आह्वान कर रहे हैं। इससे पहले, रेड्डी ने कस्बे के मनचेरियल चौरास्ता में संजय का पुतला फूंकने में हिस्सा लिया था।

10 साल के रॉयल बंगाल टाइगर की नेहरू जू पार्क में किडनी फेल होने से मौत

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नेहरू जूलॉजिकल पार्क में बुधवार को 10 वर्षीय जो की गुर्दे की विफलता से मृत्यु हो गई।

चिड़ियाघर के अधिकारियों के अनुसार, रॉयल बंगाल टाइगर अपच और भूख न लगने से पीड़ित था और पिछले छह महीनों से उसका इलाज चल रहा था। बिल्ली के समान ने बार-बार भूख में कमी, आहार के पैटर्न में बदलाव और दुबलेपन को दिखाया।

चिड़ियाघर के अधिकारियों ने बताया कि विशेषज्ञ इलाज और तमाम कोशिशों के बावजूद आज तड़के तीन बजे बाड़े में जो की मौत हो गई और पोस्टमॉर्टम के दौरान किडनी खराब होने की पुष्टि हुई।

हनुमान जयंती शोभा यात्रा के लिए सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस गुरुवार को होने वाली हनुमान जयंती शोभा यात्रा के लिए शहर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम कर रही है। श्री रामनवमी शोभा यात्राओं के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में हिंसा की हालिया घटनाओं के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों को हनुमान जयंती उत्सव के लिए सतर्क रहने को कहा है। शोभा यात्रा के बंदोबस्त की निगरानी के लिए हैदराबाद पुलिस करीब 2,000 पुलिसकर्मियों को तैनात करेगी। लगभग 10,000 लोगों की अपेक्षित भागीदारी के साथ मुख्य जुलूस गौलीगुडा राम मंदिर से निकाला जाएगा और हनुमान मंदिर, ताड़बंद में समाप्त होगा। सभी को अलर्ट पर रहने और शांति सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। टास्क फोर्स, क्विक रिएक्शन टीम, सिटी रैपिड एक्शन फोर्स, सिटी आर्म्ड रिजर्व, एंटी-सबोटेज टीमों, शी टीमों सहित हैदराबाद पुलिस के विभिन्न विंग सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा बनेंगे। रैपिड एक्शन फोर्स कानून व्यवस्था बनाए रखने में हैदराबाद पुलिस की मदद करेगी। अधिकारियों ने कहा कि आईटी सेल, विशेष शाखा और साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन की सोशल मीडिया निगरानी टीमें भड़काऊ सामग्री के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नजर रखेंगी और तत्काल कार्रवाई शुरू करेंगी।

एसवीपी एनपीए कैंपस में कर्मचारियों के लिए आवासीय क्वार्टरों का शुभारंभ

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्री जी किशन रेड्डी ने आज यहां सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में नवनिर्मित 112 आवासीय क्वार्टरों के परिसर का उद्घाटन किया।

परिसर का उद्घाटन करने के बाद बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि उचित बुनियादी ढांचे का विकास संगठन के कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। मंत्री ने कहा कि सुविधाएं उन्हें बेहतर देने के लिए आराम प्रदान करेंगी। विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर जैसी जगहों पर पुलिस की सेवाओं को याद करते हुए, मंत्री ने देश में उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में शांति लाने में सशस्त्र बलों द्वारा निभाई गई भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिस की कड़ी मेहनत के कारण अब वे क्षेत्र अच्छी तरह से प्रगति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस कर्मी शांतिपूर्वक रहने के लिए न्यूनतम सुविधाओं के हकदार हैं। अमित गर्ग, आईपीएस, अतिरिक्त निदेशक, एसवीपी एनपीए ने अपने स्वागत भाषण में ग्रुप बी और ग्रुप सी के कर्मचारियों के लिए 642 क्वार्टरों में से कुल 320 क्वार्टर उपलब्ध हैं।

तेलंगाना में जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना पर केंद्र से कोई ठोस आश्वासन नहीं

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जहां केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय पहले ही स्थापित हो चुका है और पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में कक्षाएं शुरू हो चुकी हैं, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा भूमि और भवन आवंटित किए जाने के बावजूद तेलंगाना में विश्वविद्यालय की स्थापना के संबंध में कोई काम शुरू नहीं हुआ है। सेंट्रल ट्राइबल यूनिवर्सिटी अगस्त 2020 से आंध्र प्रदेश में काम कर रही है। दिलचस्प बात यह है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को भी तेलंगाना में केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना के बारे में कोई आश्वासन नहीं दिया और सिर्फ यह बताया कि शिक्षा मंत्रालय द्वारा गठित साइट चयन समिति ने मुलुगु में एक साइट और एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट को अंतिम रूप दे दिया है। (डीपीआर) तैयार कर ली गई है। बीआरएस सदस्य केआर सुरेश रेड्डी द्वारा उठाए गए एक सवाल का जवाब देते हुए, मंत्री ने कहा कि एक केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना एक सतत प्रक्रिया है और इस मुद्दे पर विस्तार से नहीं बताया।

हालांकि तेलंगाना राज्य के गठन को आठ साल हो गए हैं, केंद्र, जिसने एक विश्वविद्यालय स्थापित करने की अनुमति दी थी, आज तक इससे संबंधित कोई भी कार्य करने में विफल रहा है। केंद्र ने आंध्रप्रदेश पुनर्गठन अधिनियम-2014 में राज्य में जनजातीय विश्वविद्यालय शुरू करने का आश्वासन दिया था, लेकिन इसे पूरा करने में देरी हुई है। पिछले आठ साल से यूनिवर्सिटी के लिए केंद्र के खिलाफ राज्य की अनवरत लड़ाई के बाद केंद्र ने हाल ही में एक डीपीआर तैयार की है।

यहां तक कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने सितंबर 2021 में अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राज्य में एक जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना के काम में तेजी लाने का अनुरोध किया, जैसा कि पुनर्गठन अधिनियम में वादा किया गया था और बताया कि राज्य सरकार ने पहले ही 200 एकड़ भूमि की पहचान कर ली है। वारंगल के पास और केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों ने भी इसके स्थान पर सहमति व्यक्त की। राज्य सरकार ने मुलुगु में विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए 116 एकड़ आवंटित भूमि, 50 एकड़ वन भूमि और 169 एकड़ सरकारी भूमि आवंटित की है। राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय शुरू करने के लिए एक भवन की भी पहचान की। केंद्र ने डीपीआर तैयार करने के बाद विगत फरवरी में वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग को विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव सौंपा था।

नगर में हल्की बारिश, आईएमडी ने येलो अलर्ट जारी किया

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में बुधवार की सुबह उमस भरी रही, लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, आसमान में धीरे-धीरे बादल छा गए और शाम के समय हैदराबाद के अधिकांश हिस्सों में हल्की बारिश हुई, जिससे बहुत जरूरी राहत मिली।

भारत मौसम विज्ञान विभाग-हैदराबाद (आईएमडी) ने शहर के लिए शुक्रवार तक येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें भविष्यवाणी की गई है कि शाम या रात में बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ेंगे। हालांकि, दिन का तापमान 36 और 37 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा।

आस-पास के जिलों आदिलाबाद, कुमारम भीम आसिफाबाद, निर्मल, करीमनगर, निजामाबाद, कामारेड्डी, मनचेरियल और मेडक को ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें मध्यम बारिश, गरज और ओलावृष्टि की भविष्यवाणी की गई है। आईएमडी-एच ने यह भी अनुमान लगाया है कि हैदराबाद सहित पूरे राज्य में 9 अप्रैल से मौसम गर्म होने की उम्मीद है, बारिश की कोई भविष्यवाणी नहीं की गई है।

फर्जी वाहन बीमा पॉलिसी बेचने वाला गिरोह गिरफ्तार

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मोटर चालकों को नकली वाहन बीमा पॉलिसी प्रमाणपत्र बनाने और बेचने में शामिल एक गिरोह के तीन सदस्यों को बुधवार को साइबराबाद स्पेशल ऑपरेशंस टीम और मियापुर पुलिस ने पकड़ा। पुलिस ने उनसे 79,000 नकद, 116 फर्जी बीमा पॉलिसी प्रमाण पत्र, दो कंप्यूटर, एक प्रिंटर, रबर स्टांप, मोबाइल फोन और रुपये बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों में मोहम्मद सरवर शरीफ (28), मिर्जा इलियास बेग (62) और शैक जमील अहमद (46) हैं। एक अन्य व्यक्ति अजहर फरार है।

डीसीपी (मधापुर) के शिल्पावल्ली के अनुसार, हफीजपेट के आदित्यनगर में अमायरा कम्युनिकेशन कस्टमर सर्विस प्वाइंट चलाने वाला मुख्य संदिग्ध सरवर अपने सहयोगियों के माध्यम से विभिन्न व्यक्तियों को बेचने के लिए अपने कंप्यूटर पर वाहन बीमा पॉलिसी प्रमाणपत्र तैयार कर रहा था।

कुलसुमपुरा में पिता की हत्या

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कलसुमपुरा में मंगलवार रात एक व्यक्ति ने अपने घर में झगड़े के बाद अपने पिता की कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, पीड़ित एन वेंकटेश (42) अपने परिवार के साथ कुलसुमपुरा कारगिल नगर थाना क्षेत्र में रहता था।

मंगलवार की रात जब वेंकटेश नशे की हालत में घर आया और अपने परिवार के साथ झगड़ा करने लगा तो उसके बेटे साईं कुमार ने तौलिया लिया और गला दबा कर उसकी हत्या कर दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को उस्मानिया जनरल अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मामला दर्ज है। जांच चल रही है। साईं कुमार को कथित तौर पर हिरासत में ले लिया गया है

जन्मदिन की शुभकामनाएं

अनाया शुक्ला
माता : सोनल शुक्ला
पिता : विशाल शुक्ल

दक्षिण मध्य रेलवे
हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा आमंत्रण निविदा सूचना सं. डिप्टी सीई-जीएस-बीजेडए-08एवं 09-2023, दि : 03-04-2023 पीयूबी/0340
(ireps.gov.in के माध्यम से)
भारत के राष्ट्रपति की ओर से, डिप्टी चीफ इंजीनियर, गति शक्ति, दक्षिण मध्य रेलवे, विजयवाड़ा द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए निविदाकरण की सार्वजनिक निविदा / एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदा आमंत्रित है।

क्र.सं. 1. निविदा सूचना सं. : डिप्टी. सीई-जीएस-बीजेडए-08-2023, दि. 03-04-2023, **कार्य का विवरण:** कार्य का नाम: **एसडब्ल्यू-1** : बीजेडए डिवीज़न : नारसिंगपल्ली - डाउन साइड पर प्रस्तावित नया अतिरिक्त लूप लाइन, **एसडब्ल्यू-2** : बीजेडए डिवीज़न : नारसिंगपल्ली-720.00 लंबाई तक मेन लाइन एवं लूप लाइन का प्रस्तावित विस्तार। **निविदा मूल्य** : रु. 5,49,75,852.41, **पूधरा** : रु. 4,24,900/-, **पूरा करने की अवधि** : (9) नौ महीने, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : रु. नगण्य, **बंद होने की तिथि एवं समय** : 21-04-2023 को 15.00 बजे.

क्र.सं. 2. निविदा सूचना सं. : डिप्टी. सीई-जीएस-बीजेडए-09-2023, दि. 03-04-2023, **कार्य का विवरण:** कार्य का नाम: बीजेडए डिवीज़न : विजयवाड़ा - अमृत भारत स्टेशन स्कीम के अन्तर्गत जीडीवी-3 नग एवं टीडीडी - 2 नग पर एस्केलेटर्स (05 नग) का प्रावधान। **निविदा मूल्य** : रु. 2,09,93,210.07, **पूधरा** : रु. 2,55,000/-, **पूरा करने की अवधि** : (9) नौ महीने, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : रु. नगण्य, **बंद होने की तिथि एवं समय** : 21-04-2023 को 15.00 बजे.

1. बोली दस्तावेज़ एवं अन्य विवरणों के लिए, कृपया वेबसाइट https://ireps.gov.in को लॉगिन करें।
2. पूर्व धरोहर राशि एवं निविदा दस्तावेज़ों के मूल्य का भुगतान आईआरईपीएस में ऑनलाइन उपलब्ध कराये गये नेट बैंकिंग / पेमेंट गेटवे सुविधाओं के माध्यम से ही करना होगा
3. निविदादाता अपने प्रस्ताव निविदा प्रस्तुत करने / बोली लगाने की अवधि, जो निविदा बंद होने की तिथि से पंद्रह दिन पूर्व है, में ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं।
4. निविदादाताओं को किसी भी प्रकार के शुद्धिपत्र (केवल ऑनलाइन जारी) के लिए निविदा प्रस्तुति/ बोली अवधि शुरू होने की तिथि तक देखना होगा।

डिप्टी चीफ इंजीनियर, गति शक्ति, विजयवाड़ा

ई-निविदा आमंत्रण निविदा सूचना सं. डिप्टी सीई-जीएस-बीजेडए-10-2023, दि : 03-04-2023 पीयूबी/0341
(ireps.gov.in के माध्यम से)
भारत के राष्ट्रपति की ओर से, डिप्टी चीफ इंजीनियर, गति शक्ति, दक्षिण मध्य रेलवे, विजयवाड़ा द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए निविदाकरण की सार्वजनिक निविदा / एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदा आमंत्रित है।

क्र.सं. 1. निविदा सूचना सं. : डिप्टी. सीई-जीएस-बीजेडए-10-2023, दि. 03-04-2023, **कार्य का विवरण:** कार्य का नाम: अमृत भारत स्टेशन स्कीम के अन्तर्गत मछलीपटणम (02 नग) एवं गुण्डाला (2 नग) पर 04 नग लिफ्ट्स का प्रावधान। **निविदा मूल्य** : रु. 60,06,263.80, **पूधरा** : रु. 1,20,100/-, **पूरा करने की अवधि** : (9) नौ महीने, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : रु. नगण्य, **बंद होने की तिथि एवं समय** : 24-04-2023 को 15.00 बजे.

1. बोली दस्तावेज़ एवं अन्य विवरणों के लिए, कृपया वेबसाइट https://ireps.gov.in को लॉगिन करें।
2. पूर्व धरोहर राशि एवं निविदा दस्तावेज़ों के मूल्य का भुगतान आईआरईपीएस में ऑनलाइन उपलब्ध कराये गये नेट बैंकिंग / पेमेंट गेटवे सुविधाओं के माध्यम से ही करना होगा
3. निविदादाता अपने प्रस्ताव निविदा प्रस्तुत करने / बोली लगाने की अवधि, जो निविदा बंद होने की तिथि से पंद्रह दिन पूर्व है, में ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं।
4. निविदादाताओं को किसी भी प्रकार के शुद्धिपत्र (केवल ऑनलाइन जारी) के लिए निविदा प्रस्तुति/ बोली अवधि शुरू होने की तिथि तक देखना होगा।

डिप्टी चीफ इंजीनियर, गति शक्ति, विजयवाड़ा

सं. एनडब्ल्यू/148/डब्ल्यू-III/ निविदा सूचना/2023-24 दिनांक : 03-04-2023 पीयूबी/0343
निविदा के विवरण पहले ही www.ireps.gov.in पर अपलोड किए गए हैं।

क्र.सं. 1. निविदा सं. : टी-202324-3-001, **अथारिटी** : को-आर्ड, **निविदा मूल्य** : रु. 2,14,02,212.94, **पूर्व धरोहर राशि** : रु. 2,57,000.00, **पूरा करने की अवधि** : बारह महीने, **कार्य का विवरण** : एडीईएन/एडब्ल्यूबीस अधिकार क्षेत्र में एसएसई/पीवे/एलएसआर एवं एसएसई/पी.वे./एडब्ल्यूबी के अन्तर्गत प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक कार्य, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : 0

क्र.सं. 2. निविदा सं. : टी-202324-3-002, **अथारिटी** : को-आर्ड, **निविदा मूल्य** : रु. 4,59,61,720.69, **पूर्व धरोहर राशि** : रु. 3,79,800.00, **पूरा करने की अवधि** : बारह महीने, **कार्य का विवरण** : एडीईएन/पीएयू अधिकार क्षेत्र में एसएसई/पीवे/पीएयू एवं एसएसई/पी.वे./एचएनएल के अन्तर्गत प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक कार्य, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : 0

क्र.सं. 3. निविदा सं. : टी-202324-3-003, **अथारिटी** : को-आर्ड, **निविदा मूल्य** : रु. 2,65,33,000.41, **पूर्व धरोहर राशि** : रु. 2,82,700.00, **पूरा करने की अवधि** : बारह महीने, **कार्य का विवरण** : एडीईएन/जे के अधिकार क्षेत्र में एसएसई/पीवे/जे एवं एसएसई/पी.वे./सेलु के अन्तर्गत प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित ट्रैक कार्य, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : 0

क्रम सं.1 निविदा सं. टी-202324-3-001,टी-202324-3-002, टी-202324-3-003 **समानान्तर स्वभाव का कार्य (रु. 50 लाख से अधिक लागत के लिए)** : ट्रैक रखरखाव कार्य को मिलाकर कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य।

उपरोक्त निविदा 26-04-2023 को 15.00 बजे बंद होगी।

सीनि. डीईएन/को-आर्ड/ नांदेड़
A0470

अतिरिक्त निविदा शर्तो/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए, कृपया वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in' या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

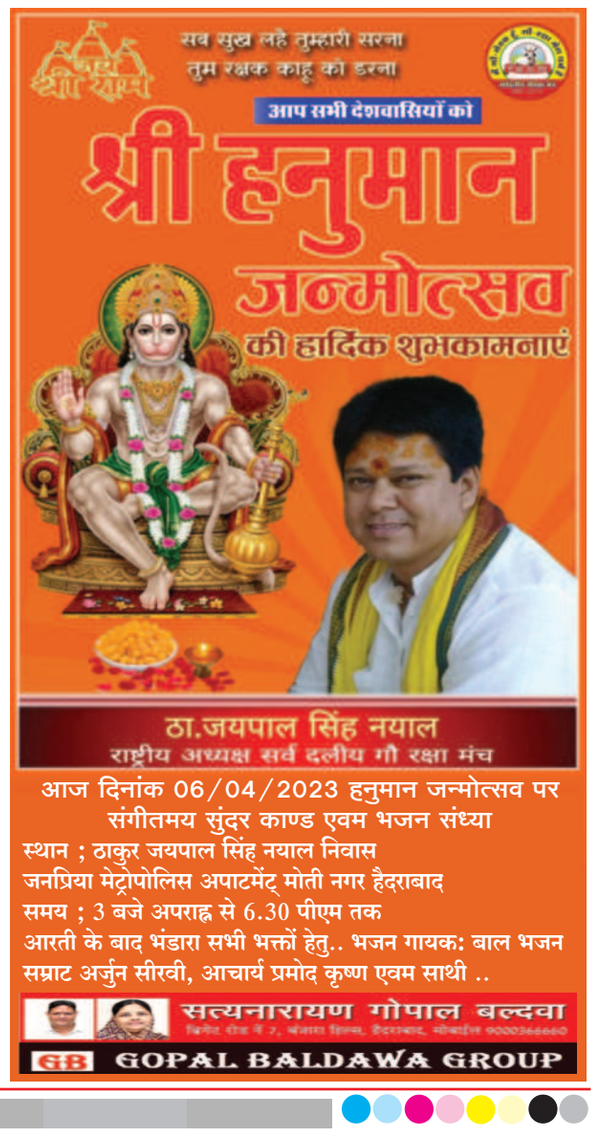

'मेरी कैंपेनिंग स्ट्रेटजी से यूपी-बिहार में बनी मोदी की पहचान

प्रशांत किशोर ने लिया पीएम की पॉपुलैरिटी का श्रेय

पटना, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर उर्फ पीके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी को 2013 से पहले यूपी और बिहार में कोई जानने वाला तक नहीं था। लेकिन उनके चुनावी स्ट्रैटजी की वजह से ना केवल वह घर घर पहुंचे, बल्कि प्रधानमंत्री तक बन गए। पीके ने प्रधानमंत्री मोदी की पहचान बनाने का पूरा श्रेय लेते हुए कहा कि अब बिहार की बारी है। उन्होंने कहा कि इसके लिए वह अब हर जगह 'जय बिहार-जय बिहार' का नारा लगवा रहे हैं। इसका उद्देश्य है कि बिहार की भी पहचान बने और जो छात्र, मजदूर बाहर जाते हैं उन्हें लोग गाली ना दें। पीके इस समय अपनी चुनावी रणनीति के तहत राजनीति की जमीन तलाशने के लिए बिहार में सुराज यात्रा निकाल रहे हैं। कई महीने पहले शुरू हुई यह यात्रा इस समय सारण में है। उन्होंने यात्रा की शुरुआत करीब तीन महीने पहले पश्चिमी चंपारण से की थी। अपनी यात्रा के दौरान ही प्रशांत किशोर उर्फ पीके मंगलवार को सारण में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को पूरे देश में और हर घर तक पहुंचाने के लिए ही उन्होंने साल 2013 के चुनावों से पूर्व हर हर मोदी का नारा दिया था। इससे पहले उन्हें गुजरात के बाहर कोई जानने वाला नहीं था। उन्होंने कहा कि अब बिहार की बारी है। अब जरूरत आन पड़ी है कि बिहार का गौरवशाली अतीत याद दिलाया जाए। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए उन्होंने जय बिहार का नारा दिया है।

बिहार के राज्यपाल ने पीएम मोदी को बताया राष्ट्र नायक

बोले- मोदी छोटे से छोटे कार्यकर्ता का रखते हैं ध्यान

पटना, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हमेशा देशहित में काम करते हैं। पटना में 'राष्ट्रनायक नरेंद्र मोदी' नामक पुस्तक उपशीर्षक 'राष्ट्रवाद से समाजवाद की ओर' के लोकार्पण के दौरान उन्होंने ये बाते कही। इस मौके पर राज्यपाल ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी ने दुनिया में देश का सम्मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि पुस्तक का एक नाम है 'राष्ट्रनायक नरेंद्र मोदी', जो बिल्कुल सही है, लेकिन मैं उपशीर्षक 'राष्ट्रवाद से समाजवाद की ओर' से अलग राय रखता हूं। मैं उनसे अतीत में कई बार मिल चुका हूं और मेरा दृढ़ विश्वास है कि वह केवल 'राष्ट्रवाद' जानते थे, 'समाजवाद' नहीं। 'समाजवाद' 'राष्ट्रवाद' के अंतर्गत आता है। मुझे हमेशा आश्चर्य होता है कि वह किस क्षमता से बना है।

मोदी ने बढ़ाई देश की प्रतिष्ठा

उन्होंने यह भी कहा कि हमारा मूल मंत्र 'राष्ट्रवाद' था और भविष्य में भी वही रहेगा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के दिमाग में कोई दूसरा विचार नहीं होगा। अलेंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया भर में देश की प्रतिष्ठा बढ़ाई है। आज हर देश भारत के साथ व्यापार करना चाहता है।

इस काम के लिए पीएम को किया याद

उन्होंने कहा कि बिहार से पहले मैं हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल था। जब मुझे हिमाचल प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया था, तो पीएम नरेंद्र मोदी ने व्यक्तिगत रूप से मुझे सूचित किया था। पीएम नरेंद्र मोदी एक ऐसे व्यक्ति हैं, जो व्यक्तिगत रूप से पार्टी के छोटे कार्यकर्ताओं की देखभाल करते हैं।

सम्राट चौधरी ने भी की पीएम मोदी की तारीफ

इस मौके पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि गरीबी दूर करने वाला सिद्धांत 'राष्ट्रवाद' है और दूसरों के लिए जीना 'समाजवाद' है।

गौरतलब है कि यह पुस्तक एक भाजपा नेता उषा विद्यार्थी ने लिखी है और यह कार्यक्रम बिहार विधान परिषद के परिसर के अंदर आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम के दौरान शाम को भाजपा के कई विधायक और विधान पार्षद उपस्थित थे।

प्लेटफॉर्म पर गूंजी किलकारी

दमोह जा रही महिला ने झांसी रेलवे स्टेशन पर दिया बच्चे को जन्म

झांसी, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर एक महिला ने बेटे को जन्म दिया। जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ्य हैं। खबरों के मुताबिक, एक गर्भवती महिला और उसका पति दिल्ली से दमोह जा रहे थे। महिला को प्रसव पीड़ा होने लगी और कोई चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध नहीं थी। फलों का जूस बेचने वाले तनवीर मिर्जा ने कपल को देखा और तुरंत रेलवे को पीएनआर नंबर देकर मदद के लिए ट्वीट किया, जो कपल के टिकट पर छपा था। 20 मिनट के बाद डॉक्टरों की एक टीम मौके पर पहुंची और महिला का इलाज किया, जिसने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। प्रसव के दौरान महिला को कंबल से ढका गया। मां और बच्चे को अब रेलवे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तनवीर ने कहा, मैंने गर्भवती महिला को दर्द में देखा और उसका पति मदद की तलाश कर रहा था, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। मैं मौके पर गया और उनसे ट्रेन का टिकट देने को कहा। मैंने टिकट पर छपा पीएनआर नंबर लिया और ट्वीट किया। रेलवे ने तुरंत डॉक्टरों को सूचित कर महिला का इलाज कराया।

ओवैसी ने मांगा था नीतीश से मिलने का समय

बिहार हिंसा पर बोले सीएम- दो लोग इधर-उधर कर रहा है

पटना, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में हिंसा के बाद कानून-व्यवस्था को लेकर भाजपा के आरोपों से घिरे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को कहा कि बिहार में सब कुछ ठीक है। स्थिति अब सामान्य है। उन्होंने हिंसा के पीछे साजिश की बात कही और बोले कि प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट था। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिर्फ मीडिया में बातें आ रही है। हम तत्काल मीटिंग किए। दोनों जिला समेत पूरे बिहार पर मेरी नजर है। सभी अधिकारियों को निर्देश दिया है।

बिना नाम लिए केंद्रीय मंत्री पर साधा निशाना

वहीं, अमित शाह द्वारा दंगाइयों को उल्टा लटका देने वाले बयान पर सीएम नीतीश ने केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे का नाम लिए बिना भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने

कहा कि 2017 में हम भाजपा के साथ थे। तब एक नेता (अश्विनी चौबे) के बेटा ने ही सांप्रदायिक तनाव कराया था। हम तो उसको भी गिरफ्तार करवाए थे। बता दें कि साल 2018 में भागलपुर के नाथनगर में हिंदू नव वर्ष को लेकर बाइक जुलूस के दौरान उपद्रव फैलाने मामले में अश्विनी चौबे के बेटे अर्जित शाश्वत को बिहार पुलिस ने गिरफ्तार किया था। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद सुशील मोदी के बयानों पर सीएम ने कहा कि सुशील मोदी को तो बोलना ही है। वो नहीं बोलेंगे तो भाजपा उनको पार्टी से निकाल देगी।

ओवैसी ने मिलने का मांगा था समय

वहीं, नीतीश कुमार ने एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम क्या चीज है। केंद्र में सत्ताधारी दल का एजेंट है> कहां का रहने वाला है। भाजपा से अलग हुए तो हमसे मिलना चाहते थे, लेकिन हमने मना कर दिया। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि कोई प्रशासनिक लापरवाही नहीं हुई है। प्रशासन पुरी तरह से अलर्ट थी।

ये एक साजिश के तहत जानबूझकर किया गया है। जल्द ही पता चल जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस आरोपितों को ढूंढ रही है। अपने गृह जिला नालंदा में उपद्रव और तनाव को लेकर सीएम ने कहा कि हमने तो वहां बहुत काम कराया है। कुछ खास नहीं है, सब कुछ नार्मल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दो लोग हैं, एक राज कर रहा है और दूसरा उसका एजेंट है। वो दोनों मिलकर ये सब इधर-उधर कर रहे हैं। हालांकि, सीएम ने किसी का नाम नहीं लिया।

पांच ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराएगी ट्रेन

भारत गौरव ट्रेन 20 मई को पहुंचेगी भागलपुर

भागलपुर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। रेलवे 5 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन कराने के लिए 20 मई को कोलकाता से भागलपुर के रास्ते पहली भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन चलाएगा। इस ट्रेन उसी दिन भागलपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन में सफर करने वालों को पहले ही 33% की रियायत पर टिकट दिया जा रहा है। लेकिन अगर कोई व्यक्ति 15 लोगों का टिकट एक साथ बुक कराएगा तो उसे 6% की अतिरिक्त छूट दी जाएगी। यानी 39% की छूट मिलेगी। 5 साल से कम उम्र के बच्चों को टिकट नहीं लगेगा। भागलपुर में फूड प्लाजा में टिकट बुक कराया जा सकता है। अगर कोई व्यक्ति अपने परिवार के साथ जाना चाहता हो और पांच टिकट बुक कराएगा तो रेलवे की टीम उनके घर पर जाकर भी टिकट बुक करने की सुविधा देगा। टिकट पर 4 लाख का बीमा भी है।

अखिलेश यादव का आसान हुआ रास्ता

फिर मिलेगा इन दिग्गजों का साथ, बीजेपी के लिए नया चैलेंज

लखनऊ, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने यूपी निकाय चुनाव में गठबंधन के साथियों के साथ ही लड़ने का एलान किया है। सपा प्रमुख ने अपने बयान में कहा है कि नगर निकाय चुनाव में समाजवादी पार्टी अपने गठबंधन के सहयोगियों के साथ बातचीत कर चुनाव लड़ेगी। उनके इस बयान के बाद आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी और भीम आर्मी चीफ चंद्र शेखर आजाद ने भी मुहर लगा दी है। अखिलेश यादव के गठबंधन के साथ निकाय चुनाव में जाने के फैसले पर उन्हें अपने दो दिग्गज साथियों का साथ मिल गया है। यानी यूपी निकाय चुनाव में उपचुनाव वाला सपा गठबंधन जारी रहेगा। इससे बीजेपी को पश्चिमी यूपी में चुनौती मिलेगी। दरअसल, बीते साथ खतौली उपचुनाव के वक्त अखिलेश यादव और जयंत चौधरी की जोड़ी को चंद्रशेखर आजाद का साथ मिला था। सपा गठबंधन की इस तीकड़ी का सफल प्रयोग भी देखने को मिला था।

सफल हुआ था प्रयोग

तब उपचुनाव में पश्चिमी यूपी में बीजेपी को सपा गठबंधन की चुनौती के आगे पस्त होना पड़ा था। खतौली उपचुनाव में बीजेपी अपनी ही सीट हार गई थी। जबकि इससे पहले यूपी विधानसभा चुनाव में खतौली सीट पर बीजेपी के विक्रम सिंह सैनी ने जीत दर्ज की थी। लेकिन उपचुनाव में सपा और आरएलडी के गठबंधन को चंद्रशेखर आजाद का साथ मिला और बाजी पलट गई। इस सीट पर बीजेपी प्रत्याशी को 22,143 वोटों के अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन अब एक बार फिर से राज्य के इस हिस्से में बीजेपी गठबंधन को अखिलेश यादव की चुनौती का सामना करना पड़ेगा। यानी पश्चिमी यूपी में बीजेपी के लिए निकाय चुनाव में राह आसान नहीं होने वाली है। इसके संकेत रालोद नेताओं के ओर से मिलने लगे हैं। आरएलडी नेता राजपाल सैनी ने अपने बयान में कहा है कि हमारा सपा के अलावा आजाद समाज पार्टी के साथ भी गठबंधन है। इसके पक्ष में हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं।

ड्रग्स के धंधे पर रोक के लिए यूपी सरकार ने मांगी केंद्र से मदद

कोऑर्डिनेशन सेल बनाने का दिया सुझाव

लखनऊ, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। अंतर्राज्यीय समन्वय की कमी से ड्रग्स के अवैध धंधे पर प्रभावी लगाम नहीं लग पा रही है। इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार से मदद मांगी है। एक-दूसरे की सीमा से जुड़े राज्यों के बीच कोऑर्डिनेशन सेल बनाने का सुझाव भी दिया है। साथ ही कहा है कि विकसित किए जा रहे निदान पोर्टल से इस काम में काफी मदद मिल सकती है। भारत में करीब 40 लाख लोग ड्रग्स लेने के आदी हैं। इसमें मुख्य रूप से गांजा, हशीश, अफीम और हेरोइन शामिल है। कफ सीरप और दर्द निवारक दवाइयों आदि का भी नशा करने में इस्तेमाल किया जाता है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी अपने विभिन्न आदेशों में कहा है कि उत्तर प्रदेश में दूसरे राज्यों से ड्रग्स की तस्करी की जा रही है। इस पर नियंत्रण के लिए यह जरूरी है कि यूपी और अन्य राज्यों की पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। उत्तर प्रदेश की सीमा कई राज्यों से लगती है, जहां बिहार, पश्चिमी बंगाल, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश से यह तस्करी होती है। यूपी सरकार का कहना है कि ऐसी दशा में यह आवश्यक है कि अपराधियों की गिरफ्तारी की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। ड्रग्स की जहां से तस्करी शुरू होती है और जहां यह पहुंचती है, दोनों ही स्थानों के सरगनाओं पर प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता है।

अखिलेश यादव पर भड़कीं बीएसपी चीफ मायावती

मुलायम सिंह यादव का नाम लेकर कहा- 'उनकी नीयत साफ नहीं'

लखनऊ, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी और बीएसपी के बीच जुबानी जंग बढ़ती जा रही है। अब अखिलेश यादव के बयानों पर पार्टी प्रमुख मायावती ने पलटवार किया है। सपा प्रमुख ने दावा किया था, इस बार बहुजन समाज को भरोसा है कि समाजवादी सबको जोड़कर बीजेपी का मुकाबला करेगी। अपने हक, सम्मान, अधिकार के लिए बहुजन समाज, समाजवादी पार्टी के साथ एकजुट हो रहा है।" अब मायावती ने इसका जवाब दिया है। मायावती ने इसका जवाब देते हुए कहा, सपा प्रमुख की मौजूदगी में 'मिले मुलायम-कांशीराम, हवा में उड़ गए जय श्रीराम' नारे को लेकर रामचरित मानस विवाद वाले सपा नेता पर

मुकदमा होने की खबर आज सुर्खियों में है। वास्तव में यूपी के विकास व जनहित के बजाय जातिवादी द्वेष एवं अनर्गल मुद्दों की राजनीति करना सपा का स्वभाव रहा है।

सीएम बनने के बावजूद उनकी नीयत साफ नहीं

बीएसपी चीफ ने कहा, और यह हकीकत लोगों के सामने बराबर आती रही है कि सन 1993 में मान्यवर श्री कांशीराम जी ने सपा-बसपा गठबंधन मिशनरी भावना के तहत बनाई थी, किन्तु श्री मुलायम सिंह यादव के गठबंधन का सीएम बनने के बावजूद उनकी नीयत पाक-साफ न होकर बसपा को बदनाम करने व दलित उत्पीड़न को जारी रखने की रही। उन्होंने आगे कहा, इसी क्रम में उस दौरान अयोध्या, श्रीराम मन्दिर व अपरकास्ट समाज आदि से सम्बंधित जिन नारों को प्रचारित किया गया था वे बीएसपी को बदनाम करने की सपा की शरारत व सोची-समझी साजिश थी। अतः सपा की ऐसी हरकतों से खासकर दलितों, अन्य पिछड़ों व मुस्लिम समाज को सावधान रहने की सख्त जरूरत। इससे पहले अखिलेश यादव ने कहा, हम बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर और मान्यवर कांशीराम के रास्ते पर चलने वाले लोग हैं। हम बहुजन समाज में सेंध लगाने नहीं, बहुजन समाज को बांधने वाले हैं। इससे पहले अखिलेश यादव के बयान पर आकाश आनंद की एक प्रतिक्रिया आई थी।

संडे को स्कूल बुलाकर छात्रा से रिलेशन बनाता था टीचर

रंगे हाथों पकड़ाया, 'गंदा काम' का वीडियो वायरल

शिवहर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के शिवहर जिले से गुरु शिष्य के अटूट मर्यादा को तार-तार करने वाला एक वीडियो बड़ी तेजी से सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में शिक्षक अपनी एक नाबालिग छात्रा के साथ गलत हरकत करते हुए नजर आ रहा है। वीडियो रविवार का बताया जा रहा है। जहां स्कूल बंद होने के बाद भी स्कूल के टीचर बबलू कुमार ने एक छात्रा को किताब देने के बहाने स्कूल बुलाया और उसके साथ गुरु शिष्या संबंध को तार-तार कर दिया। आरोपी शिक्षक स्कूल के क्लास रूम छात्रा के साथ गलत कार्य कर रहा था। अपने गलत मंसूबे को पूरा करने के लिए आरोपी शिक्षक ने छात्रा को क्या प्रलोभन दिया या फिर क्या धमकी दी, अब तक इस मामले का खुलासा नहीं हो सका है। सोशल मीडिया में तेजी से वीडियो वायरल होने के बाद आम लोग भी परेशान हैं। स्कूल के शिक्षक बबलू कुमार को वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि रंगे हाथों पकड़े जाने के बाद आरोपी शिक्षक रो-रो कर युवकों से माफी मांग रहा है ,और गलती दुबारा नहीं करने की बात कह रहा है। इस वीडियो में जब छात्रा को पकड़ा गया तो उसने बताया कि टीचर बबलू कुमार ने उसे किताब देने के बहाने बुलाया था। छात्रा भी कह रही है कि अब दुबारा यह गलती नहीं होगी।

'बंगाल में स्टूल पर बैठते हैं अखिलेश यादव

ओमप्रकाश राजभर का सपा प्रमुख पर तंज

अंबेडकर नगर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। सुभासपा सुप्रीमो ओम प्रकाश राजभर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि वह मुसलमानों को गुमराह कर रहे हैं। तीसरे मोर्चे में ऐसे लोगों को शामिल किया जा रहा है जो बीजेपी को जीताने का काम करते हैं। सुभासपा प्रमुख अंबेडकर नगर में थे। वह यहां आगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनजर सियासी समीकरण साधने पहुंचे थे। इस मौके पर उन्होंने खुद को प्रदेश का सबसे बड़ा गुंडा बताया। कहा कि सभी बड़े गुंडे उन्हें सलाम ठोकते हैं। ओम प्रकाश राजभर ने इसी क्रम में ममता बनर्जी, केसीआर और लालू यादव पर भी निशान साधा। कहा कि इन लोगों के पास यूपी में कितने वोट हैं। उन्होंने अखिलेश उनके पास नहीं जा रहे हैं, जिनके पास वोट बैंक है। मतलब साफ है कि ये लोग बात तो तीसरे मोर्चे की कर रहे हैं, लेकिन वास्तव में ये सभी बीजेपी को जीताने के लिए काम कर रहे हैं।सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने मंगलवार को अंबेडकरनगर के बन्दीपुर में एक कार्यकर्ता सम्मेलन को भी संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से भी बात की और खुल कर सभी सवालों का जवाब दिया। उन्होंने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि उनसे बड़ा उत्तर प्रदेश में कौन गुंडा होगा। प्रदेश के सारे गुंडे तो उन्हें सलाम ठोकते हैं। उन्होंने कहा मैं गुंडा और नेता दोनों हूं।अब जिस व्यक्ति का जैसा नजरिया होगा, वह उन्हें उसी नजरिए से देखता है। बता दें कि ओम प्रकाश राजभर बीते विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने की

कसमें खा रहे थे। दावा कर रहे थे सपा सुप्रीमो को मुख्यमंत्री की कुर्सी तक वह खुद ले जाएंगे। लेकिन विधानसभा चुनाव में मतदान के दिन तक स्थिति साफ हो गई थी। वहीं चुनाव के परिणाम आने के साथ ही इन्होंने अपना रास्ता अलग कर लिया था। अब वह अखिलेश यादव पर लगतार हमलावर हैं। कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव से पहले तीसरे मोर्चे के गठन की तैयारी में है। लेकिन इसमें ऐसे लोगों को शामिल किया जा रहा है जो बीजेपी को जीता दिलाने का काम कर रहे हैं। यह वही लोग हैं जिनका उत्तर प्रदेश में कोई जनाधार नही है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ममता बनर्जी , केसीआर और लालू यादव के सहारे उत्तर प्रदेश में 80 सीट जीतने का सपना देख रहे हैं। ऐसे में सवाल तो बनता है कि ये नेता यहां यूपी में आकर कितना वोट दिला देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव वोट वालों से समझौता नहीं कर रहे है। इसी क्रम में उन्होंने अखिलेश यादव पर आरोप लगाया कि वह हमारे साथ कुर्सी पर नहीं बैठ रहे हैं। वहीं पश्चिम बंगाल जाकर स्टूल पर भी बैठ जा रहे हैं। ओमप्रकाश राजभर बसपा सुप्रीमो मायावती और कांग्रेस पर काफी नर्म दिखे और अपने अंदाज से नए समीकरणों का संदेश दे दिया।

'मुगलों और गोरों से ज्यादा खतरनाक रहा कांग्रेस का कार्यकाल', महंत बोले- ये देश विरोधी

गोंडा, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन कल्याणकारी योजनाओं को लेकर चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के क्रम में अयोध्या के तपस्वी छावनी के महंत स्वामी परमहंस दास गोंडा पहुंचे, जहां टाउन हाल में कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जागरूक किया गया और भाजपा सरकार की नीतियों सी अवगत कराया गया। जागरूकता कार्यक्रम अभियान के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए जगद्गुरु परमहंस दास ने इंदिरा गांधी, सोनिया गांधी, स्वामी प्रसाद मौर्य और मुसलमानों पर जमकर हमला बोला।

स्वामी परमहंस दास ने कहा कि मुगलों और गोरो से ज्यादा इन चोरों का कार्यकाल खतरनाक रहा है। उन्होंने यह भी साफ किया की चोर मतलब कांग्रेस है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा देश विरोधी गति विधि में रही है और पंडित जवाहर लाल नेहरू ने सिर्फ अंग्रेजों के लिए काम किया है। वहीं इंदिरा गांधी पर भी निशाना साधते हुए परमहंस दास ने कहा कि इंदिरा गांधी ने न्यायपालिका की अवमानना की थी उन्होंने सिर्फ अपनी गद्दी बचाई और देश में इमरजेंसी लगाकर लोकतंत्र की हत्या कर दी थी, वही सोनिया गांधी को लेकर भी परमहंस दास ने कई आपत्तिजनक बाते कहीं। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी के बच्चों को बोलने की बिल्कुल भी तमीज नहीं है।

नरेन्द्र मोदी की बुराई करने वाले चरित्रहीन

उन्होंने कहा कि यह जो भी लोग मोदी की बुराई कर रहे हैं वह चरित्रहीन और देशद्रोही हैं। परमहंस दास ने कहा कि अब भारत हिंदू राष्ट्र होकर ही रहेगा और हर हाथ को काम मिलेगा वही हर मुंह में जय श्रीराम का नाम होग। महंत ने सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि हमको ताज होटल के बाहर स्वामी प्रसाद मौर्य मिल गए थे तो वहां पर हम लोगों ने थोड़ा पीटा था और अगर क्षमा मांग लेगा तो ठीक है वरना उसको भी कंटाप लगाएंगे। परमहंस दास ने वहीं जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर भी मीडिया में बोलते हुए कहा कि देश में कॉमन सिविल कोड और जनसंख्या नियंत्रण कानून होना बहुत जरूरी है इसमें देरी नहीं होनी चाहिए। ये अब तक लागू हो जाना चाहिए था थोड़ा लेट हुआ है। स्वामी परमहंस दास जन कल्याणकारी योजनाओं को लेकर जागरूकता कार्यक्रम में शामिल होने गोंडा पहुंचे थे। कार्यक्रम के समापन के बाद महंत परमहंस दास अयोध्या के लिए रवाना हो गए।

भगवा झंडे का कथित तौर पर अपमान करने वाला अजीम गिरफ्तार

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में राम नवमी के दिन भगवा झंडे का कथित तौर पर अपमान करने के लिए पुलिस ने एक अजीम नाम के शख्स को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उस पर धार्मिक भावनाएं आहत करने व भड़काने का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने अजीम पर कार्रवाई करते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 153ए और 295ए के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि रामनवमी के दिन सड़कों पर जो भगवा झंडे लगे थे आरोपी ने उसका अपमान किया है। अजीम की गिरफ्तारी कर ली गई है और मामले की जांच चल रही है।

पंजाब के 4 शहरों में 'सीएम दी योगशाला' की शुरुआत, अरविंद केजरीवाल बोले- 'धीरे-धीरे हर जिले में होगी शुरू'

पटियाला, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के पटियाला में 'सीएम दी योगशाला' अभियान की शुरुआत हो गई है. इस मौके पर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने बताया कि अगर 25 लोग एक समूह में इकट्ठा होते हैं तो पंजाब सरकार मुफ्त में योग टीचर भेजेंगी. चार-पांच लोगों के लिए योग टीचर भेजना पंजाब सरकार के लिए महंगा पड़ेगा. उन्होंने बताया कि इसके लिए फोन नंबर जारी किया गया है. इस पर मिस्ड कॉल करना होगा. इसके बाद अपना पता और फोन नंबर देना होगा. जानकारी देने के बाद पंजाब सरकार की तरफ से योग टीचर भेज जाएंगे. सीएम केजरीवाल ने कहा कि आपकी सुविधा के समय के अनुसार योग टीचर आकर सिखाएंगे. अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज पहला फेज है. केवल चार शहरों में इसको शुरू किया गया है. फगवाड़ा, पटियाला, अमृतसर और लुधियाना में इसे शुरू किया जा रहा है. इसके बाद धीरे-धीरे पंजाब के हर जिले

इसे शुरू किया जाएगा.दिल्ली के एलजी पर सीएम केजरीवाल ने लगाया ये आरोप उन्होंने कहा कि दिल्ली में भी हम लोगों ने इसी तरह से शुरू किया था. धीरे-धीरे पूरी दिल्ली में 17 हजार लोगों ने रोज योग करना शुरू कर दिया. लोग इससे बहुत खुश थे, लेकिन एक दिन उपराज्यपाल ने इसे रोक दिया. रोक दिया तो रोक दिया, एक दिन जरूर ये फिर से शुरू होगा. अच्छी चीजों को कोई रोक नहीं सकता. एलजी ने रोक दिया, लेकिन पूरा विश्वास है कि एक दिन फिरे से ये दिल्ली में शुरू होगा. जब तक उन्होंने दिल्ली में योगशाला रोका, तब तक ऊपर वाले (भगवान) ने पंजाब में हमारी सरकार बना दी तो हमने यहां योग शुरू कर दिया. काम रोकने वाले से काम करने वाला बड़ा होता है.

'पंजाबियों की सेहत बनाने के लिए योगशाला शुरू करेंगे'

इससे पहले पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि पहले दिल्ली में योगशाला शुरू की गई थी, जहां योग प्रशिक्षक 25-25 लोगों के समूह को योग करवाते थे. इसकी मांग पूरी दिल्ली में होने लगी तो एलजी ने दिल्ली की योगशाला को रोक दिया. पंजाब में सीएम दी योगशाला को कौन रोकेगा? हम पंजाबियों की सेहत बनाने के लिए इसे शुरू करेंगे.

जानिए सीएम मान ने और क्या कहा?

सीएम मान ने कहा कि अभी तक पंजाब में 504 मोहल्ला क्लीनिक खोले गए हैं. शहरी क्षेत्रों में 353 और ग्रामीण इलाकों में 151 मोहल्ला क्लीनिक खुले हैं. 31 मार्च तक 21 लाख से ज्यादा लोग मुफ्त दवाइयां और टेस्ट करवा कर अपना इलाज करवा चुके हैं. उन्होंने कहा कि आप अपना रोल मॉडल स्वयं बनो, जिससे आपकी काबिलीयत का कोई गलत फायदा न उठा सके. आप अपने जीवन में नए स्टार्टअप्स शुरू करो, पंजाब सरकार आपको बिना ब्याज के कर्ज देगी. आप नौकरी देने वाले बनो, नौकरी तलाशने वाले नहीं.

बाइसन के शिकार के लिए टाइगर ने लगाई दौड़

नर्मदापुरम, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। नर्मदापुरम जिले का सतपुड़ा टाइगर रिजर्व हमेशा चर्चा में बना रहता है और आए दिन सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में बाघों का नजारा देखने को मिलता है। ऐसा ही सतपुड़ा टाइगर रिजर्व का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें बाघ भारतीय गौर बायसन का शिकार करते हुए नजर आ रहा है। इसे सतपुड़ा टाइगर रिजर्व ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी शेयर किया है। बता दें कि सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में युवा बाघ ने अपने चरम पर एक वयस्क गौर का शिकार करने की कोशिश की, लेकिन गौर बायसन बाघ को चकमा देकर एसटीआर के जंगल में भाग निकला। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में गौर बायसन का शिकार करते हुए अक्सर बाघ नजर आते हैं। ऐसा ही एक अनुभव एसटीआर पार्क में आने वाले पर्यटकों को भा गया। वे इस नजारे का आनंद लेने में सक्षम साबित हुए और इस वीडियो को कैमरे में कैद करने के लिए पर्यटकों द्वारा वन्य जीव को किसी भी तरह से कोई हानि नहीं पहुंचाई गई। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व हमेशा से पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। यहां बाघ, तेंदुआ, चीतल, हिरण, बारहसिंगा और हाथी समेत कई वन्यजीव पक्षी निवास करते हैं। इनकी खूबसूरत वादियों को देखने और घूमने के लिए मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात और महाराष्ट्र समेत दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। वहीं, बाघ बायसन चीतल और बारहसिंगा के झुंड पर्यटकों को आकर्षित करेंगे।

गर्भवती महिलाओं व दिव्यांगों के लिए मंदिरों में होगी तत्काल दर्शन की व्यवस्था

मद्रास हाई कोर्ट का आदेश जारी

चेन्नई, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। मद्रास हाई कोर्ट की मदुरई पीठ ने सोमवार को हिंदू रिलीजियस एंड चैरीटेबल एंडोमेंट्स (एचआर एंड सीई) को निर्देश दिया कि वह तमिलनाडु में पांच बड़े मंदिरों में गर्भवती महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए तत्काल और परेशानी मुक्त दर्शन सुनिश्चित करने की योजना बनाए। पीठ ने अधिवक्ता बी. रामकुमार आदित्यन की जनहित याचिका का निपटारा करते हुए यह निर्देश दिया। याचिका में कहा गया है कि तमिलनाडु में एचआर एंड सीई के नियंत्रण में 40 हजार से ज्यादा मंदिर हैं। तमिलनाडु में पांच बड़े मंदिरों में श्रद्धालुओं को दर्शनों के लिए तीन से चार घंटे प्रतीक्षा करनी पड़ती है। पलानी मरुगन मंदिर, तिरुचेंदूर मुरुगन मंदिर, थिरुवरंगम अरंगनाथर मंदिर, रामेश्वरम रामनाथ स्वामी मंदिर और मदुरई मीनाक्षी अम्मन मंदिर। इन मंदिरों में मुफ्त में, 100 रुपये या 200 रुपये में और विशेष मार्ग से तत्काल दर्शन भी होते हैं। इसलिए, वीवीआइपी और वीआइपी, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों, गर्भवती महिलाओं, नवजात के साथ आईं महिलाओं और बीमार लोगों इन पांच मंदिरों में अलग से दर्शन की व्यवस्था की जाए। अदालत ने इन सभी के लिए ऐसी व्यवस्था से इनकार करते हुए कहा कि दिव्यांगों व गर्भवती महिलाओं के लिए ऐसी व्यवस्था की जाए।

दिल्ली के उत्तम नगर में लहराईं तलवारें, हनुमान जयंती से पहले वीएचपी ने निकाली शोभा यात्रा

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के उत्तम नगर में विश्व हिंदू परिषद की तरफ से बुधवार यानी पांच अप्रैल को हनुमान जयंती से एक दिन पहले शोभायात्रा निकाली जा रही है. शोभा यात्रा में लोगों की भीड़ लगातार जुट रही है. शोभा यात्रा में शामिल कुछ लोगों के हाथ में तलवारे भी हैं. फोटो में लोग तलवार लहराते भी नजर आ रहे हैं. बता दें कि हनुमान जयंती गुरुवार यानी छह अप्रैल को है.

कर्नाटक चुनाव से पहले बीजेपी में शामिल हुए जेडीएस पूर्व सांसद लीडर शिवाराम गौड़ा

बेंगलुरु, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। चुनाव के दौरान नेता पार्टी बदलते हैं. बदलती सियासी बयार को भांपते हुए नेता पाला बदलने में देर नहीं लगाते. पार्टियां भी इस फिराक में रहती हैं दूसरे दलों के मजबूत नेता ऐसे मौकों पर उनकी तरफ हो जाएं. फिलहाल 2023 राजनीतिक लिहाज से बहुत महत्व रखता है. 2024 में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं. उससे पहले नौ राज्यों में चुनाव है. कर्नाटक बीजेपी और कांग्रेस दोनों के लिए अहम है. चुनाव से ठीक पहले मांड्या से पूर्व सांसद एल आर शिवरामे गौड़ा ने बीजेपी का दामन थाम लिया है. कर्नाटक में सियासत गर्म है. एक दिन पहले ही कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार के ऊपर मुकदमा भी दर्ज हुआ था. जनता दल (सेक्युलर) पार्टी के पूर्व सांसद मांड्या से सांसद थे. उनको पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था. शिवरामे गौड़ा ने बीजेपी स्टेट

चीफ नलिनकुमार कतील के मौजूदगी में बीजेपी जॉइन की.

और नेता हो सकते हैं शामिल

बीजेपी नेशनल सेकेट्री सीटी रवि दावा किया कि इस बार पहले से भी ज्यादा वोट शेयर रहेगा और अधिक सीटें भी जीतेंगे. जबकि तमाम ओपिनियन पोल कांग्रेस को बढ़त बता रहे हैं. शिवराम गौड़ा ने बीजेपी में आते ही कहा कि आने वाले 10 दिनों में बहुत सारे नेता भाजपा जॉइन करेंगे. उनके इस दावे के बाद अब हलचल मची है कि क्या मांड्या इलाके के और नेता भी भाजपा में शामिल हो सकते हैं.

मांड्या से क्या बीजेपी देगी टिकट

उन्होंने कहा कि कर्नाटक की जनता डबल इंजन की सरकार चाहती है. दरअसल, जनवरी में शिवराम का एक ऑडियो वायरल हुआ था. इसमें कांग्रेस से पूर्व सांसद और वोक्कालिगा कम्युनिटी के सीनियर लीडर दिवंगत जी मेडेगौड़ा के खिलाफ टिप्पणी कर रहे थे. इसी वजह से उनको जेडीएस से निष्कासित कर दिया गया. निष्कासन के बाद कयास लगाए जा रहे थे कि वो बीजेपी ही जॉइन करेंगे. अब देखना ये भी होगा कि मांड्या से बीजेपी उनको टिकट देती है या नहीं.

सजा पर रोक मामले में नहीं मिली आजम खान के बेटे को राहत, एससी ने हाई कोर्ट जाने का दिया आदेश

रामपुर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता और पूर्व सांसद आजम खान के बेटे मोहम्मद अब्दुल्ला आजम को 2 साल की सजा पर रोक मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली है, सप्रीम कोर्ट इस मामले में उन्हें हाई कोर्ट जाने के लिए कहा है. इसके साथ कोर्ट ने हाईकोर्ट को भी ये निर्देश दिया है कि वह इस मामले में जल्द से जल्द सुनवाई करें. दरअसल मामला 15 साल पुराना है जिसमें अब्दुल्ला आजम को दोषी ठहराते हुए 2 साल की सजा सुनाई गई थी. इसके बाद उनकी विधायकी भी रद्द कर दी गई थी. उन्होंने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और दोषसिद्धि के खिलाफ याचिका दायर की. अब सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में बुधवार को अब्दुल्ला आजम को सुप्रीम कोर्ट जाने के लिए कहा है.वहीं सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट से कहा है कि वह इस मामले में जल्द सुनवाई करके फैसला करे.

प्री-स्कूल में मासूमों के साथ बेरहमी

महिला टीचरों के खिलाफ केस दर्ज, सीसीटीवी वीडियो देखकर सब हैरान

मुंबई, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई के कांदिवली में एक प्री-स्कूल से हैरान करने वाले सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं। इस प्री-स्कूल में महिला शिक्षकों द्वारा छोटे बच्चों की बेरहमी से पिटाई के वीडियो सामने आने के बाद मामला दर्ज कर लिया गया है। इस मामले में मुंबई की कांदिवली पुलिस ने प्री-स्कूल के दो महिला शिक्षकों पर कक्षा में बच्चों के साथ दुर्व्यवहार करने और थप्पड़ मारने का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक मामला तब सामने आया जब एक माता-पिता को अपने बच्चे के व्यवहार में अचानक आक्रामक बदलाव का एहसास हुआ। कांदिवली पुलिस स्टेशन ने एक अभिभावक की शिकायत पर रविवार को कांदिवली पश्चिम में प्री-स्कूल के दो शिक्षकों पर मामला दर्ज किया है। इस प्री-स्कूल का जो सीसीटीवी फुटेज सामने आया है उसमें दिख रहा है कि दो महिला शिक्षक छोट-छोटे मासूमों को बेहद बेरहमी से मार रही हैं। सीसीटीवी में साफ दिखा कि एक महिला शिक्षक गुस्से में पहले तो एक बच्चे को मारती है और फिर उसे उठा कर फेंकती देती है। इसके बाद वह टीचर दूसरे बच्चे को भी बुरी तरह से उठाकर घसीटते हुए फेंकती है। ये वीडियो सामने आने के बाद और अभिभावक की शिकायत पर पुलिस ने दोनों महिला शिक्षकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। कांदिवली पश्चिम में स्वामी विवेकानंद रोड पर ये प्री-स्कूल है। यहां की दो शिक्षकों के खिलाफ करीब 25 बच्चों के साथ बेरहमी से पिटाई करने का मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता कौशल दिनेश झावेरी के अनुसार इस प्री-स्कूल के शिक्षकों ने कथित तौर पर उनके बेटे और अन्य बच्चों के साथ भी दुर्व्यवहार किया। इस प्लेस्कूल में आने वाले सभी बच्चों के अभिभावकों जब अपने बच्चों के व्यवहार में बदलाव दिखे तो उन्होंने प्री-स्कूल से कक्षाओं के सीसीटीवी फुटेज मांगे और तब जाकर सारा मामला सामने आ गया।

शिवराज सरकार किसानों को अच्छी फसल और अन्य कृषि उपकरण देकर खुश करने की कर रही कोशिश

इंदौर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा सत्ता में है और वह फैसलों के जरिए इस वर्ग को खुश करने में लगी है तो वहीं कांग्रेस सत्ता में आने पर सौगात देने का वादा कर रही है। राज्य में वर्ष 2018 में हुए विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की ओर से किए गए दो लाख तक के कर्ज माफी के वादे ने नतीजों पर बड़ा असर डाला था। कांग्रेस ने बढ़त हासिल की थी और सत्ता भी। अब फिर चुनाव आए हैं और सियासी दाव चले जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में इसी साल होने वाले विधानसभा के चुनाव में किसानों की अहम भूमिका रहने वाली है। यही कारण है कि सत्ताधारी दल भाजपा और विपक्षी दल कांग्रेस इस वर्ग का दिल जीतना चाहते हैं। कांग्रेस लगातार किसानों की समस्याओं से जुड़े मुद्दे उठा रही है और पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने तो गेहूं का समर्थन मूल्य तीन हजार रुपये करने की मांग की है। साथ ही

कांग्रेस की सरकार बनने पर किसानों के हित में फैसले दिए जाने का वादा भी किया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ भी किसानों के हित में कदम उठाने का वादा कर रहे हैं। कांग्रेस जहां वादे कर रही है तो वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार लगातार किसानों को रियायत और राहत दोनों देने में लगी हुई है। पिछले दिनों की बारिश और ओलावृष्टि ने बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया है।

राहत राशि उपलब्ध कराई जाएगी

राज्य सरकार ने बेमौसम बारिश और ओलों से बर्बाद हुए चमक विहीन गेहूं को किसानों से खरीदने के निर्णय लिया गया है, इसके अलावा प्रदेश सरकार किसानों को 32 हजार रूपए प्रति हेक्टेयर की दर से राहत राशि प्रदान करेगी। किसानों को 25 से 35 प्रतिशत की स्थिति में भी राहत राशि उपलब्ध कराई जाएगी और 50 प्रतिशत से अधिक नुकसान को 100 प्रतिशत मानते हुए राहत दी जाएगी। इसके लिए सरकार ने 64 करोड़ के लगभग राशि रखी गई है। राज्य के आगामी चुनाव में किसानों का साथ मिल जाए यह कोशिश दोनों दलों की है, लिहाजा सियासी दांव खूब चले जा रहे हैं। अब देखना है कि कौन किसानों को लुभाने में सफल होता है।

पटवारी भर्ती परीक्षा में चार संदेहियों को पकड़ा, 12 लाख में परीक्षा पास कराने का दे रहे थे झांसा

ग्वालियर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। पटवारी भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने के शक में चार संदेहियों को पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस ने इन्हें पकड़कर इनसे पूछताछ शुरू कर दी है। ये लोग आठ से 12 लाख रुपये में परीक्षा पास कराने का झांसा दे रहे थे और परीक्षा से पहले फर्जी दस्तावेज, थंब इंप्रेशन और आधार कार्ड अपडेट करने का प्रयास कर रहे थे। थाना क्राइम ब्रांच में इनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। प्रदेश में पटवारी के नौ हजार से अधिक रिक्त पदों पर भर्ती के लिए पीडबी द्वारा ऑनलाइन लिखित परीक्षा आयोजित कराई जा रही है। पटवारी भर्ती परीक्षा पास कराने के नाम पर आठ से 12 लाख रुपये की डील करने वाले चार युवकों को ग्वालियर पुलिस ने हिरासत में लिया है। एक अभ्यर्थी से इन लोगों ने डील की थी, जो पुलिस अधिकारियों के पास शिकायत लेकर पहुंच गया। इसके बाद पुलिस ने जाल बिछाकर इन्हें पकड़ा।

अभी इनसे पूछताछ चल रही है। एएसपी क्राइम राजेश दंडोतिया ने बताया कि बंसल ऑनलाइन पर दो युवकों द्वारा नकली थंबिल इंप्रेशन के साथ ही आधार कार्ड अपडेट करने का कार्य किया जा रहा था। जब युवकों को पूछताछ के लिए बैठाया तो इनके दो साथियों के बारे में भी पुलिस को जानकारी लगी, पुलिस ने उन्हें भी दबोच लिया है। इन लोगों ने यह भी झांसा दिया था कि वह थंब इंप्रेशन का क्लोन बनवाकर परीक्षार्थी की जगह साल्वर बैठा देंगे। लेकिन इससे पहले ही पुलिस द्वारा इन्हें दबोच लिया गया है और पूछताछ की जा रही है।

दो मासूमों सहित एक महिला की आग से जलकर मौत

नरसिंहपुर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के नरसिंहपुर जिले के चीचली थाना क्षेत्र के गोलगांव खुर्द में आग की चपेट में आने से महिला और उसके दो मासूम बच्चों की मौत हो गयी है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार राघवेंन्द गौड मजदूरी का कार्य करता है। कल वह अपने भाई के साथ खेत में गेहूं की कटाई करने के लिए चला गया। घर पर मौजूद राघवेन्द्र की पत्नी सविता (25), चार माह की बेटी आरबी और ढाई साल का बेटा अनुराग थे। किसी कारण से सविता ठाकुर ने आग लगा ली, जिसकी चपेट में उसके दो बच्चे आ गए, जिनकी मौके पर ही मौत हो गयी। सविता को सिविल अस्पताल गाडरवारा लाया गया, जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गयी। खेत में कार्य करने वाले परिवार के सदस्यों को गांव के किसी सदस्य से जानकारी मिली, तो खेत से घर आए। पुलिस ने मर्ग कायम करके मामले की जांच की जा रही है।

हार्ट अटैक का खतरा बढ़ा रहा बदलता मौसम

क्या है फ्लू और दिल की बीमारी का कनेक्शन

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। बदलता मौसम आपको बीमार बना सकता है. अक्सर लोग इसे काफी हल्के में लेते हैं. लेकिन मौसम में बदलाव से सावधान रहना चाहिए. खासकर फ्लू से..हाल ही में एक स्टडी में चेतावनी दी गई है कि फ्लू के चलते हार्ट अटैक का खतरा दो गुना तक ज्यादा बढ़ गया है. ऐसे में अलर्ट रहने की जरूरत है. हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, ऐसा पॉसिबल है, क्योंकि कोरोना के दौरान भी आर्टरी में ब्लड क्लॉट्स देखने को मिले थे. उस वक्त भी हार्ट अटैक का जोखिम कई गुना तक बढ़ गया था. कुछ इसी तरह का खतरा फ्लू के साथ भी हो सकता है. ऐसा इसलिए भी क्योंकि फ्लू का वायरल लगातार अपना रूप बदल रहा है, जिसका सेहत पर गंभीर असर हो रहा है.

क्या फ्लू से हार्ट अटैक का खतरा ज्यादा

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या फ्लू से हार्ट अटैक का खतरा ज्यादा है. इसको लेकर किसी भी तरह का फैक्ट अभी सामने नहीं आ पाया है. इस पर रिसर्च अबी भी जारी है. रिसर्च टीम इस बात का पता लगा रही है कि क्या कोरोना से बढ़ने वाला हार्ट अटैक का रिस्क फ्लू में भी बना हुआ है. एक स्टडी में पाया गया है कि बहुत सारे लोग ऐसे हैं, जिनमें फ्लू के बाद हार्ट अटैक आया है. कई लोग तो ऐसे भी हैं, जिनमें फ्लू के एक हफ्ते के बाद ही हार्ट अटैक आया था.

फ्लू की वजह से ब्लड क्लॉटिंग

फ्लू की वजह से ब्लड क्लॉटिंग हो सकती है. ऐसा इसलिए क्योंकि कोरोना और फ्लू के वायरस में काफी समानता है. इनके लक्षण और बचाव का तरीका काफी हद तक एक जैसा ही है.

रिसर्च क्या कहता है

फ्लू और हार्ट अटैक के बीच कोई कनेक्शन है या नहीं, इसे जानने के लिए एक रिसर्च किया गया. जिसमें उन मरीजों को शामिल किया गया, जिन्हें दिल का दौरा पड़ने की वजह से हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था. लैब टेस्टिंग से आंकड़ें जुटाए गए. जिसके बाद रिसर्च टीम ने पाया कि कुल 401 लोगों को फ्लू से ठीक होने के एक साल के अंदर ही एक बार हार्ट अटैक जरूर आया. 25 हार्ट अटैक के केस तो ऐसे थे, जो सिर्फ एक हफ्ते में ही आ गए थे. इन नतीजों की वजह से रिसर्च टीम का मानना है कि फ्लू का बढ़ना एकदम कोरोना के बढ़ने जैसा ही है. ऐसे में इसके लक्षणों को इग्नोर करना खतरनाक हो सकता है.

इंजीनियरिंग की स्टूडेंट ने फांसी लगाकर सुसाइड किया

इंदौर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर शहर में युवाओं द्वारा सुसाइड करने के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। हाल ही में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रही एक स्टूडेंट ने भी फांसी लगाकर सुसाइड कर ली। छात्रा फाइनल ईयर की स्टूडेंट थी। रात में भाई ने उसे कमरे में फंदे से लटकते देखा तो मामले में पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने छात्रा का मोबाइल जब्त कर मामले की जांच शुरू की है। परिवार के लोगों ने पुलिस को बताया कि रिंकी निजी कॉलेज में बीटेक फाइनल ईयर की स्टूडेंट थी। रात को उसने भाई के साथ खाना खाया और कमरे में चली गई। इसके बाद रात करीब 12 बजे परिवार के लोगों ने उसे फंदे पर लटका देखा। टीआई शशिकांत चौरसिया ने बताया कि छात्रा का नाम रिंकी (25) पुत्र संतोष कुशवाह निवासी गुरुनानक कालोनी है। पुलिस ने अभी परिजन के बयान लिए हैं। अभी कोई भी सुसाइड नोट नहीं मिला है। वहीं आत्महत्या को लेकर भी स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। छात्रा का मोबाइल जब्त कर पुलिस मामले में जांच कर रही है।

ज्वेलरी शॉप में 4 नकाबपोश बदमाशों ने की फायरिंग

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में बदमाशों का आतंक रुकने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला नांगलोई इलाका है जहां बंदूक की नोक पर बदमाशों ने एक ज्वेलरी शॉप में लूटपाट की और वहां मौजूद लोगों को डराने के लिए हवा में फायरिंग भी की। वारदात दोपहर करीब 1.30 बजे की है, जब नकाबपोश 4 बदमाश दुकान में घुसे और बंदूक की नोक पर वहां मौजूद लोगों को डराकर 2 किलो सोना और 4 लाख रुपए कैश लेकर वहां से फायरिंग करते हुए फरार हो गए। दुकान के मालिक वीरेंद्र वर्मा ने आईएएनएस को बताया कि 'वह अपने कर्मचारियों जय प्रकाश सोनी और राहुल के साथ ग्राहकों के साथ काम कर रहा था, तभी चार नकाबपोश लोग घुस आए और बंदूक की नोंक पर धमकाने लगे। उन्होंने मुझे सभी कीमती सामान सौंपने के लिए कहा और सोने के गहने लेने लगे। उनका एक सहयोगी गेट पर खड़ा था। उन्होंने पूरा सोना रखा और बाहर चले गए। इसके तुरंत बाद, उनमें से एक फिर से आया और रखा बैग ले गया। मैंने उनका पीछा करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने स्कूटी से भागते समय फायरिंग कर दी।' हमलावर दो स्कूटी से आए थे। लूटपाट को अंजाम देने से पहले उन्होंने इलाके के कई चक्कर लगाए। पुलिस ने लूटपाट का मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच के लिए कई टीमों का गठन किया है।

हिसार में रिटायर्ड एसआई को कार ने मारी टक्कर:मौत

हिसार, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। सिटीहरियाणा के हिसार के नजदीक बड़ोपट्टी गांव के रहने वाले रिटायर्ड एसआई सुबह जॉगिंग के लिए गए थे। इस दौरान एक कार ने टक्कर मार दी। रिटायर्ड एसआई को हिसार के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां डॉक्टर ने रिटायर्ड एसआई भागीरथ को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर बरवाला पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में भिजवा दिया। परिजनों के अनुसार भागीरथ को टक्कर मारने वाली कार बड़ोपट्टी टोल पेट्रोलिंग गाड़ी है। पुलिस ने गाड़ी को कब्जे में ले लिया है। मृतक के परिजनों ने बताया कि करीब 65 वर्षीय भागीरथ सुबह करीब 6 बजे जॉगिंग के लिए घर से निकले थे। सड़क से करीब 5-6 फीट की दूरी पर जॉगिंग कर रहे थे। इस दौरान कार ने टक्कर मारी, जिससे भागीरथ की मौके पर ही मौत हो गई।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 6 अप्रैल- 2023

चीन का कुचाल

भारत शुरू से ही अपने पडोसी दो देशों चीन व पाकिस्तान कुचक्र में उलझा हुआ है। खासकर चीन को जब भी किसी वैश्विक मंच पर बोलने का मौका मिलता है तो वह भारत के प्रति अपनी मैत्री भाव का खुल कर प्रदर्शन करने से नहीं चूकता। यहां तक कि किसी मुद्दे पर द्विपक्षीय बातचीत का सिलसिला भी चलाने में वह तनिक भी नहीं हिचकिचाता। लेकिन जैसे ही मौका टल जाता है तो वह अपने विस्तारवादी गुप्त एजेंडे को आगे बढ़ाने में जी जान से जुट जाता है। हाल ही के ताजा उदाहरण में उसने भारत के अरुणाचल प्रदेश के ग्यारह जगहों के नाम अचानक बदल दिए। चीन की यह हिमाकत पिछले पांच सालों में यह तीसरी बार है। चीन ने अरुणाचल में गांवों, नदियों, दर्रों आदि के नाम बदल कर अपना नया चीनी नाम दे दिया है। इससे पहले 2017 में छह और 2021 में पंद्रह जगहों के नाम उसने बदल दिए थे। ताज्जुब तो तब होता है जब उसके ताजा कदम को वहां के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने मंजूरी दे दी। इस घटना से नाराज भारत के विदेश मंत्रालय ने सख्त एतराज जताया है। मंत्रालय ने कहा है कि नाम बदल देने से जमीनी सच्चाई थोडे न बदल जाएगी। देखा जाए तो चीन शुरू से ही अरुणाचल को अपना हिस्सा मानता रहा है, इसलिए उसे भारत के नक्शे में दर्शाता ही नहीं। मगर पिछले पांच-सात सालों में जिस तरह भारत के हिस्से वाले विवादित इलाकों पर चीन ने न सिर्फ अपना हक जताना शुरू किया है, बल्कि इसके लिए दोनों देशों की सेनाएं भी आमने-सामने हो जाती रही हैं। ऐसे में भारत का चिंतित होना स्वाभाविक है। चार साल पहले गलवान घाटी को भला भारत कैसे भूल सकता है जब दोनों देशों की सेनाएं इसलिए गुत्थमगुत्था हो गई थीं कि चीन ने भारत वाले इलाके में निर्माण गतिविधियां तेज कर दी थी। तब चीन के सैनिक भारतीय इलाके में घुस आए थे। करीब साल भर तक वहां तनाव बना रहा। फिर जब दोनों देशों की सेनाओं ने पीछे हटने का फैसला किया, तब भी चीन ने भारत के हिस्से वाले बड़े भूभाग पर अपनी दावेदारी बनाना शुरू कर दिया। यहां तक दावा किया जाने लगा कि चीन ने उन इलाकों में अपने गांव बसा लिए थे। उसके बाद चीन के विदेश मंत्रालय और सेना के वरिष्ठ अधिकारियों की तरफ से आश्वस्त किया गया कि चीन भारत के भीतर अशांति पैदा नहीं करेगा। मगर फिर भी उसकी हरकतें नहीं रुकीं। करीब ढाई साल पहले उसने अरुणाचल में पंद्रह जगहों के नाम बदल कर मानकीकृत कर दिया था। अब ग्यारह और स्थानों के नाम बदल दिए हैं। हालांकि कानूनन कोई भी देश किसी जगह का नाम इस तरह अपने नक्शे में नहीं बदलने की हिमाकत नहीं कर सकता। इसके लिए उसे नियमतः संयुक्त राष्ट्र में सूचना देनी पड़ती है। फिर उसके प्रतिनिधि उन इलाकों का सर्वेक्षण और दौरा कर उन नामों के बारे में रायशुमारी करते हैं। तब उन जगहों के नाम बदलने की इजाजत दी जाती है। ऐसे में चीन न सिर्फ भारत के खिलाफ, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के विरुद्ध भी मनमानी कर रहा है। छिपी बात नहीं है कि अरुणाचल वाले इलाके में घुसपैठ करके चीन न सिर्फ अपनी सीमा का विस्तार करना चाहता है, बल्कि इस तरह अपनी सेनाओं की तैनाती कर भारत पर लगातार दबाव बनाए रखना चाहता है। बता दें कि अरुणाचल का इलाका उसके लिए सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, इसलिए वह वहां जब-तब घुसपैठ की कोशिश करने के लिए भारतीय सेना को छकाने के प्रयास में जुटा रहता है। समय बीतने के साथ भारत भी उसकी चालबाजियों से अच्छी तरह वाकिफ हो चुका है, इसलिए भारत भी उस इलाके में सख्त चौकसी बना रखी है, जहां चीन की हरकतें बढ़ने की संभावना होती है। लाख कोशिशों के बाद भी चीन किसी भी तरह भारतीय सीमा में घुसपैठ नहीं कर पा रहा है। लेकिन ताजा घटना के बाद एक बार फिर भारत सरकार यहां के विपक्ष के निशाने पर आ गया है।

कब होगा जेनेरिक दवाइयों का लिखना अनिवार्य ?

अशोक भाटिया

सरकार मरीजों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाने के लिए कानून में संशोधन की तैयारी कर रही है। इसके बाद डॉक्टर्स को मरीजों के लिए सिर्फ जेनेरिक दवा लिखनी होंगी, न कि किसी विशेष ब्रांड या कंपनी की।ऐसा लगभग 8 साल से सुनते आ रहे हैं पर कानून अमली जामा कब पहनेगा मालूम नहीं ? इसके बाद भी मरीजों को सस्ती दवाएं मिलने लगेंगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है, क्योंकि जेनेरिक दवाओं के प्रिंट रेट यानी इन दवाओं पर छपने वाली कीमत पर कोई नियंत्रण नहीं है।हाल ही में लेखक को एक अनुभव मिला जब उसने डॉक्टर की लिखी दवा PANAM D अपने मेडिकल स्टोर से खरीदी तो उसे छपे भाव में मिली और उसे ही जेनेरिक रूप में ओन लाइन TRUE MAD से मंगवाई तो 51 % कम में मिली यानि वह जेनेरिक थी ।

आईएमए के सदस्य और मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर डॉक्टर हेमंत जैन ने एक समाचार पत्र को बताया था कि ब्रांडेड मेडिसिन पर फार्मासिस्ट को 5 से 20 प्रतिशत तक कमीशन मिलता है, पर जेनेरिक मेडिसिन की प्रिंट रेट और रीटेलर की खरीद कीमत में 50 गुना से 350 गुना तक का अंतर होता है। 10 पैसे की बी कॉम्प्लेक्स 35 रुपए तक में बिकती है। इसका आम जनता या मरीजों को उतना फायदा नहीं मिलता, जितना मिलना चाहिए। ऐसे में सरकार को जेनेरिक मेडिसिन के प्रिंट रेट पर भी लगाम लगाने की जरूरत है, वरना जनता को कोई फायदा नहीं होने वाला।

आम तौर पर सभी दवाएं एक तरह का \₹केमिकल सॉल्ट\' होती हैं। इन्हें शोध के बाद अलग-अलग बीमारियों के लिए बनाया जाता है। जेनेरिक दवा जिस सॉल्ट से बनी होती है, उसी के नाम से जानी जाती है। जैसे- दर्द और बुखार में काम आने वाले पैरासिटामोल सॉल्ट को कोई कंपनी इसी नाम से बेचे तो उसे जेनेरिक दवा कहेंगे। वहीं, जब इसे किसी ब्रांड जैसे- क्रोसिन के नाम से बेचा जाता है तो यह उस कंपनी की ब्रांडेड दवा कहलाती है। चौंकाने वाली बात यह है कि सर्दी-खांसी, बुखार और बदन दर्द जैसी रोजमर्रा की तकलीफों के लिए जेनरिक दवा महज 10 पैसे से लेकर डेढ़ रुपए प्रति टैबलेट तक में उपलब्ध है। ब्रांडेड में यही दवा डेढ़ रुपए से लेकर 35 रुपए तक पहुंच जाती है। लोगों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाने और सरकारी नीतियों में बदलाव को लेकर काम कर रहे जन स्वास्थ्य अभियान के डॉ. इंद्रनील मुखोपाध्याय बताते हैं- जेनेरिक दवाओं को लेकर भारत और विदेशों में काफी अंतर है। 2007 के बाद से पेटेंट कानून में कोई प्रभावी संशोधन नहीं हुआ। दूसरी बड़ी बात यह है कि सरकारी अस्पतालों में मिलने वाली दवाओं की कीमतों में भी भारी अंतर होता है। खास तौर पर इनकी प्रिंट रेट और खरीद कीमत में भारी अंतर होता है। ऐसे में सरकार को इन दवाओं की एवरेज प्राइसिंग करनी चाहिए। इससे दवाओं की कीमतों में बड़ा फर्क आ जाएगा। अभी किसी भी मरीज का दवाओं पर औसत खर्च 180% ज्यादा है। दवा कीमतों पर नियंत्रण के बाद इसमें भारी कमी आ जाएगी।

डॉ. मुखोपाध्याय बताते हैं कि जेनेरिक दवा ब्रांडेड भी होती है। एक ही कंपनी जेनेरिक और ब्रांडेड, दोनों दवाएं बनाती है, लेकिन उनकी कीमतों में काफी अंतर होता है। ऐसे में अगर सरकार लोगों को या मरीजों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाना चाहती है तो उनकी कीमतों पर नियंत्रण जरूरी है। जेनेरिक दवाओं के मामले में भी बड़ा खेल होता है, खासतौर पर सरकारी खरीद या अस्पतालों में खरीदी जाने वाली दवाओं के मामलों में। ऐसे में इनकी कीमतों पर नियंत्रण ही मरीजों को सस्ती दवाएं मिलने का रास्ता खोल सकता है। कई जानलेवा बीमारियों जैसे एचआईवी, लंग कैंसर, लीवर कैंसर जैसी बीमारियों में काम आने वाली दवाओं के ज्यादातर पेटेंट बड़ी-बड़ी कंपनियों के पास हैं। वे इन्हें अलग-अलग ब्रांड से बेचती हैं। अगर यही दवा जेनेरिक में उपलब्ध हो तो इलाज पर खर्च 200 गुना तक घट सकता है। जैसे- एचआईवी की दवा टेनोफिविर या एफाविरेज़ की ब्रांडेड दवा का खर्च 2,500 डॉलर यानी करीब 1 लाख 75 हजार रुपए है, जबकि जेनरिक दवा में यही खर्च 12 डॉलर यानी महज 840 रुपए महीने तक हो सकता है। हालांकि, इन बीमारियों का इलाज ज्यादातर सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में होता है। ऐसे में ये दवाएं इन अस्पतालों में या वहां के केमिस्ट के पास ही मिल पाती हैं।

- नोवार्टिस की कैंसर की दवा ग्लीवियो- इमेटिनिब मिसाइलेट का एक महीने का खर्च 2,158 डॉलर यानी करीब 1.51 लाख रुपए पड़ता है, जबकि जेनरिक रूप में इसी दवा का खर्च 174 डॉलर प्रति माह (12,180 रुपए) है, यानी 12 गुना या 92% से भी कम। - ऐसे ही बेयर की कैंसर ड्रग सोराफेनिब टोसाइलेट, जिसे वह नेक्सावर के नाम से बेचती है, उसका एक महीने का खर्च करीब 5,030 डॉलर है, जबकि जेनरिक दवा लेने पर यही खर्च महज 122 डॉलर प्रति माह रह जाता है।जर्नल ऑफ हेल्थ इकोनॉमिक्स के मुताबिक, एक पेटेंट इनोवेटर को उस उत्पाद पर रिसर्च के दौरान किए गए खर्च या लागत को वसूलने और उससे लाभ हासिल करने की अनुमति देता है। जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, किसी भी दवा के इनोवेटर या कंपनी उस दवा को बनाने से लेकर बाजार में उतारने और उसके बाद के 10-15 साल के दौरान करीब 80 करोड़ डॉलर यानी करीब 5,600 करोड़ रुपए खर्च करती है। ऐसे में पेटेंट के 20 साल के दौरान उसे इस खर्च को वसूलने और मुनाफा कमाने का मौका मिल जाता है।

डॉ. हेमंत जैन और डॉ. मुखोपाध्याय का कहना है कि अगर जेनेरिक दवा लिखना अनिवार्य होता है तो इसके साथ-साथ फार्मा सेक्टर में हजारों नौकरियों पर भी खतरा पैदा हो जाएगा। इनके मुताबिक, एक दवा को कई कंपनियां बनाती हैं। उनके प्रचार-प्रसार या उन्हें प्रमोट करने के लिए भारी भरकम स्टाफ रखती है। इनमें सबसे ज्यादा मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव (एमआर) हैं, जो डॉक्टर्स के पास विजिट कर उन्हें अपनी कंपनी की दवा लिखने को कहते हैं। कई डॉक्टर्स को इसके लिए बाकायदा कमीशन या महंगे-महंगे गिफ्ट तक दिए जाते हैं। ऐसे में डॉक्टर जब सिर्फ जेनेरिक दवा लिखेंगे, तो यह सब करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसका दूसरा असर यह होगा कि ब्रांडिंग खत्म हो जाएगी तो दवा कंपनियों को प्रचार-प्रसार के लिए स्टाफ भी कम रखना पड़ेगा। कई लाख मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्ज़ की नौकरियां खतरे में आ जाएंगी। फार्मा और मेडिकल सेक्टर से जुड़ी डॉकप्लेक्सस के मुताबिक, बड़ी कंपनियों में से प्रत्येक अपने उत्पादों के प्रचार-प्रसार के लिए 5 हजार से ज्यादा फील्ड स्टाफ रखती है। इसके अलावा फार्मा कंपनियां कुल बजट का 20% फील्ड स्टाफ की भर्ती और खर्च का 60% फील्ड स्टाफ और उनसे जुड़ी गतिविधियों पर खर्च करती हैं।

इसका दूसरा पहलू भी है। ज्यादातर डॉक्टर्स सरकार की इस योजना का विरोध कर रहे हैं। वे आशंका जता रहे हैं कि ऐसे किसी कानून के लागू होने के बाद दवा से जुड़ी सभी शक्तियां केमिस्ट के हाथों में चली जाएंगी। उनकी दलील है कि डॉक्टर के जेनेरिक दवा लिखने के बाद केमिस्ट तय करेगा कि मरीज को कौन-सी दवा देनी है। ऐसी स्थिति में वह दवा की गुणवत्ता की परवाह किए बिना वही दवा देगा, जिसकी बिक्री से उसे अधिक मार्जिन या मुनाफा हासिल होगा। फार्मा सेक्टर से जुड़े सूत्र बताते हैं कि इसमें डॉक्टर्स को तो कोई नुकसान नहीं होगा, क्योंकि उनके पास तो मरीज आते रहेंगे, लेकिन जनता को अच्छी गुणवत्ता की जेनेरिक दवा मिलेगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है। इसके बाद दवा कंपनियां सीधे स्टॉकिस्ट या केमिस्ट से संपर्क करेंगी और उसे अपनी दवा बिक्री के लिए कई तरह के लालच दे सकती हैं, जिसका नुकसान आखिरकार आम जनता को उठाना पड़ सकता है। ऐसे में सरकार को इस दिशा में भी सोच-विचार करना चाहिए।अब यह सरकार को तय करना है कि जिस कानून को वह साल दर साल दोहराती है उसे अमली जामा कैसे पहनाया जा सकता हैं।

हनुमान जी - साहस, शौर्य और समर्पण के प्रतीक

प्रियंका सौरभ

हनुमान सबसे लोकप्रिय हिंदू देवताओं में से एक हैं। वह सेवा (सेवा), भक्ति (भक्ति) और समर्पण (समर्पण, अहंकारहीनता) का अवतार है। वह शिव के अवतार हैं। उन्हें अंजनी देवी के पुत्र पवन-देवता (मरुता) का पुत्र भी माना जाता है। उनकी ठुड्डी ऊंची है (इसलिए हनुमान नाम) और बंदर की तरह लंबी पूंछ है। शारीरिक विशेषताओं में वह अमानवीय दिखता है, लेकिन उसके गुण दैवीय/महामानव हैं, जो हम सभी की आकांक्षा रखते हैं। वह जबरदस्त शारीरिक और आध्यात्मिक शक्ति, साहस और वीरता (इसलिए नाम महावीर), निर्भयता, राम और सीता के प्रति समर्पण, (इसलिए नाम राम-दास, राम-दूत आदि) उच्च बुद्धि, सत्य भाषण, ज्ञान के सागर से संपन्न है। ज्ञान और अन्य अच्छे गुण। वह अपनी सभी इंद्रियों के पूर्ण नियंत्रण में है। एक पात्र जो पूर्ण भक्ति और निष्ठा का प्रतीक है, वह है हनुमान जी। भगवान राम के लिए उनके सभी कार्यों में भगवान हनुमान के माध्यम से स्थापित एक काव्यात्मक सौंदर्य है। हनुमान जी पूरे हिंदू पौराणिक कथाओं में अपने साहस, वीरता और समर्पण के लिए सबसे प्रसिद्ध हैं।

हनुमान कैसे अस्तित्व में आए, इसकी कहानी के कई अलग-अलग संस्करण हैं। हनुमान भगवान वायु और अंजना के पुत्र थे। हनुमान स्वभाव से एक जिज्ञासु बालक थे, एक दिन उनकी भूख ने उन पर काबू पा लिया और वे सूर्य को फल समझकर उनका पीछा करने लगे। भगवान सूर्य अपने रथ पर सवार हो गए और तेजी से चले गए लेकिन हनुमान को रोका नहीं गया, इसलिए भगवान इंद्र को हनुमान को रोकने के लिए अपने वज्र का उपयोग करना पड़ा। यह सुनकर भगवान वायु क्रोधित हो गए और सभी देवताओं के साथ इस मुद्दे को उठाया और उन्होंने हनुमानजी को अमरत्व का आशीर्वाद देने के लिए स्वीकार किया। लेकिन हनुमान की शरारत उनकी लंबी पूंछ की तरह ही थी। यह चलता चला गया और इसका कोई अंत नहीं था, इसलिए देवताओं ने इसका अंत करने का फैसला किया। उन्होंने उसे ऐसा श्राप दिया कि वह भूल जाएगा कि उसके पास इतनी बड़ी शक्तियां थीं। यह महाकाव्य रामायण में देखा जा सकता है जब जाम्बवान उसे याद दिलाते हैं कि उसके पास विशाल होने और आकार में सिकुड़ने की शक्ति है। हनुमान जी को अक्सर साहस से जोड़ा जाता है और घोर निराशा के क्षण में लोग भगवान हनुमान से प्रार्थना करते हैं कि वे उन्हें किसी भी समस्या को बहादुरी से सहन करने की शक्ति दें। हनुमान की ताकत उनकी सबसे बड़ी शक्तियों में से एक है। अकेले ही वह पूरी सेना ले सकता है; वह महासागरों को पार कर सकता है और पूरे पहाड़ों को उखाड़ सकता है। हिंदू पौराणिक कथाओं में हनुमान की ताकत का परिमाण किसी अन्य भगवान या मानव के लिए अद्वितीय है। तमिल में कंबार की रामायण के अनुसार सिर्फ शारीरिक शक्ति नहीं - हनुमान जी को सोलिन सेलवन के रूप में वर्णित किया गया है जिसका अर्थ है शब्दों के धन का स्वामी। सीता देवी की खोज में भेजे जाने के बाद हनुमान भगवान राम के पास समाचार लेकर वापस आते हैं और राम से कहते हैं ₹कंदेन सीतायै₹ शब्दों का चुनाव काफी शानदार है। वह नहीं चाहते थे कि राम का हृदय उस एक क्षण के लिए भी उदास रहे जब वह ₹सीताई₹ - सीता कहकर रुक जाते हैं। यह भी हनुमान की अपने स्वामी के प्रति अमर भक्ति के लिए एक उदाहरण के रूप में खड़ा है। जब भगवान राम के भाई लक्ष्मण युद्ध में गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं, तो हनुमान जी को संजीवनी पर्वत से एक दुर्लभ जड़ी बूटी लाने के लिए भेजा जाता है। भगवान हनुमान विशाल पर्वत में जड़ी बूटी लेने में असमर्थ हैं, पूरे पर्वत को उखाड़ फेंकते हैं और लक्ष्मण को बचाने के लिए समय पर वापस लंका चले जाते हैं। ऐसी और भी कई कहानियाँ हैं जो हनुमान की महानता की गवाही देती हैं, शायद इसीलिए मंगलवार और कुछ मामलों में शनिवार को भी कई लोग हनुमान जी का व्रत रखते हैं। जब अप्रत्याशित परेशानी या संकट में अधिकांश हिंदुओं के लिए हनुमान चालीसा पढ़ना आम बात है जो भगवान हनुमान की स्तुति में एक भजन है। छंद तुलसीदास द्वारा लिखे गए थे जो हनुमान के प्रबल भक्त भी थे। ऐसा कहा जाता है कि हर कोई इन छंदों को आसानी से पढ़ सकता है और मानव मानस पर इसका अत्यधिक लाभ होता है। हनुमान हमारे जीवन में अधिकांश स्थितियों के लिए भगवान के पास जाते हैं। भगवान गणेश के समान, हनुमान को भी बाधाओं को दूर करने वाला और बुरी आत्माओं को भगाने वाला माना जाता है।

अब दुःस्वप्न से बचने के लिए अपने बिस्तर के नीचे हनुमान चालीसा रखना एक आम धारणा है। हिंदू समाज उन पर जिस तरह की आस्था रखता है, वह स्मरणीय है। मनुष्य दिन-प्रतिदिन जीवन में गलतियाँ करने के लिए बाध्य है, रात में हनुमान चालीसा का पाठ करने से मनुष्य को अपने पापों से छुटकारा पाने में मदद मिलती है। यह क्लींजर की तरह मन और आत्मा को शुद्ध करता है। यह कठिन परिस्थितियों में भी बाहर एक प्रकार की शांति लाता है। अधिकांश हिंदू समुदायों में, हनुमान जी को एक ग्राम सीमा देवता के रूप में पूजा जाता है। भगवान के लिए कई मंदिर भी हैं। प्रायः सभी विष्णु मंदिरों में परिसर में प्रवेश करते ही सबसे पहले हनुमान जी की मूर्ति ही दिखाई देती है। मूर्ति के मुख पर मक्खन का विशिष्ट प्रयोग आसानी से बता देता है कि यह हनुमान है। हनुमान का शाब्दिक अर्थ है विकृत जबड़ा वाला। भगवान विष्णु की तरह ही हनुमान जी पर तुलसी की माला का प्रयोग भी एक अन्य महत्वपूर्ण विशेषता है। हनुमान जयंती हर साल चैत्र मास में मनाई जाती है। यह हिंदू पौराणिक कथाओं में सबसे अनुकरणीय देवताओं में से एक के जन्म का प्रतीक है। वह अनुशासन, निष्ठा और समर्पण के प्रतीक हैं, ऐसे गुण जो इस अत्यधिक प्रतिस्पर्धी दुनिया में शायद ही पाए जा सकते हैं। वीरता, विश्वास, शौर्य, बुद्धि और सफलता के लिए बहुत से लोग हैं जो भगवान हनुमान की परिक्रमा करते हैं।

हनुमान, जिन्होंने सीता देवी को दिखाने के लिए अपना हृदय खोल दिया कि भगवान राम और वह उनके हृदय में निवास करते हैं और उन्हें उनसे उपहार के रूप में मोतियों के हार की आवश्यकता नहीं है, ऐसे अद्भुत समर्पण और बलिदान की आज कल्पना भी नहीं की जा सकती . लेकिन भगवान अपने अनुयायियों की भक्ति के लिए ही पीछे हटते हैं। हनुमान की पूजा सभी लोग विशेष रूप से करते हैं जो खेल और कठिन योगाभ्यास में लगे हुए हैं। हनुमान की तरह, हमें अपने मन, बुद्धि को अपनी आत्मा के नियंत्रण में लाकर, अपने स्वामी (हमारे सच्चे स्व, आत्मान) की सेवा करने का प्रयास करना चाहिए।

बावड़ी हादसा सपनों के शहर की दुर्गति की मिसाल

कीर्ति राणा

नगर निगम की दासीनता कहें या पुलिस की, राजनीतिक दबाव कहें या मनमर्जी का आलम... बावड़ी हादसा तो इंदौर से भोपाल तक अक्षमता की मिसाल बन चुका है। इस हादसे ने एक बार फिर सिद्ध किया है कि शहर में झांकीबाज नेताओं की भीड़ तो खूब है, लेकिन ऐसे सर्वमान्य नेता का अभाव वर्षों से यह शहर झेल रहा है, जिसकी आवाज का असर भोपाल तक नजर आए। मुख्यमंत्री ने इसे अपने सपनों का ऐसा शहर बना दिया है कि निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को भी अपने काम कराने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की आरती उतारना मजबूरी हो गई है। किसी भी राजनेता ने जिम्मेदारी से रेस्क्यू को लीड नहीं किया... सब अफसरों के भरोसे ही छोड़ रखा था। मंत्री, महापौर, सांसद, विपक्ष के विधायक, भाई-ताई-दादा फोटो खिंचाने की औपचारिकता पूरी कर निकल गए। सांसद चाहे जितनी सफाई दें, लेकिन जिस सिंधी समाज कोटे में एकमात्र टिकट इंदौर से फाइनल हुआ, उस समाज के निर्दोष मृतकों की अंतिम यात्रा में कम-से-कम न तो वे नजर आए, ना ही कंधा दे सके, जबकि महापौर से लेकर भाजपा राष्ट्रीय महासचिव तक उठावने-शोक बैठक में ढांढ़स बंधाते रहे। बीते डेढ दशक में किसी नेता का कद इतना बढ़ा होने ही नहीं दिया कि वह सर्वमान्य हो सके।

एकमात्र विधायक आकाश विजयवर्गीय ऐसे संवेदनशील साबित हुए, जो घंटों न सिर्फ मौके पर मौजूद रहे, बल्कि रेस्क्यू में लगे लोगों के साथ ही पीड़ित परिवारों के भोजन-पानी की चिंता तो करते ही रहे... बचाव कार्य में परेशानी ना बढ़े, इसलिए अपनी टीम को भी अंदर नहीं आने दिया।यह ठीक है कि उनके क्षेत्र में घटना हुई थी, लेकिन शहर का असली जनप्रतिनिधि होने का दावा करने वाले बाकी नेताओं ने इस दिशा में क्यों नहीं सोचा?

मुख्यमंत्री से लेकर स्थानीय अधिकारियों के बीच तालमेल बनाने लायक कोई कद्दावर जनप्रतिनिधि नहीं रहने का ही दुष्परिणाम रहा कि स्थानीय अधिकारियों के सम्मुख भोपाल से मिलने वाले आदेश-निर्देश के पालन की लाचारी रही। जो जनप्रतिनिधि हैं, उनमें तो अधिकारियों से यह यह पूछने का साहस भी नहीं कि समय पर सूचना देने के बाद भी एनडीआरएफ की टीम विलंब से क्यों पहुंची? जिस मिलिट्री से उम्मीद थी कि आते ही चमत्कार कर देगी... वह संसाधनों से लैस क्यों नहीं थी? उसे स्थानीय स्तर पर संसाधन क्यों उपलब्ध कराने पड़े? मिलिट्री को भी रेस्क्यू पूरा करने में 12 घंटे लग गए! पनडुब्बी मोटर थी, पर 60 फीट ऊपर तक गाद से भरे कुए को इस मोटर से तो खाली नहीं कर सकते थे।

शुरु से इस हादसे का कारण रहा नगर निगम तो यहां भी गैर जिम्मेदाराना ही बना रहा। बिना संसाधन के अफसर पहुंचे। छोटी ग्वालटोली थाना क्षेत्र में गिरी होटल के दौरान चले रेस्क्यू ऑपरेशन में भी ऐसी ही गैर जिम्मेदारी नजर आई थी, जब संभागायुक्त से लेकर महापौर तक तो पहुंच गए थे, लेकिन तत्कालीन निगमायुक्त सबसे अंत में पहुंच सके थे। अब बात की जा रही है कि आपदा प्रबंधन का अलग से अमला बनाएंगे? कोई जनप्रतिनिधि यह भी तो पूछे कि निगम के हर बजट में आपदा प्रबंधन मद में जो राशि दर्शाई जाती है, उसका हिसाब-किताब कौन देगा?

कलेक्टर खुद रेस्क्यू टीम के मेंबर की तरह भिड़े रहे, मिलिट्री टीम को मैदानी मदद करते भी लोगों ने उन्हें देखा है, लेकिन पूर्व कलेक्टर के मुख्यमंत्री और मुख्यसचिव से अच्छे रिश्तों के चलते ही शायद ऐसा पहली बार हुआ है, जब जूनियर आईएएस को कलेक्टर की कमान सौंपी गई है। यदि इंदौर जैसे बड़े शहर के लिए यह परम्परा आगे भी जारी रही तो..?

भले ही कलेक्टर जूनियर हैं, लेकिन उनका कार्य क्षेत्र पूरा इंदौर जिला है। पुलिस कमिश्नर सीनियर होते हुए भी कार्यक्षेत्र इंदौर नगर निगम सीमा तक ही है, लेकिन बचाव कार्य के दौरान जारी होते आदेशों के चलते कलेक्टर मजबूर नजर आए। चश्मदीद रहे लोगों ने यह भी देखा कि जब बचाव दल को कलेक्टर कोई आदेश देते तो उसका तुरंत पालन इसलिए भी नहीं हो पाया कि पदनाम में वरिष्ठ अधिकारी बचाव दल प्रमुखों को चर्चा के साथ ही अपने सुझाव समझाने लगते थे।

एक्सटेंशन वाले मुख्य सचिव के लिए भी इंदौर का यह हादसा दागदार इसलिए साबित होगा कि इस प्रमुख शहर में पदस्थ तीनों वरिष्ठतम अधिकारियों की बैच में भारी अंतर है। पुलिस कमिश्नर 1997 बेच के, कमिश्नर 1999 और कलेक्टर 2009 बैच के हैं। वरिष्ठता में यह अंतर ऐसे मामलों में आपसी सामंजस्य के अभाव या इगो का कारण भी बन सकता है, जबकि निर्वाचन के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी की हैसियत से जूनियर कलेक्टर भी वरिष्ठ अधिकारियों पर भारी रहते हैं। बैच के हिसाब से कलेक्टर जूनियर होने के बाद भी उनका कार्यक्षेत्र पूरा इंदौर जिला है, जबकि पुलिस कमिश्नर सीनियर होते हुए भी उनका कार्यक्षेत्र इंदौर नगर निगम सीमा है।

सामाजिक विषमता का कारक है आरक्षण

डॉ शंकर सुवन सिंह

आरक्षण दो शब्दों से मिलकर बना है आ + रक्षण। आरक्षण शब्द में 'आ' उपसर्ग है और रक्षण अर्थात सुरक्षित करना। किसी वस्तु या व्यक्ति के लिए कोई स्थान पहले से बचा कर रखना आरक्षण कहलाता है। वर्ष 1947 में भारत ने स्वतन्त्रता प्राप्त की। डॉ. अम्बेडकर को भारतीय संविधान के लिए मसौदा समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। सभी नागरिकों के लिए समान अवसर प्रदान करते हुए सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछले वर्गों या अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की उन्नति के लिए संविधान में विशेष धाराएँ रखी गयी। 10 सालों के लिए उनके राजनीतिक प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने के लिए अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए अलग से निर्वाचन क्षेत्र आवंटित किए गए। स्वतंत्र भारत में 26 जनवरी 1950 को आरक्षण लागू हुआ था। पिछड़ी जातियों को डॉ भीम राव अम्बेडकर द्वारा दिया गया संरक्षण या आरक्षण उचित था। उस समय देश गुलामी की जंजीरों से उबारा ही था। आज़ादी के बाद देश में सामजिक समता लाने के लिए क्रांति की जरुरत थी। डॉ भीम राव अम्बेडकर ने इसी क्रांति के तहत आरक्षण ला कर लोगों को सामाजिक समता का पाठ पढ़ाया। 10 वर्षों के लिए लागू किया गया आरक्षण सामाजिक समता का अच्छा उदाहरण था। इन 10 वर्षों में पिछड़ी जातियों के लोगों की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक और धार्मिक स्थिति ठीक हो चुकी थी। ये पिछड़ी जाती के लोग समाज में अच्छी स्थिति में पहुँच चुके थे। डॉ भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि यह आरक्षण केवल 10 साल के लिए होना चाहिए। हर 10 साल में यह समीक्षा हो कि जिनको आरक्षण दिया जा रहा है, क्या उनकी स्थिति में कुछ सुधार हुआ है कि नहीं? उन्होंने यह भी स्पष्ट रूप से कहा था कि यदि आरक्षण से किसी वर्ग का विकास हो जाता है तो उसके आगे की पीढ़ी को

इस व्यवस्था का लाभ नहीं देना चाहिए, क्योंकि आरक्षण का मतलब बैसाखी नहीं है, जिसके सहारे सारी जिंदगी जी जाए। यह तो विकसित होने का एक आधार मात्र है, इससे ज्यादा कुछ भी नहीं। आज़ादी के बाद से राजनैतिक पार्टियां चुनाव से पहले आरक्षण को मुद्दा बनाती रही हैं। सभी सरकारें आरक्षण को लागू करती रहीं हैं क्योंकि आरक्षण राजनैतिक पार्टियों के लिए वोट पाने का आधार बन चूका था।

देश को आज़ाद हुए 75 साल हो गए। अब स्थिति यह है कि सवर्ण निम्न स्थिति में पहुँच चुके हैं। विलुप्त होती प्रजातियों को आरक्षित करना आरक्षण का मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। आरक्षण समाज में आग की तरह फैला और सामाजिक समता को जला कर राख कर दिया। आरक्षित कोटे में सामान्य वर्ग का व्यक्ति आवेदन नहीं कर सकता। प्रत्येक सरकारी नियुक्तियों में आरक्षित कोटे का व्यक्ति सामान्य वर्ग के कोटे में भी आवेदन कर सकता है। जिसके तहत सामान्य वर्ग की नौकरियों में भी आरक्षित वर्ग के लोग नौकरी कर रहे हैं। सरकारें आरक्षण को जारी रखकर सवर्णों को कुचलने का काम किया है। ये समता नहीं विषमता है। ये न्याय नहीं अन्याय है।

हारने वाले को झुनझुना मुबारक

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

वे एक सफल नेता थे। गिरगिट रंग बदलने के लिए, सियार चालाकी के लिए, चोर-उचक्के लूट-पाट करने के लिए इन्हीं के पास प्रशिक्षण लेने के लिए आते थे। जुबान से पलटना, कही बात से पीछे हटना, पार्टी सिद्धांत से खुद को बड़ा समझना उनके रग-रग में बसा था। वे कपड़े बदलें न बदलें पार्टी जरूर बदलते थे। ऐसा करने से उनकी नेतागिरी की धाक बनी रहती थी। सबकी अपनी-अपनी जरूरतें होती हैं। सबके अपने-अपने पेट और मुँह होते हैं। फिर नेता जी की जरूरतों का मुँह कुछ ज्यादा ही बड़ा था। न ये कभी भरा था, न भरा है और न कभी भरेगा। ओलंपिक्स में लांग जंप करने वाला खिलाड़ी हार जाए तो खाली हाथ लौटता है जबकि ये महाशय दाएँ-बाएँ, ऊपर-नीचे हर दिशा में जंप करके कुछ न कुछ हथिया ही लेते थे। वह भी न मिले तो बाजू वाले का ही सही हड़पने की काबिलियत तो रखते ही थे। जिस तरह खुली हवा में टहलने से स्वास्थ्य बना रहता है उसी तरह पार्टी बदलते रहने से उनकी रौनक बनी रहती थी। यही वजह थी कि पिछले चार साल में चार सौ से अधिक बड़े नेताओं ने पार्टियों की ऐसी अदला-बदली की जैसे गंगा जी का मेला हो। नारा भी गजब – अबकी बार - जंप लगा यार! 'डंडा वही पर झंडा अलग' की तर्ज पर 'नेता वही पर टोपी अलग' की रेस में नेताजी ने चोरी-चोरी, चुपके-चुपके पार्टी बदल ली। और पार्टी भी वही जिसे वे बरसों से गरियाते रहे। गरिया-गरियाकर उनका मुँह गरियाने का शोधालय बन गया। अब ऐसे शोधालय से गरियाने की खरी न निकलेगी तो मीठी-मीठी फुलझड़ी झड़ेगी? पार्टी बदलने के बाद मीडिया का सामना करना कोई इनसे सीखे। यह पूछने पर कि आपने पार्टी क्यों बदली तो 'जनता, निर्वाचन क्षेत्र और देश के विकास के खातिर' जैसा कर्णप्रिय वनलाइनर कहकर सबके मुँह पर ताला लगा देते। जबकि इस वनलाइनर का गूढार्थ 'रहिमन पानी राखिए' वाले 'पानी' से भी भारी था। अब भला कोई नेता जी को कौन बताए कि विकास नाम का जीव अंग्रेजों के जमाने से ही गायब है। आजादी के बाद सीबीआई, आईबी, रॉ, ईडी सभी को इसी के पीछे लगा दिया। सबने अपने हाथ खड़े कर दिए। आज तक उसकी खोज जारी है। कभी-कभार विकास नाम का प्राणी पुलिस वालों के हत्थे चढ़ भी जाता तो बदकिस्मती से मुठभेड़ में ढेर कर दिया जाता। ढेर करना भी जरूरी है। यदि इसे ही विकास मान लिया जाता फिर भला नेताजी को कौन पूछता? जनता सोचती है कि पार्टी बदलना दाल-भात का कौर है। वह तो नेता जी का दिल ही जानता है।

हनुमान जयंती का मुहूर्त पूजाविधि और महत्व

हनुमान जयंती की पूजा का शुभ मुहूर्त

हनुमान जयंती की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त 6 अप्रैल को सुबह 6 बजकर 6 मिनट से 7 बजकर 40 मिनट तक है। उसके बाद आप दोपहर में 12 बजकर 24 मिनट से 1 बजकर 58 मिनट तक पूजा कर सकते हैं। इसके अलावा शाम को 5 बजकर 7 मिनट से 8 बजकर 7 मिनट तक भी पूजा का शुभ मुहूर्त है।

हनुमान जयंती यानी कि बजरंग बली का जन्मोत्सव चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस बार हनुमान जयंती 6 अप्रैल को मनाई जाएगी। पौराणिक मान्यताओं के हनुमानजी को रुद्रावतार यानी कि भगवान शिव का अवतार माना जाता है और उनका जन्म चैत्र मास की पूर्णिमा को मंगलवार के दिन हुआ था। इसलिए मंगलवार का दिन बजरंगबली को समर्पित माना जाता है और इस दिन व्रत करने और उनकी पूजा करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है। हनुमान जयंती के अवसर पर भी भक्त व्रत करते हैं और विधि विधान से उनकी पूजा करके व्रत को पूर्ण करते हैं। इस दिन देश भर के मंदिरों में जगह-जगह भंडारे आयोजित होते हैं और कई तरह के उपाय और अनुष्ठान करवाए जाते हैं। आइए आपको बताते हैं हनुमान जयंती का महत्व, घर में कैसे करें पूजा और क्या है

हनुमान जयंती की तिथि

पंचाग के अनुसार, हनुमान जयंती 6 अप्रैल को मनाई जाएगी। दरअसल चैत्र पूर्णिमा की तिथि 5 अप्रैल बुधवार को सुबह 9 बजकर 19 मिनट पर आरंभ होगी और इसका समापन गुरुवार 6 अप्रैल को 10 बजकर 4 मिनट पर होगा। इसलिए उदया तिथि की मान्यता के अनुसार हनुमान जयंती 6 अप्रैल को ही मनाई जाएगी और इसी दिन व्रत रखकर बजरंगबली की पूजा की जाएगी।

हनुमान जयंती का महत्व

हनुमान जयंती की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन पूजा अर्चना करने वाले को बजरंग बली हर रोग और दोष से दूर रखते हैं और हर प्रकार के संकट से रक्षा करते हैं। जीवन में कष्ट दूर होते हैं और सुख शांति की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही जिन लोगों पर शनि की अशुभ दशा चल रही है वे यदि हनुमान जयंती पर व्रत रखें तो उनके शनि के दोष दूर होते हैं और कष्टों से मुक्ति मिलती है।

हनुमान जयंती की पूजा विधि

हनुमानजी की पूजा करने के लिए बजरंगबली को लाल पुष्प, सिंदूर, अक्षत, पान का बीड़ा, मोतीचूर के लड्डू, लाल लंगोट और तुलसी दल अर्पित करें। हनुमान चालीसा का पाठ करें। हनुमानजी की फिर आरती करें। हनुमानजी को भोग के रूप में लड्डू, हलवा औ केला चढ़ाएं। इस दिन सुंदर कांड और बजरंग बाण का पाठ करने का भी विशेष महत्व माना जाता है। ऐसा करने से बजरंगबली प्रसन्न होते हैं और हमारे आस-पास से हर प्रकार की नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं।

हनुमान जी को क्यों चढ़ाते हैं सिंदूर और मीठी बूंदी?

इस साल 06 अप्रैल गुरुवार को हनुमान जयंती है। इस दिन आप हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए पूजा के समय सिंदूर अर्पित करें और मीठी बूंदी का भोग लगा सकते हैं। ये दो ऐसी चीजें हैं, जो हनुमान जी को बहुत ही प्रिय हैं। आपने देखा होगा कि हनुमान जी की पूजा में दूध से बनी मिठाई का भोग नहीं लगता है। इसका ग्रहों के साथ संबंध है, वहीं सिंदूर का चोला चमेली के तेल के साथ चढ़ाने की मान्यता है। हनुमान जी को सिंदूर और मीठी बूंदी चढ़ाने का कारण और उससे होने वाले फायदे के बारे में।

हनुमान जी को क्यों लगाते हैं बूंदी का भोग?

हनुमान जी का जन्म मंगलवार के दिन हुआ है और इस दिन ही उनकी पूजा की जाती है। हनुमान जी को दूध से बनी मिठाई का भोग नहीं लगाते हैं क्योंकि दूध को चंद्रमा का प्रतीक मानते हैं। चंद्रमा और मंगल में मित्रवत भाव नहीं है, इसलिए हनुमान जी को मीठी बूंदी चढ़ाते हैं, यह बजरंगबली को बहुत प्रिय है।

हनुमान जी को बूंदी का भोग लगाने के फायदे

बजरंगबली को बूंदी या बूंदी के लड्डुओं का भोग लगाने से व्यक्ति की मनोकामना पूर्ण होती है। हनुमान जयंती के दिन आप अपनी मनोकामना के साथ बूंदी या बूंदी के लड्डुओं का भोग लगाएं। हनुमान जी के आशीर्वाद से आपका कार्य सफल होगा।

हनुमान जी को क्यों चढ़ाते हैं सिंदूर?

इसकी कथा काफी रोचक है। लंका विजय के बाद की बात है। अयोध्या में माता सीता सिंदूर लगा रही थीं, तब हनुमान जी उनको बड़ी जिज्ञासा से देख रहे थे। तब सीता जी ने पूछा कि हनुमान, तुम क्या देख रहे हो। तब बजरंगबली ने कहा कि माते! आप अपने सिर पर ये सिंदूर क्यों लगाती हैं? तब सीता जी ने कहा कि ऐसा करने से प्रभु राम प्रसन्न होते हैं।
इतना सुनकर हनुमान जी बड़े प्रसन्न हुए। राम दरबार लगा था, हनुमान जी पूरे शरीर में सिंदूर लपेटकर पहुंच गए। सब लोग उनको देखकर हंसने लगे कि आखिर हनुमान जी सिंदूर लगाकर क्यों आए हैं? भगवान राम ने हनुमान जी से पूछा कि आपने ये क्या रूप धारण कर लिया है?

तब हनुमान जी ने कहा कि माता सीता अपने माथे पर रोज सिंदूर लगाती हैं, जिससे आप प्रसन्न रहते हैं। तब उन्होंने सोचा कि क्यों न पूरे शरीर पर ही सिंदूर लगा लिया जाए, इससे आप और भी प्रसन्न हो जाएंगे। हनुमान जी की ये बातें सुनकर प्रभु राम मुस्कुराने लगे। तब से हनुमान जी की कृपा प्राप्ति के लिए उनको सिंदूर अर्पित किया जाता है।

हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाने के फायदे

यदि आप हनुमान जी को लाल सिंदूर अर्पित करते हैं तो इससे कुंडली का मंगल दोष दूर होता है और हनुमान जी भी प्रसन्न होते हैं।

हनुमान जी को नारंगी सिंदूर चढ़ाते हैं तो आपको उनकी भक्ति प्राप्त होती है। हनुमत कृपा से जीवन में आध्यात्म बढ़ता है।
बजरंगबली को लाल सिंदूर अर्पित करने से सुखी दांपत्य जीवन और सौभाग्य का आशीर्वाद मिलता है।

वृषभ राशि में शुक्र ग्रह का गोचर, 6 राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन, व्यापार में होगी तरक्की

ज्योतिष शास्त्र में शुक्र ग्रह को सुंदरता, विलासिता और प्रेम का कारक ग्रह माना जाता है। शुक्र ग्रह वृषभ और तुला राशि के स्वामी हैं। यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में शुक्र ग्रह मजबूत हों तो ऐसे व्यक्ति को अपने जीवन में सभी प्रकार की सुख-सुविधाएं मिलती हैं और वह विलासिता पूर्वक जीवन जीता है। वहीं यदि किसी की कुंडली में शुक्र कमजोर स्थिति में हैं तो ऐसे में उस व्यक्ति को जीवन की दैनिक आवश्यकताओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ सकता है। शुक्र ग्रह 6 अप्रैल 2023 को मेष राशि से निकलकर वृषभ राशि में गोचर करने जा रहे हैं।

1. मेष राशि : मेष राशि वालों को शुक्र का ये गोचर लाभ देगा। इस दौरान मेष राशि वाले अपने करियर में आगे बढ़ेंगे और पदोन्नति की संभावनाएं भी हैं। शुक्र के गोचर के दौरान अपने कार्य क्षेत्र पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। व्यापारी वर्ग को इस गोचर के दौरान लाभ प्राप्त होगा। मेष राशि वालों को इस दौरान अपनी सेहत का ख्याल रखना चाहिए, स्वास्थ संबंधी समस्याएं होने की संभावनाएं भी हैं।

2. वृषभ राशि : शुक्र ग्रह का ये गोचर वृषभ राशि वालों को उसके करियर और कार्य क्षेत्र में बेहतर परिणाम देगा। आपके कार्यक्षेत्र में आपके काम की सराहना की जाएगी। वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्य से प्रसन्न रहेंगे। जो भी लोग नौकरी बदलने की सोच रहे हैं, उनके लिए ये अच्छा समय है। इस दौरान पुराना कर्ज चुकाने में सफल रहेंगे। जल्दबाजी में खर्च करने से बचें। पैतृक संपत्ति से लाभ प्राप्त हो सकता है और आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

3. कर्क राशि : कर्क राशि वालों के लिए शुक्र का ये गोचर शुभ साबित होगा। कर्क राशि वालों को इस दौरान अपनी वाणी पर नियंत्रण रखने की जरूरत है। बेवजह वाद-विवाद से बचें। घर के कार्यों में धन खर्च हो सकता है। यदि जमीन से जुड़े कुछ कार्य करना चाह रहे हैं तो वह जरूर सफल होंगे। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा। गोचर के दौरान शुक्रवार के दिन सफ़ेद चीजों का दान करना आपके लिए शुभ रहेगा।

4. कन्या राशि : शुक्र ग्रह का ये गोचर कन्या राशि वालों के लिए अच्छा परिणाम लेकर आएगा। आपको आपके कार्यक्षेत्र में अच्छे समाचार मिलेंगे। वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आपकी तरफ होगा। आपकी पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापारी वर्ग को कारोबार में लाभ मिलने की संभावना है। इस दौरान आप किसी प्रॉपर्टी में निवेश कर सकते हैं।

5. मकर राशि : मकर राशि वालों के लिए शुक्र का गोचर शुभ रहने वाला है। इस दौरान मकर राशि के जातक विदेश जाने के प्रयास में हैं। उनकी इच्छा पूरी हो सकती है। शत्रु या प्रतिबंधित से चल रहा वाद-विवाद हल हो सकता है। विभिन्न स्त्रोतों से धन लाभ हो सकता है। व्यापार में भी अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। कोई भी निर्णय लेने से पहले बड़ों की सलाह अवश्य लें।

6. कुंभ राशि : कुंभ राशि वालों के लिए शुक्र ग्रह का ये गोचर लाभदायक होगा। आपके घरेलू जीवन में शांति रहेगी। साथ ही करियर में उन्नति प्राप्त हो सकती है। छात्र वर्ग के लिए भी ये गोचर अच्छा रहने वाला है। यदि आप किसी तरह का निवेश करना चाह रहे हैं तो इस समय निवेश करने से बचें। जीवनसाथी के साथ आपका समय अच्छा गुजरेगा। शादीशुदा जातकों को बच्चों से खुशी प्राप्त होगी।

हार मानने से पहले एक और कोशिश करें

वाल्मीकि रामायण कहती है लंका में सीता की खोज करते हुए हनुमान निराश हो गए। उन्होंने आत्मदाह तक का विचार कर लिया। फिर, एक अंतिम प्रयास करने का मन बनाया और अशोक वाटिका में सीता को खोज निकाला।

चैत्र पूर्णिमा पर करें 5 आसान ज्योतिष उपाय, लक्ष्मी कृपा बरसेगी

पूर्णिमा तिथि की रात में मां लक्ष्मी की पूजा करने का विधान है।
चैत्र पूर्णिमा 6 अप्रैल दिन गुरुवार को है। इस दिन गंगा जैसी पवित्र नदी में स्नान करने के बाद दान करते हैं। इससे पुण्य की प्राप्ति होती है और पाप मिटते हैं। पूर्णिमा तिथि के प्रतिनिधि देव चंद्रमा हैं और रात के समय में मां लक्ष्मी की पूजा करने का विधान है। पूर्णिमा को माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए कुछ आसान ज्योतिष उपाय कर सकते हैं, जिससे आपके धन और वैभव में बढ़ोत्तरी हो सकती है।

चैत्र पूर्णिमा तिथि मुहूर्त 2023

चैत्र पूर्णिमा तिथि की शुरुआत: 5 अप्रैल, बुधवार, सुबह 09 बजकर 19 मिनट से शुरु हो चुकी है

चैत्र पूर्णिमा तिथि की समाप्ति: 6 अप्रैल, गुरुवार, सुबह 10 बजकर 04 मिनट पर

चैत्र पूर्णिमा का शुभ समय या अभिजित मुहूर्त: सुबह 11 बजकर 59 मिनट से दोपहर 12 बजकर 49 मिनट तकश

चैत्र पूर्णिमा 2023 माता लक्ष्मी के उपाय

1. चैत्र पूर्णिमा को धन की देवी माता लक्ष्मी को लाल रंग के वस्त्र और सुहाग की सामग्री अर्पित करनी चाहिए। इससे माता लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। उनकी कृपा से आर्थिक संकट दूर होता है और सुख-सौभाग्य में वृद्धि होती है।
2. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पूर्णिमा तिथि को पीपल के पेड़ में माता लक्ष्मी का वास होता है। इस दिन सुबह स्नान के बाद पीपल की जड़ को जल और कच्चा दूध से सींचना चाहिए। बताशा और 5 प्रकार की मिठाई चढ़ानी चाहिए।

इससे प्रसन्न होकर माता लक्ष्मी धन संपत्ति में वृद्धि का आशीर्वाद देती हैं।
3. पूर्णिमा के दिन कमलगट्टे की माला से माता लक्ष्मी के महामंत्र ऊँ श्रींह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ऊँ महालक्ष्मी नमः का जाप करना चाहिए। माता लक्ष्मी अपने भक्तों को अष्टलक्ष्मी प्राप्ति का वरदान देती हैं।
4. चैत्र पूर्णिमा के अवसर पर आप अपने घर के मुख्य द्वार पर एक स्वास्तिक बनाएं। इसके लिए हल्दी और जल का उपयोग करें। उसके बाद मुख्य दरवाजे पर आम या अशोक के पत्तों का वंदनवार या तोरण लगाएं। आपके घर माता लक्ष्मी का आगमन होगा और वे सुख-समृद्धि प्रदान करेंगी।
5. चैत्र पूर्णिमा को माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की साथ में पूजा करें। इससे दांपत्य जीवन खुशहाल होता है। पूजा के समय माता लक्ष्मी को 11 कौड़ियां चढ़ाएं, उसमें हल्दी लगा दें। अगले दिन सुबह उन कौड़ियों को लाल कपड़े में बांधकर धन स्थान पर रख दें। आपका भाग्य चमक सकता है।

चंद्र दोष उपाय

पूर्णिमा की रात चंद्रमा को दूध, जल और अक्षत से अर्घ्य दें। उसके बाद चंद्र बीज मंत्र का जाप करें। खीर का भोग लगाएं और उसका ही दान करें। इससे चंद्र दोष दूर होता है।

बीटीएस के बारे में नहीं जानती थीं सिंगर अलका याग्निक:बोलीं- जब बेटी से पूछा कि ये कौन हैं, तो वो हैरान होकर हंसने लगी

कुछ महीने पहले सिंगर अलका याग्निक साल 2022 में यूट्यूब पर सबसे ज्यादा बार स्ट्रीम की जाने वाली आर्टिस्ट बनीं। इस लिस्ट में अलका टॉप पर थीं। स्ट्रीमिंग के मामले में उन्होंने बीटीएस, ब्लैकपिंक और टेलर स्विफ्ट को भी पीछे छोड़ते हुए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किया।

अलका ने बताया कि उन्हें इस सफलता को लेकर कोई खास खुशी नहीं थी, क्योंकि उन्हें इस रिकॉर्ड की महत्ता का अंदाजा नहीं था। रेडियो नशा को दिए इंटरव्यू में अलका याग्निक ने कहा- मुझे बीटीएस के बारे नहीं पता था, मेरी बेटी स्येशा ने मुझे ग्लोबल आइकन के पॉप के बारे में बताया और ये भी बताया कि नंबर्स के मामले में उन्हें पीछे छोड़ने का क्या मतलब है।

मैंने के बारे में पूछा तो मेरी बेटी हैरान रह गई

मैंने स्येशा कपूर से पूछा- बीटीएव कौन है? ये सुनकर मेरी बेटी हैरान हो गई और हंसने लगी। उसने मुझसे कहा- 'मां तुम भी न कमाल करती हो।' अलका ने बताया कि उन्हें इस सफलता के बारे में उनकी बेटी ने बताया था। अलका ने कहा- 'जब उसने मुझे इस उपलब्धि के बारे में बताया, तो मुझपर कोई खास असर नहीं पड़ा। मेरी बेटी हैरान थी कि इतनी बड़ी अचीवमेंट के बावजूद मैं एक्साइटेड क्यों नहीं हूं।'

म्यूजिक करियर के बारे में बात करते हुए अलका ने कहा- 'जब तक लोग मेरा काम पसंद करते रहेंगे, तब तक मुझे नंबरों की परवाह नहीं है। मेरे लिए कम या ज्यादा नंबर मायने नहीं रखते हैं।' अलका ने आगे कहा- 'जो लोग मुझे सुन रहे हैं, वो मुझे प्यार कर रहे हैं। मुझे पसंद कर रहे हैं और उन्होंने मुझे इतने सालों तक खुली बाहों से स्वीकार किया है। मेरे लिए यह अपने आप में एक बड़ी बात है। मैं इस अचीवमेंट को पाकर वाकई शुक्रगुजार हूं।'

बॉडी शेमिंग से जूझ चुकी हैं अनुपमा फेम रुपाली

बोलीं- प्रेग्नेंसी के बाद वजन 83 किलो हो गया था, लोग कहते कितनी मोटी हो गई

अनुपमा फेम रुपाली गांगुली ने हाल ही में बताया कि बेटे को जन्म देने के बाद उनका वजन तेजी से बढ़ा था। इतना ही नहीं मोटापे की वजह से लोग उनका मजाक बनाया करते थे। रुपाली का वजन करीब 83 किलोग्राम था, जिस कारण उन्होंने अनुपमा के मेकर्स से रिक्वेस्ट की थी कि उन्हें अपना वजन घटाने के लिए कुछ समय चाहिए। लेकिन शो के मेकर्स ने बताया कि इस रोल के लिए उनका बॉडी साइज परफेक्ट था।

अरे ये तो मोनिशा साराभाई है कितनी मोटी हो गई है

रुपाली ने टीवी शो अनुपमा में काम मिलने का किस्सा बताते हुए कहा- '6 साल से ज्यादा समय तक एक हाउस वाइफ की तरह रहने के बाद आपकी कमर 24 से 40 हो जाती है। आप आईना देखना बंद कर देती हैं। क्योंकि जब आप बाहर जाते हैं तो लोग आपको देखते हैं और कहते हैं- अरे ये तो मोनिशा साराभाई है कितनी मोटी हो गई है।'

शादी के बाद अचानक बहुत सारी जिम्मेदारियां आ गई थीं

'रुपाली ने आगे कहा- 'आंटियां इतना ही कहती थीं। लकिन इन बातों से एक महिला को बहुत दुख होता है, जो पहले से ही बहुत सी चीजों से जूझ रही हो। डिलीवरी के बाद के फेज में बहुत कुछ चल रहा होता है। शादी के बाद अचानक बहुत सारी जिम्मेदारियां आ गई थीं। ऐसा नहीं था कि मेरे पति जिम्मेदारियां बांटते नहीं थे, वो हमेशा मेरे साथ थे। भगवान का शुक्र है कि उन्होंने कभी भी मुझे नहीं बताया कि मैं बदसूरत या मोटी हो गई हूं। मुझे लगता कि उन्हें कभी एहसास भी हुआ था कि मेरा वजन 83 किलो हो चुका था।'

अनुपमा के बाद भी हुई थी ट्रोलिंग का शिकार

एक इंटरव्यू में रुपाली ने कहा- ऐसा नहीं है कि उस फेज के बाद मैं स्ट्रॉन्ग हो गई हूं। अनुपमा टीवी शो के बाद भी मुझे बॉडी शेमिंग और एज शेमिंग का शिकार होना पड़ा था। लोग मुझसे कहते थे-अरे तुम्हारे रिंकल्स दिख रहे हैं, वो तो मोटी औरत है।' हां मेरे रिंकल्स हैं, मुझे इनपर गर्व है, मैंने अपना हर रिंकल कमाया है। मैं आज जो कुछ भी हूं, उसपर मुझे गर्व है। 'अनुपमा के तीन साल बाद मैं खुद को वैसा ही स्विकार कर पाती हूं, जैसी मैं हूं। इस तरह की समस्याएं किसी के साथ भी हो सकती हैं, ऐसे में ट्रोलर्स और हेटर्स को जवाब देना चाहिए।' बता दें कि रुपाली को अपनी उम्र से छोटे एक्टर के साथ ऑनस्क्रीन रोमांस करने के लिए ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। हालांकि, टीवी इंडस्ट्री में अनुपमा एक शानदार शो बनकर उभरा है।

सैफ अली खान को पसंद है फटी शर्ट-पुराने कपड़े

छोटे नवाब के स्टाइलिंग सेंस पर पत्नी करीना बोलीं- वो 5 साल तक एक पैंट चला सकते हैं

करीना कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि उनके पति सैफ अली खान का ड्रेसिंग सेंस काफी कैजुअल है। वो पांच साल तक एक ही ट्रैक पैंट पहन सकते हैं और जब तक करीना उन्हें याद नहीं दिलाती, तब तक वो नए कपड़े नहीं खरीदना चाहते हैं। इतना ही नहीं करीना ने बताया कि कभी-कभी सैफ ऐसी टी शर्ट भी पहन लेते हैं जिनमें छेद होते हैं। इसके बावजूद करीना मानती हैं कि सैफ का स्टाइलिंग सेंस बेहद यूनीक है।

कभी-कभी सैफ ऐसी टी-शर्ट पहन लेते हैं, जिसमें 5 छेद हों

एक इंटरव्यू में करीना कपूर खान ने कहा- सैफ अपने लिए तब तक नया पैंट नहीं खरीदते हैं, जब तक मैं उन्हें उन्हें याद नहीं दिलाती। वो एक ट्रैक पैंट आसानी से 5 साल तक चला सकते हैं। कभी-कभी तो वो ऐसी टी-शर्ट पहन लेते हैं, जिसमें 5 छेद हों। जब मैं उन्हें इसके लिए टोकती हूं तो वो कहते हैं- इसमें क्या खराबी है, ये बिल्कुल सही है। करीना आगे बताती हैं कि सैफ काफी स्टाइलिश हैं, इसलिए उन्हें कुछ करने की जरूरत नहीं है।'

सैफ को कोई स्टाइलिस्ट तैयार नहीं कर सकता

इससे पहले एक इंटरव्यू के दौरान करीना ने कहा था कि सैफ को कोई स्टाइलिस्ट तैयार नहीं कर सकता है। वो हमेशा खुद के अंदाज में ही तैयार होते हैं। स्टाइलिस्ट जैसा कहते हैं वो उसका उल्टा करते हैं। हालांकि, करीना का मानना है कि सैफ का टेस्ट काफी अलग है। चाहे वो कपड़ों की हो किताबों की या फिर खाने की। सैफ का टेस्ट बिल्कुल खास है। मुझे नहीं लगता कि उनके जैसा कोई भी स्टाइल हो सकता है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो करीना कपूर खान जल्द ही रिया कपूर और एकता कपूर की फिल्म द क्रू में नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ कृति सेनन और तब्बू को कास्ट किया गया है। इसके अलावा करीना को हंसल मेहता की अगली फिल्म में कास्ट किया है।

कन्नड़ सुपरस्टार किच्चा सुदीप को मिला धमकी भरा लेटर

लेटर में प्राइवेट वीडियो लीक करने की बात; बीजेपी जॉइन करने की अटकलों के बीच धमकी

कन्नड़ सुपरस्टार किच्चा सुदीप के मैनेजर को एक धमकी भरा लेटर मिला है। उस लेटर में एक्टर का प्राइवेट वीडियो लीक करने की बात कही गई है। ये धमकी भरा लेटर तब आया है जब किच्चा सुदीप के बीजेपी जॉइन करने की अटकलें काफी तेज हैं। उनके मैनेजर ने इस अज्ञात शख्स के खिलाफ FIR दर्ज करा दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कर्नाटक में चुनाव होने वाले हैं।

सुदीप के मैनेजर जैक मंजू ने इस मामले में शिकायत दर्ज करा दी है। पुलिस ने भी IPC की धारा 04, 506 और 120 (बी) के तहत केस दर्ज किया है। सोर्सेस की माने तो अधिकारी इस मामले को सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) को सौंपने पर भी विचार कर रहे हैं। कर्नाटक में 10 मई को विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। कुछ दिन पहले ये खबर आई थी कि किच्चा सुदीप भारतीय जनता पार्टी जॉइन करने वाले हैं। फरवरी में उन्होंने मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई सहित बीजेपी के कुछ बड़े नेताओं से मुलाकात की थी। उन्होंने कुछ दिन पहले कहा था, 'मैंने डीके शिवकुमार, सीएम बसवराज बोम्मई और मंत्री डीके सुधाकर से मुलाकात की है। मेरे सभी के साथ अच्छे संबंध हैं, लेकिन मैंने अपने पॉलिटिकल करियर से रिलेटेड कोई फैसला नहीं लिया है। जब भी फैसला करूंगा तो इसे पब्लिकली करूंगा।'

राजनीति में आने का दिया था संकेत

सुदीप ने ये भी कहा, 'पॉलिटिकल पार्टीज से ज्यादा मुझे अपने फैंस से ये जानने की जरूरत है कि वो मेरे पॉलिटिक्स में आने पर क्या सोचते हैं। मुझे उनसे भी सलाह लेनी होगी। राजनीति में आए बिना भी सेवा की जा सकती है। पहले मुझे खुद भी सोचना होगा कि मुझे राजनीति में क्यों आना है, क्या मैं राजनीति में आए बिना अपनी व्यक्तिगत क्षमता से लोगों की सेवा कर सकता हूं।'

हिंदी भाषा को लेकर दिया था विवादित बयान

किच्चा सुदीप ने पिछले साल हिंदी भाषा को लेकर विवादित बयान दिया था। उन्होंने एक इवेंट में कहा था कि हिंदी अब राष्ट्र भाषा नहीं रही है। बॉलीवुड पैन इंडिया फिल्में बनाने में स्ट्रगल कर रहा है, जबकि साउथ इंडस्ट्री पहले से सफल रहीं हैं।

इस पर अजय देवगन ने किच्चा सुदीप को जवाब देते हुए कहा था कि अगर हिंदी राष्ट्रीय भाषा नहीं है तो साउथ फिल्मों के मेकर्स अपनी फिल्मों को हिंदी में डब करके क्यों रिलीज करते हैं?

अजय और सुदीप की ये बहस सोशल मीडिया पर काफी देर तक चली थी। सुदीप की लेटेस्ट फिल्मों की बात करें तो उन्हें कन्नड़ भाषा में बनी पीरियड एक्शन फिल्म कब्जा में देखा गया था। इसके अलावा पिछली साल रिलीज हुई उनकी फिल्म विक्रांत रोना ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की थी।

दो दिन बाद पता चलेगा 'कहां है पुष्पा'

साउथ के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 की रिलीज का फैन्स लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं और अब फैंस का इंतजार खत्म होने वाला है, दरअशल अल्लू अर्जुन की मोस्ट अवेडेट फिल्म 'पुष्पा 2' के लिए हर कोई बेसब्री से इंतजार रहा है. इस बीच अब 'पुष्पा द रुल' को लेकर बड़ा अपडेट सामने आ रहा है. जिसके चलते ट्विटर पर 'पुष्पा 2' के टीजर रिलीज को लेकर ट्रेंड बना हुआ है और फैंस क्रेजी हो गए हैं. मेकर्स ने 'पुष्पाः द रूल' का पहला वीडियो सोशल मीडिया पर रिलीज कर दिया है. 'पुष्पा' के सीक्वल का पहला वीडियो रिलीज करने के चंद मिनटों में इंटनेरट पर वायरल हो गया है. दरअसल, फिल्म मेकर्स ने ट्विटर पर 'पुष्पा 2' को लेकर एक वीडियो शेयर किया है. इस वीडियो में अल्लू अर्जुन की झलक देखने को मिल रही है. इस 20 सेकेंड के वीडियो में दिखाया गया है कि तिरुपति जेल से 'पुष्पा' फरार हो गया है. अब वह कहां है, इसका पता 7 अप्रैल को शाम 4 बजे पता चलेगा. टीजर के साथ लिखा है, . सोशल मीडिया पर अल्लू अर्जुन और 'पुष्पा द रुल' टॉप पर ट्रेंड कर रहा है. इस वीडियो के बाद फैंस के बीच पुष्पा 2 को लेकर एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है.

मैं शकुंतलम नहीं करना चाहती थी : क्योंकि मेरे जेहन में द फैमिली मैन में निभाए गए अपने किरदार का गहरा असर था- सामंथा

तमिल एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु को नॉर्थ में लोग उनके 'द फैमिली मैन' में श्रीलंकाई बागी गुट से ताल्लुक रखने वाली राजी के रोल से जानते हैं। अब वो टिपिकल रोमांटिक फिल्म 'शकुंतलम ' में नजर आएंगीं। सामंथा असल जीवन में खतरनाक बीमारी मायटोसिस से जूझते हुए कमबैक कर रही हैं।

शकुंतलम के डायरेक्टर हैं गुण शेखर गारू वो ये फिल्म लेकर आए थे मेरे पास। हालांकि उस वक्त मैं इस तरह की फिल्म के लिए तैयार नहीं थी। वह इसलिए कि मैं उन दिनों 'द फैमिली मैन ' की राजी के एक्शन मोड में थी। कई रियलिस्टिक मोड की फिल्में कर रही थीं। तो मैंने पहले तो शकुंतला को ना कहा।

मगर चूंकि मुझे चुनौतियां पसंद रही हैं तो मैंने ना कहने के दो से तीन दिन बाद ऑफर पर दोबारा विचार किया। साथ ही गुणशेखर गारू ने जो इसका वर्ल्ड क्रिएट किया था, वह कमाल का था। मैं बचपन से डिज्नी की फिल्मों की फैन रही हूं। इसमें बचपन के उस सपने को जीने का मौका था।

मुझे किरदार के बॉडी लैंग्वेज पर काम करना पड़ा। वह इसलिए कि शकुंतलम का मतलब ही ग्रेस, पॉज और नजाकत के साथ बातें करने वाली शख्स है। असल में जबकि वह सब मुझ में है ही नहीं। थोड़ी टॉम बॉयिश हूं।

तो मुझे गुण शेखर गारू ने उस बॉडी लैंग्वेज की ट्रेनिंग दिलवाई। बाकी गुण शेखर गारू का शकुंतलम को लेकर विजन बहुत क्लियर था। मैं बस उनके विजन को फॉलो करती गई। मैंने हाल ही में पूरी फिल्म देखी है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक भी उसे देख गर्व महसूस करेंगे। सच कहूं तो अब भी उससे जूझ रही हूं। हर इंसान की अपनी तकलीफें हैं। वो अपने तरीके से उन्हें हैंडिल करता है। हालांकि वैसे जुझारू लोगों पर योद्धा होने का ठप्पा लगा दिया जाता है । जबकि ऐसा नहीं होता है। ऐसे कई दिन होते हैं, जहां मैं भी रोना चाहती हूं। गिवअप करना चाहती हूं। मगर लोग अमूमन उन्हीं दिनों के बारे में बात नहीं करना चाहते।

असल में जबकि उन दिनों की भी चर्चा करना जरूरी हैं। ताकि आम लोगों को समझ में आए कि जो कठिन दिन और जीवन की कठिन लहरें हैं, उनका सामना कर लिया तो अच्छे दिन यकीनन आएंगे। समय कोई भी हो, वह स्थायी नहीं हो सकता। तो इंतजार करें बुरे समय के गुजरने का, और अच्छे के आने का।

यह फिल्म दो घंटे और 20 मिनट की है। उसमें दो घंटे के तो वीएफएक्स शॉट ही हैं। उनसे जानवर और रहस्यमयी जंगल तक क्रिएट किए गए हैं। तो उस माहौल में शूट करना मुश्किल तो था ही। साथ ही हमने कोविड के दौर में शूट किया। लिमिटेड संसाधनों में तीन महीनों में हम शूट कर पाए । तो हमारा सेट काफी क्लोज होता था। कम क्रू मेंबर ही वहां रहता था। तो हमें कई महीने तो उसे शूट करने में लगे। बाकी पूरा वक्त फिल्म के सीजी वर्क में गया।

मैं बड़ी क्लियर थी कि मुझे उस किरदार को जो श्रीलंकाई बागी संगठन से ताल्लुक रखती है- को बड़ा ऑथेंटिक बनाना होगा। वह इसलिए कि वह किरदार ढेर सारे लोगों के लिए बेहद संजीदा और मायने रखने वाला है। लिहाजा शूट के दौरान मैं उम्मीद और प्रार्थना करती रही कि मैं उस किरदार के साथ न्याय कर पाऊं। इसके लिए मैंने ढेर सारी डॉक्यूमेंट्री देखी। राजी को मैंने विलेन के नजरिए से नहीं देखा। मैं उसे ऐसे इंसान के तौर पर प्ले कर रही थी, जिनके पास जिंदगी में कई चॉइसेज होते हैं, जिनको चुनकर वो बाकी जीवन किसी मकसद के प्रति समर्पित कर देते हैं। यकीनन वह कई लोगों के लिए विलेन हो सकती है, मगर मैंने राजी को विलेन के तौर पर प्ले नहीं किया। जो चॉइस उसने लिया, वह जरूरी नहीं कि गलत ही हो। तभी ढेर सारे लोग उस किरदार से कनेक्ट कर सके।

प्रियंका चोपड़ा की 'सिटाडेल' का बजट सुनकर शर्मा जाएंगे शाहरुख-सलमान

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा बहुत ही जल्दहॉलीवुड की सीरीज 'सिटाडेल' में नजर आने वाली हैं और इन दिनों वो भारत में इसका जमकर प्रमोशन कर रही हैं. इस सीरीज की खास बात यह है कि इस सीरीज के क्रिएटर रूसो ब्रदर्स हैं, जो एवेंजर्स जैसी सुपरहीरो फिल्मों के लिए जाने जाते हैं. हाल ही में सिटाडेल को लेकर एक रिपोर्ट आई थी कि, इसे बनाने में मेकर्स ने पानी की तरह पैसा बहाया है. ये बिग बजट वेब सीरीज अमेजॉन प्राइम वीडियो की दूसरी सबसे महंगी वेब सीरीज बताई जा रही है जिसका बजट सुनकर आपके भी होश उड़ जाएंगे. इसका बजट इतना है कि बॉलीवुड की अनगिनत मीडिया बजट की फिल्में इसमें बन सकती हैं.

2 सौ मिलियन डॉलर है बजट

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें, प्रियंका की सीरीज सिटाडेल का बजट

लगभग 2 सौ मिलियन डॉलर है. सिटेडल का शुरुआती बजट 160 मिलियन डॉलर रखा गया था, मगर बनते-बनते 75 मिलियन डॉलर और जुड़ गए. इस ओवर बजट की वजह है कि सीरीज में एनिमेशन का काफी इस्तेमाल किया गया है. इसके अलावा सीरीज के कुछ हिस्से री-शूट हुए हैं. ऐसे में ये सीटाडेल अब दुनिया की दूसरी सबसे महंगी सीरीज़ की लिस्ट में शामिल होगी. अमेज़न की पहली सबसे महंगी सीरीज़ है, 'द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स-द रिंग्स ऑफ पावर' है.

प्रियंका चोपड़ा अपकमिंग वेब सीरीज 'सिटाडेल' का प्रमोशन जमकर कर रही हैं और फिलहाल वो भारत में भी इसका प्रमोशन कर रही हैं और कल ही इसका प्रीमियर हु आहै. बता दें वेब सीरीज बनते बनते 2 सौ मिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर जाएगी, जो इंडियन करेंसी में लगभग दो हजार करोड़ रु. होते हैं. इस बजट में शाहरुख खान और सलमान खान जैसे सितारों की 200 करोड़ रुपये के बजट वाली 10 फिल्में बन सकती हैं. छोटी-मोटी फिल्मों के बनने की तो गिनती ही नहीं की जा सकती. इससे पहले प्रियंका चोपड़ा अमेरिकन टीवी शो क्वांटिको में भी लीड रोल में नजर आ चुकी हैं. इसमें भी एक्ट्रेस अपने एक्शन अवतार में एजेंट का किरदार निभा चुकी हैं.

सिटाडेल में प्रियंका को मिली है बराबर फीस

प्रियंका चोपड़ा और रिचर्ड मेडन की सिटाडेल एक स्पॉई एक्शन थ्रिलर सीरीज है, जो 28 अप्रैल को रिलीज होने वाली है. सीरीज में प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में है और उनको हैरतअंगेज एक्शन करते हुए भी देखा जा सकेगा.

प्रियंका चोपड़ा ने कुछ समय पहले सिटाडेल को लेकर बताया था, 'मैं एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में 22 साल से काम कर रही हूं, और मैंने लगभग 70 से अधिक फीचर और दो टीवी शो किए हैं. लेकिन जब मैंने सिटाडेल में काम किया, तो यह मेरे करियर में पहली बार था जब मुझे फीस बराबर मिली है.'

शरीर में पानी की कमी बढ़ा सकता है स्ट्रोक का खतरा

डिहाइड्रेशन यानी शरीर में पानी की कमी होना एक गंभीर स्थिति है, जिसके कारण अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों प्रकार के असर हो सकते हैं। विशेषतौर पर गर्मी दिनों में डिहाइड्रेशन की समस्या अधिक देखी जाती है, क्योंकि हमारे शरीर से अधिक पसीना निकल जाता है और इस अनुपात में हम पानी नहीं पीते हैं। यही कारण है कि सभी लोगों को रोजाना कम से कम 3-4 लीटर पानी जरूर पीने की सलाह दी जाती है।

हार्वर्ड हेल्थ की एक रिपोर्ट के अनुसार, डिहाइड्रेशन (निर्जलीकरण) की गंभीर स्थिति आपमें स्ट्रोक के खतरे को भी बढ़ा देती है। लोमा लिंडा यूनिवर्सिटी के एक शोध के मुताबिक, रोजाना कम से कम पांच गिलास पानी पीने से स्ट्रोक का खतरा 53 फीसदी तक कम हो जाता है। यह स्ट्रोक की स्थिति में रोगी के लक्षणों में भी सुधार कर सकता है। आइए जानते हैं कि कम पानी पीना किस तरह से स्ट्रोक के खतरे को बढ़ा देता है और इससे और किस प्रकार की समस्याओं का खतरा हो सकता है?

डिहाइड्रेशन और स्ट्रोक का जोखिम

जॉन्स हॉपकिन्स अस्पताल के विशेषज्ञों ने एक रिपोर्ट में बताया कि स्ट्रोक के रोगियों में अगर पानी की कमी हो जाती है, तो उनमें गंभीर स्वास्थ्य जोखिम होने का खतरा चार गुना तक बढ़ जाता है। अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि डिहाइड्रेशन रक्त वाहिकाओं में एंडोथेलियल कार्यों में बाधा डाल सकती है, जिसके कारण रक्त का प्रवाह भी बाधित हो जाता है, इससे स्ट्रोक और हृदय रोगों का खतरा हो सकता है।

अध्ययन के परिणामों के आधार पर सुझाव दिया गया कि सभी लोग अगर सामान्य हाइड्रेशन को बनाए रखते हैं तो यह हृदय रोग के जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

लो ब्लड वॉल्यूम शॉक

निर्जलीकरण के कारण हाइपोवॉलेमिक शॉक की समस्या काफी अधिक देखी जाती है, जो गंभीर और कभी-कभी जानलेवा भी हो सकता है। शरीर में पानी की कमी के कारण रक्तचाप में गिरावट के साथ शरीर में ऑक्सीजन की भी कमी होने लगती है, जिसके कारण इस तरह की दिक्कतों का खतरा रहता है। बहुत गर्म स्थानों में इसका जोखिम अधिक देखा जाता रहा है।

हीट स्ट्रोक

गर्मी के दिनों में हीट स्ट्रोक होना बहुत कॉमन है जिसका प्रमुख कारण डिहाइड्रेशन माना जाता है। जोरदार व्यायाम करने और अत्यधिक पसीना आने पर शरीर में पानी की कमी होने लगती है। इसके अनुपात में अगर आप पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ नहीं पीते हैं, तो हीट स्ट्रोक हो सकता है। इसमें उल्टी, लो ब्लड प्रेशर जैसी दिक्कतों का खतरा भी रहता है, कुछ स्थितियां जानलेवा तक भी हो सकती हैं।

किडनी की समस्याएं

लंबे समय तक या बार-बार डिहाइड्रेशन होने के कारण मूत्र पथ के संक्रमण, किडनी की पथरी और यहां तक कि किडनी फेलियर भी हो सकती है। शरीर में पानी की कमी होने का सबसे अधिक दुष्प्रभाव किडनी पर होता है, इसको स्वस्थ रखने के लिए अधिक मात्रा में पानी-तरल पदार्थों का सेवन करें।

इन उपायों से दूर होगी खर्राटों की समस्या

क्या आपको खर्राटे आते हैं? क्या खर्राटों की वजह से आपका पार्टनर आपके साथ सोना नहीं चाहता? क्या आपके बच्चे और पार्टनर खर्राटों की वजह से आपका मजाक बनाते हैं? क्या खर्राटों की वजह से आपको दोस्तों के बीच शर्मिंदा होना पड़ता है? अरे.रे.रे ये क्या प्रश्न पूछ लिया? यही तो असली दुखती नस है. अगर आप भी ऐसा ही कुछ सोच रहे हैं तो बिल्कुल भी परेशान होने की जरूरत नहीं है. यकीन मानिए आप इस दुनिया में अकेले नहीं हैं. अकेला तो कोई नहीं है, लेकिन खर्राटे लेने के मामले में भी आप अकेले नहीं हैं. बल्कि यह जानकर आपको सुकून मिलेगा कि 30-60 वर्ष की उम्र के 44 फीसद पुरुष और 28 फीसद महिलाएं खर्राटे लेती हैं. सुकून इसलिए क्योंकि यह अकेले आपकी परेशानी नहीं है और यह ऐसी परेशानी भी नहीं है, जिसकी तरफ किसी का ध्यान नहीं गया है. बल्कि इसके लिए बकायदा एक ऑर्गेनाइजेशन है, जो इस पर काम करती है. ये जो आंकड़े हमने आपको बताए, यह उसी ऑर्गेनाइजेशन स्लीप फाउंडेशन के हैं. स्लीप फाउंडेशन के अनुसार 60 वर्ष से अधिक उम्र होने पर लगभग आधी आबादी खर्राटे लेती है.

खर्राटे क्यों आते हैं?

सबसे पहले यह जानना जरूरी है कि खर्राटे क्या होते हैं? खर्राटे क्यों आते हैं? जब सांस लेते समय हवा हमारी नाक के पिछले हिस्से में

मौजूद पार्शियल ब्लॉक एयरवे से गुजरती है तो एक आवाज निकलती है. इसी आवाज को खर्राटा या अंग्रेजी में स्नोरिंग कहते हैं.

सोने का तरीका बदलें

अगर आप पीठ के बल सोते हैं तो संभव है कि आपके खर्राटे लेने का एक बड़ा कारण यह भी हो. वेबएमडी की रिपोर्ट में ऐसा कहा गया है. इसलिए अगर आप सोने का तरीके बदलते हैं और करवट लेकर सोते हैं तो इससे खर्राटे कम हो सकते हैं. इसके लिए आप बॉडी पिलो का इस्तेमाल कर सकते हैं. आप नींद में करवट लेकर फिर से पीठ के बल न आ जाएं इसके लिए फुल लेंग्थ बॉडी पिलो का इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके अलावा आप नींद में अंजाने में पीठ के बल न आ जाएं इसके लिए अपनी कमर में पीछे की तरफ एक टेनिस बॉल बांधकर रख सकते हैं. इससे आप नींद में गलती से भी पीठ के बल नहीं आएंगे.

अपना तकिया बदलें

अगर आप खर्राटे लेते हैं तो जल्दी-जल्दी तकिया बदलने के लिए आपके पास दो कारण हैं. पहला कारण तो यह है कि समय के साथ तकिए में धूल के कण जमा होने लगते हैं, जिनकी वजह से आपको एलर्जिक रिएक्शन हो सकता है. दिनभर आपको बंद नाक जैसी कोई समस्या नहीं होती है, लेकिन रात में नाक बंद होती है तो यह संकेत है कि अब आपको तकिया बदल लेना चाहिए.

नेजल पैसेजेस को खोलें

खर्राटों से मुक्ति पाने के लिए नेजल पैसेज को खोलना भी एक उपाय है. अगर आपकी नाक बंद है या एयरवे पतला हो गया है तो जब हवा उस हिस्से से गुजरेगी तो खर्राटे की आवाज आएगी ही. नाक को खोलने के लिए आपको कुछ आसान उपाय अपनाने चाहिए. बंद नाक को खोलने के लिए आप रात को सोने से ठीक पहले गर्म पानी से नहा सकते हैं. नमक के पानी का सॉल्यूशन इस्तेमाल करके भी आप अपनी बंद नाक को खोल सकते हैं, इसके अलावा नेति क्रिया के द्वारा भी नाक खोल सकते हैं. नाक के ऊपर चिपकने वाली नेजल स्ट्रिप की मदद से भी आप खर्राटों से मुक्ति पा सकते हैं.

भरपूर नींद लें

विशेषतौर पर हेल्थ के लिए काम करने वाली वेबसाइट हेल्थलाइन के अनुसार जब आपकी नींद पूरी नहीं होती है तो खर्राटे आने की संभावना अधिक होती है. अगर आप रात में 7-9 घंटे की नींद नहीं लेते हैं तो इससे आपके गले की मांसपेशियां रिलेक्स हो सकती हैं.

हमेशा हाइड्रेटिड रहें

वेबएमडी के अनुसार तरल पीने और अपने को हाइड्रेटिड रखने से खर्राटों की समस्या कम हो सकती है. अगर आप उचित मात्रा में पानी का सेवन नहीं करते हैं तो नाक में मौजूद म्यूकस चिपचिपा हो जाता है. उसकी वजह से सांस की आवाजाही में दिक्कत होने पर खर्राटे आ सकते हैं. अपने को हाइड्रेटिड रखने के लिए आपको हर दिन 12-15 गिलास पानी पीना चाहिए.

एंटीस्नोरिंग माउथपीस का इस्तेमाल करें

स्लीप फाउंडेशन के अनुसार आज बाजार में बहुत से ऐसे प्रोडक्ट मौजूद हैं, जिनके इस्तेमाल से खर्राटों की समस्या कम हो सकती है. ऐसी ही एक डिवाइस माउथगार्ड है, जिसे मैंडिबुलर एडवांसमेंट डिवाइस के नाम से जाना जाता है. यह डिवाइस दांतों में फिट होती है और आपके निचले जबड़े को थोड़ा से आगे की ओर धक्का देती है. ऐसा करने से आपको खर्राटे रोकने में मदद मिलती है. इसके अलावा टंग (जीभ) स्टेब्लाइजिंग डिवाइस भी आती है, जिसे TRD या TSD के नाम से भी जाना जाता है. यह माउथपीस दांतों के बीच फिट किया जाता है, लेकिन जीफ अपनी जगह पर रहती है. इस तरह की डिवाइस खर्राटों की आवाज को 60-70 फीसद तक कम कर देती है.

धूम्रपान छोड़ें, जीवन अपनाएं

अगर आप धूम्रपान करते हैं तो आपको जल्द से जल्द स्मोकिंग छोड़ देनी चाहिए. क्योंकि स्मोकिंग की आदत की वजह से भी आपको खर्राटे आ सकते हैं. स्मोकिंग छोड़ने से खर्राटे कम हो सकते हैं. धूम्रपान छोड़ने से आपको न सिर्फ खर्राटों से मुक्ति मिल सकती है, बल्कि कई अन्य स्वास्थ्य लाभ भी मिल सकते हैं.

विकेंड की छुट्टियों में इन जगहों पर घूमने का बना सकते हैं प्लान

अप्रैल के महीने में गुड फ्राइडे है। यह ईसाई समुदाय का प्रमुख दिन होता है। ऐसे में गुड फ्राइडे के मौके पर स्कूल, कॉलेजों और अधिकतर दफ्तरों में अवकाश होता है। इस बार गुड फ्राइडे 7 अप्रैल को है। इसके बाद सप्ताह का दूसरा शनिवार और फिर रविवार है। इस तरह से गुड फ्राइडे पर तीन दिन की छुट्टी मिल रही है। लॉन्ग वीकेंड ट्रिप के लिए यह समय सबसे बेहतर है। फिलहाल मौसम भी बहुत अधिक गर्म नहीं है। इसलिए अगर कहीं घूमने जाने की योजना है तो गुड फ्राइडे की छुट्टी बेहतर मौका दे रही है। उमस भरी गर्मी शुरू होने से पहले छुट्टियों का पूरा आनंद लेने के लिए लॉन्ग वीकेंड ट्रिप पर जाना चाहते हैं तो यहां आपको कुछ जगहों का विकल्प दिया जा रहा है। कम पैसों में गुड फ्राइडे की छुट्टी के लिए इन जगहों की ओर रुख कर सकते हैं।

किन्नौर, हिमाचल प्रदेश

7 अप्रैल से 9 अप्रैल तक तीन दिन की छुट्टी के लिए आप हिमाचल प्रदेश जा सकते हैं। हिमाचल प्रदेश में कई सारे हिल स्टेशन हैं, जहां आप बजट में घूम सकते हैं और कम पैसों में दो रात ठहर सकते हैं। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर हिल स्टेशन की प्राकृतिक सुंदरता पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। मात्र पांच हजार के बजट में किन्नौर घूमने जा सकते हैं।

भेड़ाघाट, जबलपुर

गुड फ्राइडे की तीन दिन की छुट्टी के लिए आप जबलपुर जाने की योजना बना सकते हैं। जबलपुर के भेड़ाघाट की सुंदरता आपका मन मोह लेगी। यहां संगमरमरी चट्टानों के बीच से निकलती नर्मदा नदी पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है। चौसठ योगिनी मंदिर और सुंदर जलप्रपात को देखने के लिए तीन दिन का समय काफी है।

वर्कला बीच, केरल

इस मौसम में केरल घूमने जा सकते हैं। केरल के तिरुवनंतपुरम के बाहरी क्षेत्र में वर्कला नाम का छोटा सा गांव है, जो पर्यटकों और तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है। यहां वर्कला बीच पर आप घूम सकते हैं। प्राकृतिक झरनों के सुंदर नजारों को देख सकते हैं।

कुल्लू

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू घूमने के लिए यह मौका सही है। वहां जाएं तो हिमालय नेशनल पार्क की सैर पर भी जा सकते हैं। इस समय मौसम भी घूमने लायक बेहतर होगा। गुड फ्राइडे की छुट्टी में कुल्लू की सैर भी बेहतर विकल्प है।

हिंदी में अद्भुत सामासिक व सांस्कृतिक क्षमता

- प्रो. चक्रधर त्रिपाठी
कुलपति, ओड़िशा केंद्रीय विश्वविद्यालय

भारत जननी एक हृदय हो/एक राष्ट्रभाषा हिंदी में,
कोटि-कोटि जनता की जय हो/भारत जननी एक हृदय हो।
स्नेहसिक्त मानस की वाणी/गूँजे गिरा यही कल्याणी।
चिर उदार भारत की संस्कृति/सदा अभय हो, सदा अजय हो,
भारत जननी एक हृदय हो।

कवि पं. रामेश्वरदयाल दूबे ने अपनी कविता की उपर्युक्त पंक्तियों में जिस भाषा की जय और भारत जननी के एक हृदय होने की बात कही है, वह भारत की भारती और हमारी राष्ट्रभाषा हिंदी है। भारत जैसे बहुभाषा-भाषी देश में सांस्कृतिक और वैचारिक विभिन्नताओं के बीच अनेकता में एकता को मूर्त करनेवाली शक्ति के रूप में हिंदी की भूमिका विशिष्ट रही है।

विभिन्न जातियों, संप्रदायों और भाषा परिवारों के लोग इस देश में सांस्कृतिक स्तर पर एकीकृत हैं और सब मिलकर भारत राष्ट्र की कल्पना को साकार करते हैं। भारत में विभिन्न स्रोतों से आए सांस्कृतिक सूत्र इसी कारण बिखरावग्रस्त नहीं हो सके कि इस बहुभाषी राष्ट्र को, समूचे देश की जनता को सामासिक और सांस्कृतिक एकता के सूत्र में बाँधनेवाली कड़ी के रूप में हिंदी विद्यमान है। महाकवि डॉ. उमा शंकर चतुर्वेदी ने अपने खंडकाव्य में इसी एकता की ओर संकेत करते हुए लिखा है कि-

संस्कृति को इक हार के रूप में/जोड़ सके वो कड़ी है ये हिंदी।
ले के सहारा चले अन्हरा उस/अंधे के हाथ छड़ी है ये हिंदी।
जीवनदान मिले जिससे/विष मार सके वो जड़ी है ये हिंदी।
प्यार से भारत माता कहें/ कि सुनो हमसे भी बड़ी है ये हिंदी।

कन्याकुमारी में अरब सागर और बंगाल की खाड़ी की जो एकता है, प्रयागराज (इलाहाबाद) में गंगा-यमुना और सरस्वती का जो संगम है, उसी के समानांतर हिंदी में इस विशाल देश की सांस्कृतिक परंपराओं, वैचारिक दिशाओं, भाषिक विविधताओं और भावात्मक परिकल्पनाओं को एकीकृत करने की विलक्षण सामासिकता है। हिंदी भाषा का इतिहास इस बात का साक्षी है कि उसने अनगिनत चिंतन धाराओं को अभिव्यक्ति दी है, सभी संप्रदायों को वाणी दी है और विभिन्न भाषाओं की जातीय विशेषताओं के बीच अपनी विराट् सामासिक शक्ति का परिचय दिया है। यह सामासिकता किसी भी जीवंत भाषा की पहली पहचान होती है। इसी सामासिकता के कारण आज हिंदी विश्व मंच पर प्रतिष्ठित है। भारत के कोने-कोने में और भारत के मानचित्र से बाहर मॉरीशस, सूरीनाम, फिजी, गुआना, ट्रिनीडाड, नेपाल, म्यांमार आदि देशों में हिंदी बोलने-समझने और लिखने वाले लोग उपलब्ध हैं। इन सबने मिलकर हिंदी की साहित्य संपदा का विस्तार किया है, लेकिन इसका केंद्रीय कारण यही है कि हिंदी में अद्भुत सामासिक क्षमता है।

आप कन्याकुमारी के समुद्र तट पर खड़े हों तो एक विचित्र दृश्य जरूर नजर आयेगा। हिंद महासागर की जलराशि, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के पानी को अपने में समेटती देखाई देगी।

दूर-दूर से आनेवाली विभिन्न अंतर्धाराएं जिस तरह महासमुद्र में पहुंचकर एक हो जाती हैं, उसी तरह भारत जैसे विशाल देश में फैली विभिन्न सांस्कृतिक प्रवृत्तियों को हिंदी ने एक सूत्र में आबद्घ किया है। प्राचीन आर्य भाषाओं की परंपरा से लेकर नई भारतीय भाषाओं तक की सारी उपलब्धियों को समेटने का कार्य हिंदी ने किया है। यहा किसी एक धर्म द्वारा स्वीकृत भाषा नहीं है, बल्कि इसने सभी प्रचलित धर्मों को वाणी दी है।

दर्शन और विचारधारा की किसी एक लीक पर चलना भी हिंदी का स्वभाव नहीं है, बल्कि उसने मनुष्य की सुदीर्घ चिंतन-परंपरा की सारी विचार दिशाओं को अपने भीतर समेटा है। समन्वय की इस गंगा में न जाने कितनी देशी-विदेशी भाषाओं की शब्द-संपदा का समाहार हुआ है। पिछली अनेक शताब्दियों में विभिन्न संप्रदायों और देशों के भाषा साहित्य के संपर्क से हिंदी ने इतना अधिक ग्रहण किया है कि अब उन शब्दों के स्रोतों को खोजना भी कठिन है।

संविधान के निर्देश के अनुसार, हिंदी के सामासिक रूप की चर्चा तो हुई है, जबकि हिंदी शताब्दियों से सामासिक सांस्कृतिक रूप का परिचय दे रही है। वस्तुतः सांस्कृतिक समन्वय और राष्ट्रीय एकता की कड़ी के रूप में हिंदी ने जो स्थान प्राप्त किया, उसका आधार न तो कोई राजदरबार था और न कोई संविधान सभा थी। जिनकी मातृभाषा हिंदी है और जानकी मातृभाषा हिंदी नही है-उन सब लोगों ने सहज माध्यम के रूप में हिंदा को स्वीकारा है। यहाँ तक कि इस देश के तीर्थ यात्रियों की भाषा हिंदी है।

इस रूप में हिंदी न जाने कब से विभिन्न भाषा-भाषियों के बीच व्यवहार में प्रचलित है। सैकड़ों वर्ष पहले मध्य काल के संतों और महात्माओं ने अपने विचारों को सारे देश में फैलाने के लिए हिंदी भाषा को ही माध्यम के रूप में अपनाया। इसके बाद हिंदी साधुओं और फकीरों की भाषा बनी। आजादी के बहुत पहले से कुछ देशी रियासतों में हिंदी को प्रशासन की भाषा बनने का सौभाग्य मिला था। स्वतंत्रता के बाद हिंदी को संविधान निर्माताओं ने 14 सितंबर, 1949 को राजभाषा का दर्जा दिया- यह हिंदी के लिए गौरव का संदर्भ है। इस नई भूमिका ने हिंदी के प्रयोजन मूलक रूप को समूचे राष्ट्र के धरातल पर स्थापित किया है। हिंदी की अन्यतम विशेषता उसकी उदारता, सहजता और सहिष्णुता है।

बेहद खुले मत के साथ हिंदी ने उन सारी संस्कृतियों और व्यवहारों को अपनाया है, जो उसके संपर्क में आई। देश के एक छोर से दूसरे छोर तक बसे लोगों को प्रेम और बंधुत्व की डोर से बाँधने वाली भाषा हिंदी ही है। अमीर खुसरो और तानसेन के समय से लेकर विष्णु दिगंबर पलुस्कर और बड़े गुलाम अली खाँ जैसे संगीतकारों ने प्रमाणित किया है कि हिंदी ही इस देश में राग, पाग और संगीत की समर्थ भाषा है। गीतकार मोहम्मद रफी, कुंदन लाल सहगल, लता मंगेशकर और किशोर कुमार के गाए हिंदी गीतों ने पंजाबी, मराठी और बंगाली की पहचान भुलाकर इन्हें भारतीय भाषा हिंदी का गायक सिद्ध किया है। हिंदी साहित्य के संपूर्ण इतिहास में अनगिनत ऐसे लोगों का अवदान है, जो मूलतः हिंदी भाषी नहीं थे। भक्ति और चिंतन, प्रेम और संगीत, संपर्क और व्यवहार के बहुत सारे आयामों को हिंदी ने स्वीकार किया है। नए तकनीकी संसाधनों, विज्ञान की उपलब्धियों और अत्याधुनिक संचार माध्यमों ने एक बार फिर से हिंदी में छिपी भावनात्मक एकता को साकार किया है। हिंदी का द्वार सभी भाषाओं, सभी व्यवहारों और सभी अभिव्यक्तियों के लिए खुला है। केवल हिंदी में ही यह सामर्थ्य है कि वह इस देश की विभिन्न भाषाओं से छनकर आने वाली भारत की सामासिक संस्कृति को स्वस्थ स्वरूप दे सके।

केवल हिंदी में ही यह क्षमता है कि वह विभिन्न सांस्कृतिक परिवेशों को समेटकर ईकार के रूप में भारत के सामासिक मानचित्र को तैयार कर सके। उसका संकल्प समन्वय की विराट् चेष्टा है।

इस कारण युग के अनुरूप अभिव्यक्ति कौशल और परिवेश की आवश्यकताओं के साथ जुड़कर हिंदी ने निरंतर एकता और समन्वय की भावनाओं को प्रोत्साहित किया है। शताब्दियों से इस देश के लोग भावनात्मक एकता के जिस सूत्र में बँधे हुए हैं, उस सामासिक संस्कृति की अभिव्यक्ति माध्यम के रूप में हिंदी की क्षमता पर संदेह नहीं किया जा सकता है।

हिंदी ने भारत की विभिन्न भाषाओं में संचित ज्ञान राशि को एकीकृत कर विभिन्न संस्कृतियों के बीच समन्वय स्थापित कर राष्ट्रीय एकता का विलक्षण प्रयास किया है। हिंदी के पास वह राष्ट्र दृष्टि है, जिससे भारत की एकता के तंतु जुड़ते हैं।

हिंदी के बिना न तो भारत की सामासिक संस्कृति की पहचान हो सकती है और न इस विराट् वैविध्यपूर्ण देश में एकता के मंत्र का संचार हो सकता है। इसी विशिष्टता के कारण आज हिंदी भारतभर में फैले महामानव समुद्र के स्नेह का पात्र बनी हुई है।

मोटापे की बढ़ती समस्या को लेकर डब्ल्यूएचओ चिंतित

लाइफस्टाइल में गड़बड़ी के कारण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ता जा रहा है। सेंडेंटरी लाइफस्टाइल ने लोगों में मोटापे के जोखिम को बढ़ा दिया है, जिसे हृदय रोगों से लेकर मेटाबॉलिज्म, डायबिटीज और कई अन्य विकारों का कारण माना जा रहा है। वैश्विक स्तर पर माना जा रहा है कि लगभग 13 फीसदी युवा मोटापे के शिकार हैं। कुछ अध्ययनकर्ताओं ने चिंता भी जताई है कि आने वाले वर्षों में मोटापे के कारण होने वाली बीमारियों की 'महामारी' आ सकती है। अब विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) भी इस वैश्विक खतरे को लेकर चिंतित दिख रहा है।

पहली बार, डब्ल्यूएचओ वजन घटाने वाली दवाओं को 'आवश्यक दवाओं' की सूची में शामिल कर सकता है। डब्ल्यूएचओ हर दो साल में आवश्यक दवाओं की सूची को संशोधित करता है और अगली सूची सितंबर में जारी की जानी है। विशेषज्ञों ने मोटापे के लिए दवाओं को इसमें शामिल करने की सिफारिश की है।

मोटापे के लिए दवाओं की सिफारिश

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के डॉक्टरों और शोधकर्ता ने डब्ल्यूएचओ समिति को एक सिफारिश भेजी है जिसमें पूछा गया कि क्या इसके लिए दवाओं को एसेंशियल मेडिसिन सूची में शामिल किए जाने पर विचार किया जा सकता है। हालांकि अभी तक मोटापा के उपचार के लिए दवाओं के उपयोग करने के अनुरोध पर समिति की तरफ से कोई जवाब नहीं आया है। डब्ल्यूएचओ में पोषण विभाग के निदेशक डॉ फ्रांसेस्को ब्रांका कहत हैं, हम मान कर चल रहे हैं कि यह एक कार्य प्रगति पर है और इसपर कोई फैसला लिया जा सकता है।

बच्चों और किशोरों में बढ़ता जोखिम

डॉ ब्रांका कहते हैं, डब्ल्यूएचओ बच्चों और किशोरों में बढ़ते वजन की समस्या को लेकर चिंतित है, इसे दीर्घकालिक तौर पर गंभीर स्वास्थ्य जोखिम के तौर पर देखा जा रहा है। मोटापा कम करने के लिए कुछ दवाओं को जेनेरिक दवा के रूप में बेचा जा सकता है। वहीं फ़ूड एण्ड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने 12 वर्ष और उससे अधिक आयु वाले मोटापे से ग्रस्त लोगों के लिए सक्सेंडा नामक दवा को पहले से ही अनुमति दी है। एफडीए का कहना है कि मोटापे के लिए किसी भी दवा के उपयोग के साथ

डाइट में कैलोरी को कंट्रोल करना और नियमित व्यायाम जरूरी है।

मोटापे की स्थिति सेहत के लिए गंभीर

तमाम अध्ययनों में स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते रहे हैं कि मोटापा शारीरिक-मानसिक दोनों तरह की सेहत के लिए काफी नुकसानदायक है। तेजी से बढ़ते हृदय रोगों के साथ डायबिटीज और अन्य स्वास्थ्य जोखिमों के लिए अधिक वजन की स्थिति को कारक माना जा रहा है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक इसे कई गंभीर रोगों का बढ़ाने वाला कारक माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आहार और लाइफस्टाइल को ठीक करके इस गंभीर समस्या के जोखिम से बचा जा सकता है।

क्रूड के घरेलू उत्पादन पर अप्रत्याशित लाभ कर खत्म

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। सरकार ने देश में उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर को 3,500 रुपये प्रति टन से घटाकर शून्य कर दिया है। तीन अप्रैल को जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, डीजल निर्यात पर शुल्क आधा कर 50 पैसे प्रति लीटर किया गया है।

विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर भी अब कोई कर नहीं लगेगा। कर की नई दरें 4 अप्रैल से लागू हो गई हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड में नरमी को देखते हुए शुल्क में कटौती की गई है।

10 ग्राम सोना पहली बार 61 हजार पर

चांदी भी 74 हजार के पार निकली

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। गोल्ड ने बुधवार, यानी 5 अप्रैल को नया रिकॉर्ड बनाया। 10 ग्राम सोना के दाम बढ़कर 61 हजार रुपए तक पहुंच गए। यह अब तक का ऑलटाइम हाई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की वेबसाइट के मुताबिक, आज सर्राफा बाजार में सोना 1,262 रुपए महंगा होकर 60,977 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले 31 मार्च को सोने ने अपना ऑलटाइम हाई बनाया था, तब ये 59,751 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया था।

इसके अलावा, चांदी भी 74 हजार के पार निकल गई है। आईबीजेए के मुताबिक, आज सर्राफा बाजार में चांदी 2,822 रुपए महंगी होकर 74,522 रुपए पर पहुंच गई है। ये इसका 31 महीने का हाई लेवल है।

65 हजार तक जा सकता है सोना

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के मुताबिक, सोने में 2020 से शुरू सुपर साइकिल अब भी जारी है। इस साल सोना 62,000 तक पहुंचने का अनुमान था, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में ये 64,000 तक पहुंच सकता है। आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के कारण सोने को सपोर्ट मिल रहा है। इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 65 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

सोने में सीमित निवेश फायदेमंद

आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी एंड करेंसी) अनुज गुप्ता कहते हैं कि भले ही आपको सोने में निवेश करना पसंद हो तब भी आपको इसमें सीमित निवेश ही करना चाहिए। एक्सपर्ट के अनुसार कुल पोर्टफोलियो का सिर्फ 10 से 15% ही सोने में निवेश करना चाहिए। किसी संकट के दौर में सोने में निवेश आपके पोर्टफोलियो को स्थिरता दे सकता है, लेकिन लंबी अवधि में यह आपके पोर्टफोलियो के रिटर्न को कम कर सकता है। सोने में कम से कम 3 से 5 साल के लिए निवेश करना सही रहेगा।

सेंसेक्स 582 अंकों की बढ़त के साथ 59,689 पर बंद

मुंबई, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। आज यानी बुधवार (5 अप्रैल) को शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली है। सेंसेक्स 582 अंकों की बढ़त के साथ 59,689 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 159 अंकों की बढ़त रही। यह 17,557 के स्तर पर पहुंचा। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 शेयरों में तेजी और 10 में गिरावट देखने को मिली।

अडाणी ग्रुप के 10 में से 7 शेयरों में गिरावट देखने को मिल रही है। अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर में 0.93%% की गिरावट देखने को मिली है। वहीं अडाणी विल्मर, पोर्ट्स और अंबुजा सीमेंट में तेजी रही। 2023 में मार्च पहला महीना रहा, जब विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) ने भारतीय शेयर बाजार में खरीदारी की। बीते माह इन्होंने भारतीय बाजार में 7,936 करोड़ रुपए लगाए। इससे पहले इन्होंने फरवरी में 5,294 करोड़ और जनवरी में 28,852 करोड़ निकाले थे।

अनिल अंबानी को बंबई एचसी से बड़ी राहत

कालाधन अधिनियम के तहत कारण बताओ नोटिस पर अस्थायी रोक जारी

मुंबई, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। बंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को आयकर विभाग द्वारा काला धन कानून के तहत उद्योगपति अनिल अंबानी को जारी कारण बताओ नोटिस और जुर्माने की मांग पर अंतरिम रोक लगा दी। जस्टिस गौतम पटेल और नीला गोखले की खंडपीठ ने नोटिस और जुर्माने की मांग को चुनौती देने वाली अंबानी की याचिका पर सुनवाई के लिए 28 अप्रैल की तारीख तय की है। वहीं आयकर विभाग को अपना जवाब दाखिल करने का समय दिया।

साल 2022 में लगाई थी रोक

गौरतलब है, उच्च न्यायालय ने सितंबर 2022 में कारण बताओ नोटिस के लंबित सुनवाई पर अंतरिम रोक लगा दी थी। इस साल मार्च में अंबानी के वकील रफीक दादा ने अदालत को बताया कि इसके बाद भी विभाग ने जुर्माने की मांग का नोटिस जारी कर दिया। सुनवाई के बाद अदालत ने इस नोटिस पर भी अंतरिम रोक लगा दी।

विभाग 21 तक कराएगा हलफनामा दायर

वहीं आयकर विभाग के अधिवक्ता अखिलेश्वर शर्मा ने संशोधित याचिका के जवाब में हलफनामा दायर करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा। अदालत ने 21 अप्रैल तक हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया। पीठ ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि पहले पारित किए गए अंतरिम आदेश कारण बताओ नोटिस और जुर्माने की मांग पर रोक अगले आदेश तक जारी रहेंगे।

10 साल की सजा

विभाग के नोटिस के अनुसार, अंबानी पर काला धन (अघोषित विदेशी आय और संपत्ति) कर अधिनियम 2015 की धारा 50 और 51 के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है, जिसमें जुर्माना के साथ अधिकतम 10 साल कारावास की सजा का प्रावधान है।

अंबानी ने इस महीने की शुरुआत में नोटिस को चुनौती देते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें दावा किया गया था कि काला धन अधिनियम 2015 में लागू किया गया था और कथित लेनदेन मूल्यांकन वर्ष 2006-2007 और 2010-2011 के हैं।

यह है मामला

आयकर विभाग ने काला धन कानून के तहत कथित रूप से 420 करोड़ रुपये की कर चोरी को लेकर रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी के खिलाफ मामला चलाने के लिए नोटिस जारी किया है।

यह कर स्विट्जरलैंड के दो बैंक खातों में रखे गए 814 करोड़ रुपये से अधिक के बेहिसाबी धन से जुड़ा है। विभाग ने 63 वर्षीय अंबानी पर जानबूझकर कर नहीं चुकाने का आरोप लगाया है। उसने कहा कि उद्योगपति ने जानबूझकर विदेश में बैंक खातों और वित्तीय हितों का ब्योरा कर अधिकारियों को नहीं दिया।

जॉनसन एंड जॉनसन का 890 करोड़ डॉलर का ऑफर

खुद के खिलाफ हुए केस को खत्म करवाना चाहती है कंपनी, लगा है बड़ा आरोप

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका की बड़ी दवा कंपनियों में से एक जॉनसन एंड जॉनसन ने सालों पुराने उन मुकदमों को खत्म करने के लिए मंगलवार को 890 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 73,086 करोड़ रुपये) का ऑफर दिया है, जिसमें ये दावा किया गया था कि इस कंपनी के टैल्कम पाउडर से कैंसर हो जाता है।

न्यूजर्सी स्थित कंपनी के अनुसार, यह प्रस्तावित समझौता है, जिसपर अदालत से अनुमोदन लेना होगा। कंपनी का कहना है कि कॉस्मेटिक टैल्क मुकदमेबाजी के चलते पैदा हुए सभी दावों का समान रूप से प्रभावी तरीके से निपटारा कर देगा। यदि इस समझौते को अदालत और ज्यादातर वादियों (केस करने वाले) द्वारा अनुमोदित कर दिया जाता है, तो 890 करोड़ अमेरिकी डॉलर का यह भुगतान समूचे अमेरिका में अब तक के सबसे बड़े निपटारों में से एक बन जाएगा। इस स्तर के समझौते अब तक सिर्फ तंबाकू कंपनियां और हाल ही में opioid उत्पादक ही करते आए हैं।

क्या लगे हैं आरोप, अब तक क्या-क्या हुआ?

दरअसल, जॉनसन एंड जॉनसन के खिलाफ हजारों मुकदमे चल रहे हैं। आरोप है कि उसके टैल्कम पाउडर में ओवेरियन कैंसर पैदा करने वाले एस्बेस्टस के अंश होते हैं। कंपनी ने कभी कोई गलत काम करना कबूल नहीं किया, लेकिन मई, 2020 में उसने अमेरिका और कनाडा में अपना टैल्क-आधारित बेबी पाउडर बेचना बंद कर दिया था।

जॉनसन एंड जॉनसन में मुकदमेबाजी से जुड़े विभाग के उपाध्यक्ष एरिक हास ने एक बयान में कहा, 'कंपनी का मानना है कि ये दावे फर्ज़ी हैं और इनमें वैज्ञानिक तथ्यों का अभाव है।' जॉनसन एंड जॉनसन के मुताबिक, वह अपनी सहायक कंपनी एलटीएल मैनेजमेंट एलएलसी के जरिए अगले 25 सालों में हजारों दावेदारों को 890 करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने को तैयार है। एलटीएल मैनेजमेंट एलएलसी को इन दावों का निपटारा करने के लिए ही स्थापित किया गया था और उसने दिवालियापन से संरक्षण के लिए अर्जी भी दी थी।

पहले भी दे चुकी है ऑफर

एलटीएल मैनेजमेंट एलएलसी से जुड़े पिछले समझौते के प्रस्ताव को अपीलीय अदालत ने खारिज कर दिया था। तब जॉनसन एंड जॉनसन ने 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर के समझौते का प्रस्ताव दिया था।

कंपनी का कहना है कि नया प्रस्तावित समझौता 'किसी गलत काम का कबूलनामा नहीं है और कंपनी का अब भी दावा है कि उसके टैल्कम पाउडर उत्पाद सुरक्षित हैं।' जॉनसन एंड जॉनसन ने कहा, फिर भी, इस मामले को जितनी जल्दी हो सके और प्रभावी ढंग से हल करना कंपनी और सभी हितधारकों के सर्वोत्तम हित में है।

अमूल ने छोड़ा तो मुकेश अंबानी ने लपका

अब ग्रोसरी बिजनस चलाएंगे आरएस सोढ़ी

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) की रिलायंस रिटेल वेंचर्स (आरआरवीएल) ने डेयरी उद्योग के दिग्गज और गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) के पूर्व एमडी आर एस सोढ़ी (आरएस सोधी) को जोड़ा है।

गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ), जो भारत का सबसे बड़ा डेयरी ब्रांड अमूल बनाता है। इसके प्रबंध निदेशक आरएस सोढ़ी (आरएस सोधी) ने फेडरेशन में शामिल होने के चार दशक बाद बीते दिनों अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। सोढ़ी ने 1982 में जीसीएमएमएफ के साथ अपना सफर शुरू किया था। हालांकि सोढ़ी और रिलायंस ने इस बारे में अभी कोई टिप्पणी नहीं की है। लेकिन सूत्रों ने बताया कि सोढ़ी (आरएस सोधी) ईशा अंबानी के रिटेल बिजनेस को अपने ग्रोसरी वर्टिकल के विकास में मदद कर सकते हैं।

खासकर फलों और सब्जियों के क्षेत्र में फर्म को उपभोक्ता ब्रांडों में अपनी उपस्थिति को मजबूत कर सकते हैं। आरआरवीएल की फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) शाखा रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (आरसीपीएल) हाल ही में आक्रामक रूप से सेगमेंट में अपनी उपस्थिति बना रही है। कंपनी कई प्रोडक्ट को लॉन्च कर रही है।

इसमें प्रतिष्ठित ब्रांड कैंपा के तहत पेय पदार्थों से लेकर होम और पर्सनल केयर के प्रोडक्ट भी शामिल हैं। सोढ़ी रिलायंस में शामिल होने वाले उद्योग जगत के पहले दिग्गज नहीं हैं। समूह ने इससे पहले कोका-कोला इंडिया के पूर्व अध्यक्ष टी कृष्णकुमार को भी अपने साथ जोड़ा है। सूत्रों के मुताबिक, डेयरी क्षेत्र में सोढ़ी के अनुभव को देखते हुए, डेयरी और वैल्यू एडड डेयरी सेगमेंट में प्रोडक्ट्स को लॉन्च करने के लिए उनका फायदा लिया जा सकता है। बता दें कि जनवरी में जीसीएमएमएफ में करीब 41 साल बिताने के बाद सोढ़ी ने इस्तीफा दे दिया था। यह कदम रिलायंस की अपने एफएमसीजी के विस्तार और उसे मजबूत करने की दिशा में है। रिलायंस इससे अमूल और मदर डेयरी के खिलाफ कांप्टीशन करने के लिए एक मंच तैयार कर सकता है।

स्टैंडअप इंडिया स्कीम के तहत सात साल में 40,700 करोड़ रुपए से ज्यादा स्वीकृत

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने स्टैंडअप इंडिया स्कीम के तहत पिछले सात साल में 1,80,630 लोगों को 40,700 करोड़ रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की है। योजना के सात साल पूरे होने के मौके पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा, अनुसूचित जाति, जनजाति और महिलाओं में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने की दिशा में स्टैंडअप इंडिया स्कीम महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर उद्यमशीलता को बढ़ावा देकर आर्थिक सशक्तीकरण और रोजगार सृजन करना था। अपना कारोबार शुरू करने और विनिर्माण, सेवा तथा व्यापार क्षेत्र और कृषि से जुड़े उद्यम लगाने में अनुसूचित जाति, जनजाति और महिला उद्यमियों के समक्ष आने वाली चुनौतियों के समाधान के लिए यह योजना शुरू की गई थी। वित्त मंत्री ने कहा, इस योजना ने एक परिवेश तैयार किया जो बैंकों से ऋण लेकर नए उद्यम लगाने की सुविधा देता है।

शुगर मिल भ्रष्टाचार मामले में ईडी के सामने पेश हुए कांग्रेस विधायक

मुंबई, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। शुगर मिल भ्रष्टाचार मामले में ईडी कांग्रेस विधायक पांडुरंग पाटिल से पूछताछ कर रही है। पांडुरंग पाटिल बुधवार को ईडी के सामने पेश हुए। कोल्हापुर से कांग्रेस विधायक पांडुरंग पाटिल को फरवरी में ईडी ने समन जारी कर पेश होने का निर्देश दिया था। हालांकि कांग्रेस विधायक उस वक्त पेश नहीं हुए थे। ईडी ने बताया है कि महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता हसन मुशरिफ को भी ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया है। साल 2022 में भाजपा नेता किरीट सोमैया ने ईडी में एनसीपी नेता हसन मुशरिफ के खिलाफ शिकायत की थी। अपनी शिकायत में किरीट सोमैया ने आरोप लगाया था कि मुशरिफ ने कोल्हापुर की अप्पासाहेब नालावडे शुगर मिल में 100 करोड़ रुपए का भ्रष्टाचार किया है।

देश में खूब पसंद की जा रही ये विदेशी सब्जी, खेती करने वाले किसानों को बढ़िया मुनाफा

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के किसानों के बीच विदेशी सब्जियों और फलों की खेती का चलन काफी तेजी से बढ़ा है. इन फसलों में मुनाफे की संभावानाएं अधिक होने के चलते सरकार भी किसानों को प्रोत्साहित कर रही है. इसी कड़ी में गोभी जैसी दिखने वाली ब्रोकली की खेती करके किसान बढ़िया मुनाफा कमा रहे हैं. बाजार में जहां गोभी 10 से 20 रुपये किलो में बिक रही है, वहीं, 1 किलो ब्रोकली 50 रुपये तक बिक रही है.

फूलगोभी की ही तरह होती है ब्रोकली की खेती

ब्रोकली की खेती भी फूलगोभी की ही तरह की जाती है. मिट्टी और जलवायु भी वैसी ही चाहिए जैसी फूलगोभी की होती है. . ब्रोकली की अगेती किस्में रोपाई के बाद 60 से 65 दिनों में तैयार हो जाती हैं. वहीं, इसकी अवधि की किस्में रोपाई के 75-90 दिनों में तैयार हो जाती हैं. इसके अलावा ब्रोकली की पछेती किस्में

रोपाई के बाद 100-120 दिनों में तैयार हो जाती हैं. ब्रोकली की सबसे ज्यादा खेती चीन, अमेरिका और स्पेन जैसे देशों में होती है. हालांकि, भारत के किसान भी ब्रोकली की डी सिक्को, केलेब्रस, ग्रीन बड और संकर किस्मों में ग्रीन मैजिक, जिप्सी,अर्काडिया, बालथम 29, ग्रीन स्प्राउटिंग मीडिया और संकर किस्मों में डेस्टिनी, मैराथन और एमेराल्ड, पूसा ब्रोकली-1, केटीएस-1, पालम विचित्र, पालम समृद्धि और संकर किस्मों में लेट क्रोना, ग्रीन सर्फ जैसी किस्में अपने खेतों में लगा रहे हैं. बता दें कि मैग्नीशियम, फास्फोरस, जिंक और कैल्शियम की अच्छी मात्रा पाई जाती है, जो शरीर की हड्डियों को भी मजबूत करती है. इसलिए डॉक्टर भी इस सब्जी के सेवन की सलाह देते हैं. ब्रोकली के पौधे 20 से 25 डिग्री के तापमान पर अच्छे से विकास करते है. इसकी खेती रोपाई और बीज और पौध दोनों ही रूप में की जाती है. इसके लिए बीजो को नर्सरी में तैयार कर लिया जाता है. यदि आप चाहे तो तैयार पौधों को किसी रजिस्टर्ड नर्सरी से भी खरीद सकते हैं. इससे आपका समय बचेगा और पैदावार भी जल्द प्राप्त होगी. ये पौधे स्वस्थ और 1 महीने पुराने होने चाहिए. इन पौधों की रोपाई समतल और मेड़ दोनों जगहों पर कर सकते हैं.

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन	में	मीन...	05-02 बजे
चंद्र-	कन्या	में	मेष--	06-36"बजे
मंगल	मिथुन	में	वृष--	08-21 बजे
बुध-	मेष	पें	मिथुन..	10-23 बजे
गुरु-	मीन	में	कर्क...	12-33 बजे
शुक्र-	मेष	में	सिंह...	14-46 बजे
शनि-	कुंभ	में	कन्या..	16-53 बजे
राहु-	मेष	में	तुला	18-58 बजे
केतु-	तुला	में	वृश्चिक.	21-07 बजे
			धनु.....	23-21 बजे
			मकर..	01-28 बजे
			कुंभ...	03-18 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- पूर्णिमा - **10 -04** तक उपरान्त प्रतिपदा
मास - चैत्र शुक्ल पक्ष , गुरूवार **April 06**
नक्षत्र - हस्त - **12 -41** - तक उपरान्त चित्रा
योग - व्याघात - **02 - 30** - तक उप - हर्षण
करण- बव - **10 - 04** - तक उप- बालव
विशेष:- श्री हनुमान जयंती,पूर्णिमा पुण्य
व्रत -त्योहार - वैशाख स्नान प्रारम्भ

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:51 से 15:24 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	06:06 - 07:41 शुभ	अमृत	18:27 - 19:56 शुभ
रोग	07:41 - 09:14 अशुभ	चंचल	19:56 - 21:24 शुभ
उत्पात	09:14 - 10:46 अशुभ	रोग	21:24 - 22:51 अशुभ
चंचल	10:46 - 12:19 शुभ	काल	22:51 - 00:18 अशुभ
लाभ	12:19 - 13:51 शुभ	लाभ	00:18 - 01:46 शुभ
अमृत	13:51 - 15:24 शुभ	उत्पात	01:46 - 03:13 अशुभ
काल	15:24 - 16:56 अशुभ	शुभ	03:13 - 04:40 शुभ
शुभ	16:56 - 18:27 शुभ	अमृत	04:40 - 06:06 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज ग्रहों की दशा आपको शांत तरीके से अपने बारे में सोचने का मौका देगी आपने पिछले समय में कई मौकों पर काफी कठोर ढंग से अपनी प्रतिक्रिया दी है लेकिन अब आप मानसिक रूप से काफी शांत स्थिति में हैं सुलह करने और सम्बन्ध सुधरने के लिए बहुत अच्छा समय हैख़ुशी पाने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि खुद को भी और दूसरों को भी एक दूसरा मौका जरुर दें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आज आप व्यावहारिकता की अपेक्षा रखने वाले कई मुद्दों में भावनात्मक व्यवहार करेंगे स्पष्ट सोच रखते हुए यह समझने की कोशिश करें की आपकी इच्छाएं क्या हैं और आपके लिए अच्छा क्या है आपके भीतर कुछ ऐसी भावनाए पैदा हो सकती हैं जो आपको कुछ सीमायें लांघने के लिए उकसा सकती हैं ऐसी कोई भी फैसला लेने से पहले सब को सूचित कर दें

मिथुन का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,

आपको आज बहुत सारी चीजों से जुड़े अपने वादों को निभाना है अपनी सामजिक,वित्तीय तथा निजी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तैयार रहें आपके परिजनों ,दोस्तों और सहकर्मियों ,सभी को आपसे मदद की अपेक्षा रहेगी और आप इस दबाव को सह पाने में बिलकुल समर्थ हैं आज अपने शब्दों और कामों,दोनों ही तरीको से लोगों की मदद करेंगे

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आपको दूसरों पर विश्वास करना होगा यह आपका कोई करीबी या कोई दोस्त हो सकता है और व आपकी किसी ऐसे विशेष काम में मदद करेगा जिससे आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा, लेकिन इसके लिए सबसे जरुरी यह होगा की आप उस व्यक्ति में विश्वास बनाये रखें आपको अपनी ही तरफ से विश्वास की पहल करनी होगी

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आप आज आसानी से सब काम करके जीवन के स्कोप को बड़ा कर सकते हैं अपनी एकाग्रता बनाएं रखें और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगा दें,ऐसा कुछ भी किसी को न कह बैठें,जो आपको भावनात्मक उलझन में फंसा दें बिजनेस का विस्तार हो सकता है या पहले से खुले आउटलेट्स को नया रूप दे सकते हैं

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,

आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आप बहुत अच्छे निर्णायक हैं और सब चीजों का आसानी से विश्लेषण कर लेते हैं आज आपको अपनी इस विशेषता के लिए खूब तारीफ मिलेगी लोग अच्छी तरह काम करने के लिए आपकी और देखेंगे और आपसे सीखेंगे आपको किसी खतरनाक जगह पर यात्रा करने की जरूरत सम्बन्धी सूचना मिलेगी घबराएं नही,यह यात्रा छोटी सी होगी

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,

भाग्य आपकी वित्तीय स्थिति पर मुस्कुरा रहा है और अधिक कमाई के कारण आप के खर्चे भी बढ़ गए हैंअब समय आ गया है की आप अपने खर्च पर नियंत्रण रखें अब फिजूलखर्ची से बचना होगा आपके परिजन या किसी करीबी के साथ ऐसा कुछ होगा कि आपके भीतर भी उससे अशांति आएगी

धनु ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे

आपको आगे बढने से बहुत से अवसर मिलेंगे लेकिन उन सबको हासिल करने की जल्दी में ना रहें अपने सभी विकल्पों को ध्यान से सोच समझकर ही आगे बढ़ें अपने दोस्तों के साथ भी बाँटें यह ऐसा समय होगा जब आपको कई प्रयास करने होंगें सब कुछ भाग्य पर ना छोड़ें आपके कार्य ही आपके भाग्य का निर्माण करेंगे

मकर मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी

यह गतिविधियों और उपलब्धियों को याद करने या समर्थन करने का अछा समय है और ये आपकी उपलब्धियों को मजबूती देगा की आप रास्ते पर प्रथम है । ये समय नयी शुरुआत करने के लिए अच्छा है चाहे वह नई परियोजना या एक नई नौकरी को लेकर हो । इस ऊर्जा को जब तक बनाए रखने की कोशिश करें , जब तक आप अपनी मंजिल पर नहीं पहुंच जाते ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,

आप अपने आस पास बदलाव लाने के लिए उत्साह से भरे हैं लेकिन आपके लिए शांति से बैठकर यह सोचना अच्छा रहेगा कि क्या बदलाव की कोई जरुरत भी है ? अब जबकि आप अपनी परियोजनाओं को आगे बढाने की तैयारी कर रहे हैं,बेहतर होगा कि आप ये परियोजनाएं अपने लिए किसी और को चुनने दें आप आज दृढ निश्चय से भरे रहेंगे

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होंगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी इससे परेशान न हों,आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

फंडिंग फेस्टीवल के नाम पर स्टार्टअप स्कैम

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। नासिक के रहने वाले आदित्य इंस्टाग्राम स्क्रॉल कर रहे थे। वहां उन्हें एमबीए चायवाला के फाउंडर प्रफुल्ल बिल्लौरे का एक वीडियो दिखा। जिसमें वो वर्ल्ड स्टार्टअप कन्वेंशन के बारे में बता रहे थे। आदित्य ने बताई गई वेबसाइट पर लॉग-इन किया तो लिखा था 'विश्व का सबसे बड़ा फंडिंग फेस्टिवल।' यहां पर चीफ गेस्ट के तौर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और कुछ अन्य नेताओं की फोटो थी। इस फेस्टिवल में 50 से ज्यादा देशों के 1,500 से ज्यादा इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर, 9,000 से ज्यादा एंजल इन्वेस्टर्स और 75,000 से ज्यादा स्टार्टअप्स के शामिल होने का दावा किया गया था। इसके लिए कहीं दूर भी नहीं जाना था। ये सब होने वाला था नोएडा में। आदित्य की आंखें चमक गईं। यहां उसके स्टार्टअप को भी फंडिंग मिल सकती है। बड़े-बड़े नेताओं की फोटो, इंफ्लुएंसर्स के वीडियो, स्मूद वेबसाइट देखकर आदित्य के मन में किसी भी तरह के शक की गुंजाइश नहीं बची। उसने 8 हजार रुपए एडमिशन फीस देकर एंट्री पास बुक कर लिया।

आदित्य को पहला खटका तब लगा जब इवेंट जनवरी से पोस्टपोन करके मार्च में कर दिया गया। वेन्यू भी गोल्फ कोर्स से बदलकर एक्सपो सेंटर कर दिया गया। ये संदेह जल्द ही दूर हो गया क्योंकि इवेंट के ऑर्गेनाइजर ने देश के बड़े मिनिस्टर के साथ फोटो पोस्ट की थी। एक बड़े अखबार में आर्टिकल भी आया था (ये एक इम्पैक्ट फीचर यानी पैसे देकर छापा गया एडवर्टोरियल था)। आदित्य ने कुछ हजार रुपए और खर्च करके फ्लाइट टिकट और होटल बुकिंग भी कर ली।

फाइनली वो दिन आ गया जब स्टार्टअप सम्मेलन की शुरुआत होनी थी। उत्साहित आदित्य अपनी पूरी तैयारी के साथ एक्सपो सेंटर पहुंचता है। वहां किसी ने उसका एंट्री पास नहीं देखा। अंदर हॉल भी अव्यवस्थित और करीब-करीब खाली था। वहां न एलन मस्क थे, न नितिन गडकरी, न कोई बड़ी वेंचर कैपिटल कंपनी। पीने के लिए पानी तक नहीं था। दिन गुजरते-गुजरते पुलिस भी पहुंच गई। आदित्य को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखा हुआ है, लेकिन ऐसा महसूस करने वाला वो वहां अकेला नहीं था।

कहानी की शुरुआत

24 जून 2022 की बात है। ल्यूक तलवार और अर्जुन चौधरी ने कोफंडर नाम की एक कंपनी बनाई। अक्टूबर 2022 में क्यूओ फनडर सबसे बड़े स्टार्टअप इवेंट का ऐलान करती है। इसका नाम रखा गया वर्ल्ड स्टार्टअप कन्वेंशन। नवंबर 2022 से इसका प्रमोशन किया जाने लगा। शुरुआती प्रमोशन में दिखाया गया कि इस आयोजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आने वाले हैं। साथ ही कई ऐसे इन्वेस्टर्स आने वाले हैं जिनके एसेट अंडर मैनेजमेंट 50

लाख करोड़ रुपए तक के हैं।

इनमें बड़ी बिजनेस हस्तियों के नाम थे। जैसे- एलन मस्क, गौतम अडाणी, सुंदर पिचाई, दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान और सॉफ्टबैंक ग्रुप के संस्थापक मासायोशी सोन। एक ऐसा समय जब देश के छोटे से लेकर बड़े स्टार्टअप फंडिंग के लिए तरस रहे हैं। स्टार्टअप डील्स अपने 9 साल के निचले स्तर पर है। वीसी सर्कल के मुताबिक, इस साल फरवरी में जहां हर 10 घंटे में एक स्टार्टअप को फंडिंग मिल रही है। वहीं पिछले साल हर 3 घंटे में मिल रही थी।

ऐसे में जब कोई ये कहता है कि हम सबसे बड़ा स्टार्टअप फंडिंग फेस्टिवल आयोजित करने जा रहे हैं। जहां पर 1500 से ज्यादा इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स, 9 हजार एंजेल इन्वेस्टर्स आने वाले हैं जो आपके स्टार्टअप को फंडिंग देंगे। साथ ही यहां पर जो 75 हजार स्टार्टअप आएंगे उनके साथ आपको नेटवर्किंग का भी मौका मिलेगा। ऐसे में भला कौन होगा जो ऐसे मौके को मिस करना चाहेगा। हालांकि, कुछ दिनों बाद आयोजकों ने प्रधानमंत्री मोदी के आयोजन में आने वाली बात को हटा दिया। साथ ही स्पीकर के नामों को भी चेंज कर दिया। अब यहां पर मेन स्पीकर में एलन मस्क का नाम आ जाता है। इस आयोजन को फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम पर खूब प्रचारित किया गया।

कहानी में ट्विस्ट

वर्ल्ड स्टार्टअप कन्वेंशन का आयोजन पहले 12 जनवरी 2023 को होना था, लेकिन ऐन मौके पर यह पोस्टपोन हो गया। इसके बाद इसे 24 मार्च 2023 को कराए जाने की घोषणा हुई। इस दौरान एक और बदलाव

देखने को मिला।

हजारों टिकटें बिक जाने के बाद एक बार फिर से स्पीकर लिस्ट में बदलाव कर दिया गया। अब एलन मस्क की जगह मुख्य स्पीकर के रूप में केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का नाम था। साथ ही अन्य स्पीकर में उत्तराखंड के उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया और यूपी डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का नाम था।

इस इवेंट की क्रेडिबिलिटी बढ़ाने के लिए ल्यूक तलवार और अर्जुन चौधरी एक और चाल चलते हैं। दोनों ट्विटर और इंस्टाग्राम पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ अपनी एक फोटो पोस्ट करते हैं। इसमें वे कहते हैं कि इस इवेंट की प्लानिंग के लिए हम नितिन गडकरी से मिले। उन्होंने हमारे इवेंट को सराहा और हमें सुझाव भी दिए। यानी एक ऐसा माहौल तैयार किया ताकि लोगों को लगे कि आयोजकों का बड़े-बड़े लोगों के साथ उठना-बैठना है। इससे लोगों के मन में इवेंट को लेकर अच्छी इमेज तैयार की गई। आयोजकों ने पहले तो इवेंट में बड़े-बड़े स्पीकर के आने का दिखावा कर हजारों के टिकट बेचे। इसके बाद कई सारे छोटे ब्रॉन्ड्स से लाखों रुपए लिए और कहा कि यहां पर 75 हजार स्टार्टअप हैं। यानी अपने प्रोडक्ट को आप यहां पर शोकेस कर सकते हैं। साथ ही इन्होंने फेक स्पॉन्सर की भी लिस्ट बनाई। इसमें पेटीएम, अमेजन और ओयो जैसे बड़े नाम थे। जिन्हें देखकर कई और नाम भी इनकी तरफ अट्रैक्ट हुए। यानी अगर ये कंपनियां आ रही हैं तो हमें भी जाना चाहिए। यानी इवेंट की क्रेडिबिलिटी के लिए इन्होंने 3 बड़ी चीजें की।

हमें बड़ी-बड़ी कंपनियों ने स्पॉन्सर किया है। नितिन गडकरी के साथ अपनी फोटो भी दिखाई। आयोजकों ने कई बड़े सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के जरिए इस इवेंट को प्रमोट किया। जिन सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने इस इवेंट को प्रमोट किया उनके नाम हैं- अंकुर वरिकू, चेतन भगत, प्रफुल्ल बिलोरे और राज शमानी।

एमबीए चाय वाले प्रफुल्ल बिलोरे इस इवेंट को प्रमोट करते हुए यहां तक कहते हैं कि मैं खुद वर्ल्ड स्टार्टअप कन्वेंशन में आ रहा हूं। वहीं चेतन भगत इसे दुनिया का सबसे बड़ा फंडिंग फेस्टिवल बताते हैं। इस इवेंट की एंट्री फीस पहले 16 हजार रुपए थी, जिसे बाद में घटाकर 8 हजार रुपए कर दिया गया।

इन्वेस्टर्स के लिए पास की कीमत 25 हजार रुपए थी। दिसंबर 2022 में आयोजकों ने खुद दावा किया कि इवेंट में आने के लिए 1 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। इस दौरान ल्यूक तलवार ने इसे दुनिया का सबसे बड़ा फंडिंग फेस्टिवल बताया था। साथ ही इस दौरान 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश जुटाने का दावा किया था।

इवेंट इस साल 24, 25 और 26 मार्च को ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में होना था। 24 मार्च को जब सारे लोग एक्सपो मार्ट में पहुंचते हैं तो देखते हैं कि जिन लोगों की फोटो वेबसाइट पर लगाई गई थीं उनमें से कोई यहां पहुंचा ही नहीं है। जिन 1500 इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स की बात की गई थी वो भी आयोजन स्थल पर नहीं दिखते हैं। वहीं 9000 एंजेल इन्वेस्टर्स के आने की बात थी, लेकिन मौके पर सिर्फ 5 से 6 ही पाए गए। यहां तक कि आयोजकों ने लोगों के लिए पीने के पानी की भी व्यवस्था नहीं की थी। ऐसे में लोग हंगामा करने लगे। स्पॉन्सरशिप की आड़ में 50 लाख रुपए तक खर्च करने वाले स्टार्टअप नाराज हैं। संस्थापक अपनी आंखों में सपने लेकर खड़े हैं और सोच रहे हैं कि किससे बात की जाए। फिर आयोजन स्थल पर पुलिस आती है। कई लोगों ने पुलिस में इस फर्जीवाड़े की शिकायत की है।

इस इवेंट में आए बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग कंपनी बमब्यू के फाउंडर वैभव अनंत इन्क42 को बताते हैं कि उन्होंने इस इवेंट में आने के लिए करीब 50 लाख रुपए खर्च किए।

उन्होंने 10 लाख रुपए सिर्फ स्टॉल लगाने पर खर्च किया। 40 लाख रुपए मर्चेंटाइल डिजाइन पर खर्च हुआ। इस पूरे इवेंट के लिए वो यहां पर अपने साथ अपने 10 कर्मचारियों को भी ले आए थे। अनंत ने इवेंट के आयोजकों के खिलाफ लीगल एक्शन लेने की बात कही है। इतना बड़ा फर्जीवाड़ा होने के बावजूद यह वेबसाइट अभी मौजूद है। आप इवेंट के पास के लिए रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। यानी इसे अभी तक बंद नहीं किया गया है।

छत्तीसगढ़ में कोरोना के 48 नए मरीज मिले

प्रदेश में अब 190 एक्टिव केस, रायपुर में सबसे ज्यादा 55 संक्रमित, बिलासपुर में एक की मौत

रायपुर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। देशभर में कोरोना के मामले एक बार फिर से बढ़ने लगे है। इसका असर छत्तीसगढ़ में भी लगातार देखने को मिल रहा है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश में 48 नए केस मिले हैं। जिसके बाद एक्टिव मरीजों की संख्या 190 हो गई है। बिलासपुर में एक मरीज की मौत हो गई है। रायपुर में सबसे ज्यादा 55 एक्टिव केस हैं।

प्रदेश में 975 सैंपलों की जांच की गई, जिनमें 48 मरीजों की पुष्टि हुई है। कोरोना के बढ़ रहे आंकड़ों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। अप्रैल के पहले दिन से लगातार केस बढ़ रहे हैं।

अब जान लेते हैं कहां कितने मरीज मिले

मंगलवार यानि 4 अप्रैल को रायपुर में 9 और दुर्ग में18 नए केस मिले हैं। बिलासपुर और धमतरी से 8-8, बस्तर जिले में 1 मरीज मिले हैं। महासमुंद और कोंडागांव में 1-1 केस, राजनांदगांव से 2 मरीज मिले हैं। अब प्रदेश में पॉजिटिविटी दर 4.92 प्रतिशत हो गई है। जबकि 1 अप्रैल को यही दर 2.37 फीसदी थी।

धमतरी में 19 छात्राएं संक्रमित

धमतरी जिले के गर्ल्स हॉस्टल में 19 छात्राएं कोरोना संक्रमित मिली हैं। ये सभी छात्राएं शासकीय प्री मैट्रिक अनुसूचित जनजाति कन्या छात्रावास नगरी में रहती हैं। सर्दी-खांसी की शिकायत होने पर छात्राओं को जांच के लिए नगरी अस्पताल लाया गया था, जहां जांच के बाद उनमें कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है।

परेशानी की बात ये है कि इन छात्राओं के संपर्क में आई 30 छात्राएं घर लौट गई हैं।

रामगढ़ की पूर्व विधायक ममता देवी को मिली जमानत

ममता देवी के जेल से बाहर आने का रास्ता साफ, दोनों मामलों में मिली हाईकोर्ट से जमानत

रामगढ़, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। रामगढ़ की पूर्व विधायक ममता देवी जमानत पर जेल से रिहा हो रही है। जेल से बाहर आने का रास्ता साफ हो गया है। ममता देवी की अपील पर गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई है। सुनवाई के दौरान अदालत ने ममता देवी को जमानत दे दी है। हाईकोर्ट ने उन्हें गोला गोली कांड मामले में जमानत दी है। ध्यान रहे कि उन्हें एक और मामले में पहले ही जमानत मिल चुकी है।

जेल से बाहर होंगी पूर्व विधायक

इन दोनों मामलों में जमानत मिलने के बाद अब ममता देवी जेल से बाहर आ जायेंगी। इस मामले में दूसरे आरोपी राजीव जायसवाल को भी हाईकोर्ट ने बेल दी है। अदालत ने जुर्माना की राशि जमा करने की शर्त पर बेल दी है। ममता देवी की याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस नवनीत

कुमार की अदालत में सुनवाई हुई। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता भोला नाथ ओझा ने पक्ष रखा। वहीं ममता देवी की ओर से अधिवक्ता अनुराग कश्यप ने बहस की थी।

ममता देवी को कोर्ट ने दी है सजा

ममता देवी को रामगढ़ सिविल कोर्ट और हजारीबाग सिविल कोर्ट ने दो अलग-अलग मामलों में सजा दी है। में 13 दिसंबर 2022 को उन्हें 5 साल की सजा मिली थी। इस फैसले के बाद उनकी विधानसबा की सदस्यता खत्म हो गयी दूसरे मामले में 4 जनवरी 2023 को हजारीबाग की विशेष कोर्ट ने गोला गोलीकांड के मामले में ममता देवी और भाजपा नेता राजीव जायसवाल को 2-2 साल की सजा दी है। सजा मिलने के बाद ममता देवी ने हाईकोर्ट का रुख किया है।

कोर्ट ने किस- किस को माना दोषी

8 दिसंबर को ही विधायक ममता देवी समेत 13 लोगों को एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश कुमार पवन की अदालत ने दोषी करार दिया था। इसके बाद सभी को न्यायिक हिरासत में लेते हुए जेपी केंद्रीय कारा भेज दिया गया था और सजा के बिंदु पर 12 दिसंबर की तिथि निर्धारित की थी। इन लोगों में गोला गोलीकांड में दोषी करार ममता देवी, राजीव जायसवाल, कुंवर महतो, दिलदार अंसारी, जागेश्वर भगत, यदु महतो, मनोज पुजहर, कोलेश्वर महतो, लाल बहादुर महतो, बासुदेव प्रसाद, आदिल इनामी, अभिषेक कुमार सोनी और सुभाष महतो के खिलाफ सजा के बिंदु पर फैसला सुनाया जाएगा।

29 अगस्त 2016 को नागरिक चेतना मंच और आईपीएल प्लांट प्रबंधन के बीच पुनर्वास और नौकरी की मांग पर आंदोलनकारी ग्रामीण, प्रबंधन और प्रशासन के बीच गोला अंचल कार्यालय में वार्ता हो रही थी।

लेकिन राजीव जायसवाल, और तात्कालीन पार्षद ममता देवी के नेतृत्व में विस्थापित ग्रामीण फैक्टरी गेट तक पहुंचे और यहीं वार्ता की मांग करने लगे। यहां पर पहले से तैनात पुलिसबल ने सभी को वहां से जबरन हटा दिया। इससे नाराज विस्थापित सेनेगढ़ा नदी चले गए। वहां पर विस्थापितों ने फैक्टरी में पानी सप्लाई के लिए लगाई गई पाइपलाइन में तोड़फोड़ शुरू कर दी। इसी दौरान पुलिस भी वहां पर पहुंची। पुलिस को देखते ही तनाव की स्थिति बन गई। इसके बाद नदी के दोनों तरफ से ग्रामीणों ने पुलिस पर पत्थरबाजी शुरू कर दी।

पुलिस का कहना है कि विस्थापितों की ओर से गोलीबारी की गई। जबकि आंदोलनकारियों का कहना है कि पुलिस ने विस्थापितों पर गोली चला दी। फायरिंग में दशरथ नायक (50) और रामलखन महतो उर्फ फुतू महतो (40) की मौत हो गई। दोनों पक्षों से करीब 43 लोग घायल हुए थे। सुरक्षा में बतौर मजिस्ट्रेट तैनात सीओ, बीडीओ और थानेदार सहित अन्य जवानों को भी चोटें आयी थी।

दुर्ग जिला पंचायत अध्यक्ष का निधन

दुर्ग, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिला पंचायत की अध्यक्ष शालिनी यादव का बुधवार सुबह निधन हो गया। तबियत ज्यादा बिगड़ने की वजह से उन्हें रायपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। शालिनी यादव के निधन की खबर से उनके ग्राम बोरई में शोक की लहर है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने भी अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। दरअसल, शालिनी यादव को मंगलवार सुबह हार्ट अटैक आया था। इसके बाद उन्हें चंदूलाल चंद्राकर अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन शाम तक उनकी स्थिति बिगड़ने लगी। इस पर ग्रीन कॉरिडोर बनाकर शालिनी यादव को रायपुर के रामकृष्ण केयर अस्पताल में शिफ्ट किया गया था। हालांकि उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। बुधवार सुबह उनका निधन हो गया। उनके पार्थिव शरीर को गृहग्राम बोरई लाने की तैयारी की जा रही है।

मां ने ही की थी छह माह के मासूम बच्चे की हत्या!

सीसीटीवी फुटेज से हुआ खुलासा

दुर्ग, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में नवजात की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या के आरोप में मासूम की मां को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। दरअसल, 30 और 31 मार्च की दरम्यानी रात दुर्ग के एक नवजात के लापता होने के बाद उसका शव नगपुरा तालाब से बरामद किया गया था। दुर्ग पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू की। तो हैरान करने वाला मामला सामने आया। बच्चे की हत्या उसकी मां ने ही की। पुलिस ने कलयुगी मां को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। दुर्ग पुलिस ने घटना में सीसीटीवी फुटेज जारी किया है। इसमें साफतौर पर देखा जा सकता है कि देर रात एक महिला काली रंग की साड़ी में बच्चे को लेकर अकेली घूमती दिखाई दे रही है।

यह फुटेज दुर्ग के नगपुरा इलाके के एक मंदिर में लगे सीसीटीवी का है। इसके आधार पर पुलिस पुख्ता तौर पर इस बात को साबित करती दिखाई दे रही है कि जिस तालाब से छह माह के बच्चे के शव को बरामद किया था। उसकी हत्या कोई और नहीं बल्कि उसकी मां के द्वारा की गई है। दरअसल बच्चे के माता-पिता द्वारा ही पुलिस में शिकायत दर्ज की गई थी कि उनका छह माह का बच्चा घटना की रात बिस्तर से अचानक गायब हो गया था। दूसरे दिन बच्चे का शव तालाब से बरामद किया गया था।

इसके बाद जांच में यह बात निकलकर सामने आई कि बच्चे की मां मानसिक रोगी है। वह झाड़ फूंक, जादू टोने पर विश्वास करती थी। इसलिए घटना की रात वह काली साड़ी पहनकर निकली और अपने बच्चे को गांव के तालाब में जिंदा फेंक दिया था।

दुर्ग एसपी अभिषेक पल्लव ने दूसरे दिन इस बात की जानकारी दी थी कि प्रथम दृष्टया मां ने ही बच्चे की हत्या की है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हो चुका है कि बच्चे के पेट में मां का दूध मिला था। जो कि एक से दो घंटे पहले मां ने पिलाया था।

'बिहान' कार्यकर्ताओं की मानदेय पर हड़ताल

कबीरधाम में छह हजार महिलाएं सड़क पर उतरीं, कलेक्ट्रेट तक निकाली रैली

कबीरधाम, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम में बिहान योजना अंतर्गत कार्यरत महिलाओं ने हड़ताल कर ली है। मानदेय और नियमितीकरण सहित आठ सूत्रीय मांगों को लेकर महिलाएं बुधवार को सड़क पर उतर आईं और रैली निकालकर प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट में ज्ञापन देने पहुंची महिलाएं अभी पांच दिन की हड़ताल पर हैं। मांगे पूरी नहीं होने पर मई माह में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दी है। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान योजना अंतर्गत विभिन्न कैडर में काम कर रहीं महिलाएं एक अप्रैल से पांच अप्रैल तक राजीव पार्क में धरने पर बैठी थीं। ज्यादातर महिलाएं ग्रामीण अंचल में काम

करती हैं। महिलाओं ने बताया कि कम वेतन मिलने के कारण दिक्कत हो रहीं है। सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी में बिहान समूह की महिलाओं का बहुत बड़ा योगदान होता है।

कबीरधाम जिले में इस योजना अंतर्गत करीब छह हजार महिलाएं काम करती है। मांगों को लेकर कई बार ज्ञापन भी दिया गया। महिलाओं का कहना है कि फिर भी प्रशासन की ओर से कोई भी पहल नहीं की जा रही है। अब वे आंदोलन करने के लिए बाध्य हैं। राजीव पार्क में करीब 300 से अधिक महिलाएं उपस्थित थीं। फिलहाल महिलाएं रैली निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंची हुई हैं।

आइएएस पूजा सिंघल मामले की सुनवाई पूरी

रांची, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। आइएएस अधिकारी पूजा सिंघल के मनी लॉन्ड्रिंग मामले की सुनवाई पूरी हो गयी है। ईडी की स्पेशल कोर्ट में आज आरोप गठित किया जाना था। इसे लेकर आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल कोर्ट में हाजिर हुई। कोर्ट में उन्होंने गुहार लगायी कि गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में एक मामले की सुनवाई होनी है। इसके लिए थोड़ा समय दिया जाए। इस पर कोर्ट ने अनुरोध को स्वीकार करते हुए आरोप गठित करने को लेकर अगली सुनवाई 10 अप्रैल को निर्धारित की है।

डिस्चार्ज याचिका कोर्ट ने की थी खारिज

सोमवार को पूजा सिंघल के

डिस्चार्ज पीटिशन पर ईडी की स्पेशल कोर्ट में सुनवाई हुई थी। जहां आइएएस पूजा सिंघल को बड़ा झटका लगा। कोर्ट ने ईडी की विशेष अदालत में जस्टिस पीके शर्मा ने पूजा सिंघल के डिस्चार्ज पिटीशन को खारिज कर दिया है। डिस्टार्ज पिटीशन को लेकर 25 मार्च को सुनवाई हुई थी। प्रार्थी पूजा सिंघल और ईडी की ओर से बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

राम विनोद प्रसाद सिन्हा पर आरोप गठित

मनरेगा मनी लॉन्ड्रिंग मामले को लेकर ईडी की विशेष अदालत में सुनवाई चल रही है। इस मामले में खूंटी में जूनियर इंजीनियर रह चुके राम विनोद प्रसाद सिन्हा पर पहले ही आरोप गठित किया जा चुका है। वहीं पूजा सिंघल समेत उनके पति अभिषेक झा के सीए सुमन कुमार एवं खूंटी के तत्कालीन सहायक अभियंता शशि प्रकाश के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। अब इनके खिलाफ आरोप गठित किया जाना है।

2 बाइक आपस में टकराईं

4 छात्रों की मौत, 2 घायल

रांची, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के हजारीबाग जिले में दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में चार छात्रों की मौत हो गई। वहीं, दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि बड़कागांव थाना क्षेत्र के दोहर नगर इलाके में 2 बाइकों की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में 4 छात्रों ने दम तोड़ दिया था। बड़कागांव एसडीपीओ अमित कुमार सिंह ने बताया कि तीन छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं, हजारीबाग से रांची के राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ले जाते समय एक और छात्र ने दम तोड़ दिया था। उन्होंने बताया कि हादसे में दो और छात्र गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी छात्र इंटर की परीक्षा देकर वापस घर लौट रहे थे।

सन ऑफ डीएसपी बताने वाला निकला महिला कॉन्स्टेबल का बेटा

बीच सड़क पत्थर लेकर ऑटो वाले को दिखा रहा था धौंस, पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायपुर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर में वर्दी का खौफ दिखाकर ऑटो वाले को धमकाने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। मौदहापारा गुरुनानक चौक के पास आशुतोष सिंह की स्कूटी वहां से गुजर रहे ऑटो से टकरा गई थी। तैश में आकर युवक पत्थर लेकर बीच सड़क ऑटो वाले से बहस करने लगा। लोगों ने बीच-बचाव किया तो खुद को डीएसपी चंद्र प्रकाश का बेटा बता दिया। किसी ने इस घटना का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। तत्काल मौके पर पहुंचकर पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है। ऑटो वाले ने बताया कि सामने से दो गाड़ियां आ गई थी जिससे कारण वाहन को दूसरी तरफ करना पड़ा। जिसके बाद वो लड़का इस तरह की हरकत करने लगा। ऑटो में 2 महिला पैसेंजर भी बैठी थी। कहीं युवक ने पत्थर मार दिया होता तो उन्हें भी चोट लग सकती थी। इस विवाद की सूचना मौदहापारा पुलिस को मिली। जिसके बाद पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ी मौके पर पहुंच गई। उन्होंने युवक को समझाने की कोशिश की। लेकिन वह नहीं माना और पिता के डीएसपी होने का झूठा रौब दिखाने लगा। पुलिस जब उसे थाने लेकर आई और उससे पूछताछ की तो वो महिला आरक्षक का बेटा निकला। युवक पुलिस लाइन रायपुर का रहने वाला है। मौदहापारा टीआई ने बताया कि उस पर धारा 151 के तहत कार्रवई की गई है और आगे की जांच जारी है।

क्रिमिनल केस के अलावा ट्रम्प पर 19 और मामले

पूर्व प्रेसिडेंट पर हिंसा, चुनाव में धांधली और रेप-मानहानि जैसे आरोप, सजा एक में भी नहीं

वॉशिंगटन, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। 30 मार्च 2023, न्यूयॉर्क के मैनहैटन कोर्ट ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर क्रिमिनल केस चलाने की घोषणा की। 4 अप्रैल को मैनहैटन की कोर्ट ने पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल को पैसे देकर चुप कराने और आर्थिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के केस में 34 आरोप लगाए गए। ट्रम्प ने कोर्ट में कहा कि वो दोषी नहीं हैं। इस मामले की अगली सुनवाई 4 दिसंबर को होगी।

अमेरिका के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है जब किसी राष्ट्रपति के खिलाफ आपराधिक मामला चलाया जा रहा है। ट्रम्प पर यह केस 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स के साथ अफेयर और उन्हें चुप रहने के लिए पैसे देने के आरोप में चलेगा। बड़ी बात ये

है कि ट्रम्प पर ये इकलौता केस नहीं है। उन पर कुल 19 केस चल रहे हैं। इनमें से आधे मामलों में उन पर राष्ट्रपति रहते हुए गलत आचरण के आरोप हैं। ट्रम्प पर चल रहे ज्यादातर केस 3 मामलों से जुड़े हुए हैं। पहला वित्तीय गड़बड़ी जिससे उन्होंने ज्यादा पैसे कमाए। दूसरा 6 जनवरी 2021 को संसद में हुई हिंसा में ट्रम्प की भूमिका। तीसरा केस है 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में दखलअंदाजी की कोशिश।

हालांकि पूर्व राष्ट्रपति ने सभी मामलों को खारिज किया है। कुछ मामलों को बंद करने के लिए ट्रम्प ने याचिका भी लगा रखी है और कुछ में उन्होंने काउंटर केस दायर किया है।

ट्रम्प से जुड़े कुछ प्रमुख मामले

वकील कोहेन ने मानी पॉर्न स्टार को पैसे देने की बात

डोनाल्ड ट्रम्प और पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स की मुलाकात पहली बार 2006 में एक गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान हुई थी। तब ट्रम्प एक रियल एस्टेट कारोबारी थे। स्टॉर्मी ने अपनी किताब फुल डिस्क्लोजर में इस मुलाकात का जिक्र किया है।

अपनी किताब में स्टॉर्मी ने बताया कि ट्रम्प ने उन्हें पेंटहाउस में डिनर के लिए बुलाया था। किताब में उन्होंने ट्रम्प के साथ बने संबंधों और उनकी शारीरिक बनावट का भी जिक्र किया था। इसके बाद दोनों के बीच अफेयर शुरू हो गया था। आरोप है कि 2016 में राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले ट्रम्प ने स्टॉर्मी को चुप रहने के लिए पैसे दिए थे।

ट्रम्प के वकील माइकल कोहेन ने भी इस बात को स्वीकार किया था कि उसने ट्रम्प की तरफ से पॉर्न स्टार को 1 लाख 30 हजार डॉलर (करीब 1 करोड़ 7 लाख रुपए) दिए थे। इस पेमेंट का खुलासा जनवरी 2018 में वॉलस्ट्रीट जर्नल ने किया था। इसी के आधार पर ट्रम्प के खिलाफ क्रिमिनल केस चलाने का फैसला किया गया और कोर्ट में उन पर 34 आरोप लगाए गए।

ट्रम्प पर समर्थकों को भड़काने का आरोप

अमेरिका में 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल यानी अमेरिकी संसद में ट्रम्प के समर्थकों ने हिंसा की थी। 3 नवंबर 2020 को राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटिंग में बाइडेन को 306 और ट्रम्प को 232 इलेक्टोरल वोट मिले। नतीजे सामने आते ही ट्रम्प और उनके समर्थकों ने चुनाव में धांधली के आरोप लगाए।

वोटिंग के 64 दिन बाद जब अमेरिकी संसद बाइडेन की जीत पर मुहर लगाने में जुटी तो ट्रम्प के समर्थक संसद में घुस गए। वहां तोड़फोड़ और हिंसा की। इसमें एक पुलिस अफसर समेत 5 लोगों की मौत हो गई थी। हिंसा के बाद ट्रम्प पर अपने समर्थकों को भड़काने का आरोप लगा था। 18 महीने तक मामले की जांच चली। पिछले साल दिसंबर में जांच कमेटी ने एक 845 पेज की रिपोर्ट तैयार की। इसमें ट्रम्प को दोषी ठहराया गया। उनके खिलाफ क्रिमिनल केस चलाने की सिफारिश की गई। इसके लिए 1000 चश्मदीदों के बयान दर्ज किए गए थे।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, जांच कमेटी ने ट्रम्प पर राष्ट्रपति चुनाव में हार के फैसले को पलटने, विद्रोह भड़काने, आधिकारिक कार्रवाई में बाधा डालने, साजिश रचने, झूठे बयान देने और देश को धोखा देने के आरोप लगाए। इसके बाद कमेटी ने मामले को जस्टिस डिपार्टमेंट को रेफर कर दिया। अब ग्रैंड ज्यूरी के सामने ट्रम्प के कार्यकाल में उपराष्ट्रपति रहे माइक पेंस और व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ रहे मार्क मीडोज के बयान दर्ज किए जाएंगे।

एफबीआई के वारंट में 3 क्रिमिनल लॉ तोड़ने का जिक्र

राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद जब ट्रम्प ने व्हाइट हाउस छोड़ा, तब उन पर आरोप लगे कि वो कई क्लासिफाइड डॉक्युमेंट अपने साथ ले गए। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, नेशनल आर्काइव्स ने कई बार डॉक्युमेंट मांगे लेकिन ट्रम्प ने इसे अनदेखा कर दिया। इसके बाद अगस्त में एफबीआई ने ट्रम्प के फ्लोरिडा स्थित रिजॉर्ट मार-ए-लागो और पाम हाउस पर छापा मारा।

रॉयटर्स के मुताबिक, सर्चिंग के दौरान 13 हजार दस्तावेज जब्त किए गए जिनमें से 100 पर क्लासिफाइड लिखा हुआ था। इनमें सीआईए, नेशनल सिक्योरिटी एजेंसी और एफबीआई से जुड़ी फाइल्स थीं। साथ ही ईरान, चीन से जुड़े खूफिया जानकारी सहित ईरान के मिसाइल प्रोग्राम की डीटेल्स भी थीं। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, एफबीआई के छापे के लिए जो वारंट इस्तेमाल किए गए उनमें 3 क्रिमिनल लॉ से संबंधित थे। इनमें जासूस करने (राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े दस्तावेज को बिना इजाजत अपने पास रखने), सरकारी दस्तावेजों को छिपाने या नष्ट करने और कामकाज में दखल डालने का जिक्र था।

ईरान ने यूएई में तैनात किया राजदूत

2016 के बाद पहली बार, तेहरान में दूतावास पर हमले के बाद खराब हुए थे रिश्ते

तेहरान, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच एक बार फिर से रिश्ते बेहतर करने की कोशिशें शुरू हो गईं हैं। यही कारण है कि ईरान ने 2016 के बाद पहली बार संयुक्त अरब अमीरात में राजदूत नियुक्त किया है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने मंगलवार को 2016 के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अपना पहला राजदूत नियुक्त किया। ईरान के नवनियुक्त राजदूत रेजा अमेरी ने विदेश मंत्रालय में ईरानी प्रवासी कार्यालय के महानिदेशक के रूप में कार्य किया था। पिछले साल अगस्त में, यूएई ने ईरान के साथ अपने संबंधों को बेहतर करने और तेहरान में अपने राजदूत की वापसी की घोषणा की थी।

2016 में तेहरान में यूएई दूतावास पर हुआ था हमला

डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी 2016 में ईरानी प्रदर्शनकारियों ने रियाद में एक प्रमुख शिया धर्मगुरु को फांसी दिए जाने के बाद तेहरान में सऊदी दूतावास पर हमला किया था। इसके बाद सऊदी अरब ने ईरान के साथ संबंध तोड़ लिया था। ईरान और सऊदी अरब के बीच दुश्मनी ने पहले खाड़ी में स्थिरता और सुरक्षा को खतरा पैदा कर दिया था। इसने यमन से लेकर सीरिया तक मध्य पूर्व में संघर्ष को बढ़ावा दिया था।

हालांकि, पिछले महीने एक महत्वपूर्ण सफलता में, रियाद ने घोषणा की कि वह चीनी ब्रोकर्ड डील में तेहरान के साथ संबंधों को फिर से स्थापित करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब और ईरान के शीर्ष दूत गुरुवार को बीजिंग में मुलाकात भी करेंगे।

किंग चार्ल्स की ताजपोशी का इन्विटेशन कार्ड रिलीज

कैमिला अब क्वीन कहलाएंगी, किंग की तस्वीर वाले रॉयल स्टाम्प भी जारी

लंदन, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। ब्रिटेन के नए किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला की ताजपोशी के लिए इनविटेशन कार्ड की पहली तस्वीर सामने आ गई है। इस आमंत्रण पत्र पर कैमिला के लिए क्वीन कंसोर्ट की जगह क्वीन टाइटल का इस्तेमाल किया गया है। बकिंघम पैलेस की तरफ से मंगलवार को ये कार्ड जारी किया गया। इसमें ताजपोशी सेरेमनी के लिए नए किंग और क्वीन के तरफ से निमंत्रण भेजा गया है।

इसके अलावा किंग चार्ल्स की तस्वीर वाले रॉयल स्टाम्प भी जारी कर दिए गए हैं। जिसके बाद इन स्टाम्प्स की कीमत बढ़ गई। रॉयल मेल ने अपनी वेबसाइट पर बिक्री के लिए नए स्टाम्प जारी किए। हालांकि, जिन स्टाम्प्स पर क्वीन एलिजाबेथ की तस्वीर है उन्हें पहले बेचने के आदेश दिए गए हैं। नए स्टाम्प पर किंग चार्ल्स बिना क्राउन के नजर आ रहे हैं। उनकी ये तस्वीर उनके अप्रूवल के बाद ही चुनी गई। 6 मई को

वेस्टमिंस्टर ऐबे में होने वाली ताजपोशी सेरेमनी के लिए करीब 2 हजार लोगों को आमंत्रित किया गया है। इन्विटेशन कार्ड को री-साइकिल्ड पेपर पर बनाया गया है। इसके बॉर्डर पर ब्रिटेन की लोककथाओं में मशहूर ग्रीन मैन को दिखाया गया है। इसके अलावा कार्ड पर ब्रिटेन के राजकीय प्रतीक वाले फूल, वाइल्ड स्ट्रॉबेरी, मधुमक्खी, तितली, लेडीबर्ड जैसी कई पिक्चर भी बनी हुई हैं।

कार्ड पर मौजूद फूलों को 3 के ग्रुप में दिखाया गया है जो ये दर्शाते हैं कि चार्ल्स अपने नाम के तीसरे शासक हैं। बकिंघम पैलेस के मुताबिक कार्ड का बॉर्डर स्प्रिंग और री-बर्थ का प्रतीक है जो नए शासन को दर्शाता है। इस पत्र के साथ ही किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला की एक नई ऑफिशियल फोटो भी जारी की गई।

बकिंघम पैलेस ने कहा कि ताजपोशी सेरेमनी के बाद रॉयल वेबसाइट पर भी कैमिला के लिए क्वीन टाइटल का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके अलावा राजगद्दी के अगले वारिस प्रिंस विलियम के बेटे प्रिंस जॉर्ज को किंग चार्ल्स के सबसे छोटे पेज ऑफ ऑनर के तौर पर चुना गया है। जॉर्ज अभी 9 साल के हैं।

अमेरिका ने किया आईएसआईएस कमांडर को मारने का दावा

सेना बोली- ड्रोन स्ट्राइक में खालिद अल-जबौरी ढेर, यूरोप में आतंकी हमले प्लान करता था

दमिश्क, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका ने सीरिया में ड्रोन स्ट्राइक के दौरान एक सीनियर आईएसआईएस कमांडर का मारने का दावा किया है। अमेरिकी सेना के मुताबिक इस कमांडर का नाम खालिद अय्यद अहमद अल-जबौरी था। वह यूरोप में आतंकी हमलों की प्लानिंग के लिए जिम्मेदार था। इसकी मौत के बाद आईएस के लिए यूरोप में हमले की साजिश रचना मुश्किल हो जाएगा।

वहीं सीरियन सिविल डिफेंस फोर्स व्हाइट हेल्मेट्स ने कहा कि हमले के बाद हमने एक शख्स को घायल हालत में रेस्क्यू किया, लेकिन उसकी मौत हो गई। ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट ने कहा- सोमवार को ड्रोन हमले में केफतीन गांव के पास एक व्यक्ति की मौत हुई है।

इससे पहले अमेरिकी ने फरवरी में भी सीरिया में एक ड्रोन स्ट्राइक की थी। इसमें उन्होंने इस्लामिक स्टेट का कमांडर इब्राहिम अल

हाशमी अल कुरैशी मारा गया था। जानकारी के मुताबिक, उत्तरी सीरिया में किए गए इस ऑपरेशन को हेलिकॉप्टर से पहुंचे 24 अमेरिकी कमांडोज ने अंजाम दिया था। इस दौरान रीपर ड्रोन्स का भी इस्तेमाल किया गया था। ऐसा ही ऑपरेशन 2019 में हुआ था। इसमें आईएसआईएस का सरगना अबू बकर अल बगदादी मारा गया था।

दिसंबर की शुरुआत में अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन ने इदलिब प्रांत में अल-कायदा के सीनियर लीडर के मौजूद होने की आशंका में स्ट्राइक की, लेकिन अटैक की शुरुआती एनालिसिस में पता चला कि ड्रोन मिसाइल ने अल-कायदा लीडर के साथ एक सीरियाई परिवार पर भी हमला किया गया था। इसमें आतंकी की मौत हो गई, जबकि सीरियाई परिवार घायल हुआ।

अमीर देशों में कॉलेज डिग्री पर सवाल उठ रहे

पढ़ाई महंगी, नौकरी भी नहीं, एशियाई छात्रों से पिछड़ रहे श्वेत

वॉशिंगटन, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका, ब्रिटेन समेत अमीर देशों में में कॉलेज डिग्री को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इसके पीछे कई वजह हैं। इनमें मुख्य है कॉलेज फीस तेजी से बढ़ना। महंगाई बढ़ने से फीस बढ़ी है, जिससे छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए भारी कर्ज लेना पड़ रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल के सर्वे के मुताबिक 18 से 34 साल के 56% अमेरिकियों का मानना है कि 4 साल की डिग्री उन्हें उम्मीद के मुताबिक रोजगार और मेहनताना देने में मददगार नहीं है। इस डिग्री को पाने में जितना वक्त-पैसा लगता है, उस अनुपात में रिटर्न नहीं मिल रहा है। दूसरी ओर, तथ्य ये भी है कि ब्रिटेन में श्वेत छात्रों की तुलना में दक्षिण एशियाई (भारतीय) डिग्रीधारी छात्रों के लिए रोजगार की संभावना अधिक होती है, क्योंकि वे बिजनेस जैसे अपडेट विषयों

की पढ़ाई करते हैं। अमेरिका में श्वेत और अश्वेत छात्रों की तुलना में एशियाई छात्रों को शिक्षा कर्ज चुकाने में कम परेशानी होती है।

ब्रिटेन में 1990 के दशक के अंत तक ट्यूशन फीस नहीं लगती थी। अब यह औसतन 11 हजार डॉलर (करीब 9 लाख रु.) सालना है, जो अमीर देशों में सबसे अधिक है। न्यूयॉर्क फेडरल रिजर्व में जैसन एबेल के अनुसार, अमेरिका में औसत स्नातक डिग्री छात्र आउट ऑफ पॉकेट शुल्क 1970 में 2,300 डॉलर (करीब 1.9 लाख रुपए) था। ये 2018 में 8,000 डॉलर (6.6 लाख रु) हो गया।

'कॉलेज-वेज प्रीमियम' फिर से कम हो रहा

1980 के दशक में दुनिया में कॉलेज डिग्री लेने वालों की आय में उछाल शुरू हुआ। तब इसे 'कॉलेज-वेज प्रीमियम' नाम दिया गया। उस दौर में हाई स्कूल पास वालों से औसतन 35% अधिक वेतन मिल रहा था। 2021 तक अंतर 66% हो गया। अब कई देशों में वेतन प्रीमियम गिर रहा है।

ड्रॉप आउट, देरी से डिग्री पूरी करने से बढ़ रहीं दिक्कतें

रिसर्च फर्म इंस्टीट्यूट फॉर फिस्कल स्टडीज (आईएफएस) के अनुसार, इंग्लैंड में 25% पुरुष स्नातक और 15% डिग्रीधारी महिलाओं को उन लोगों से कम सैलरी मिलती है, जो ग्रेजुएट नहीं है। बिना किसी योग्यता के ड्राप आउट होने से बड़ा नुकसान होता है। 40% से भी कम लोग तय वक्त में डिग्री ले पा रहे हैं।

भारत के विरोध के बावजूद नहीं रुका चीन

अरुणाचल प्रदेश को फिर अपना हिस्सा बताया, कहा- अपने अधिकारों के तहत नाम बदले

बीजिंग, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के कड़े विरोध के बावजूद चीन ने एक बार फिर अरुणाचल प्रदेश पर अपना हक जताया है। चीन ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश पर अपनी संप्रभुता का दावा किया। एक प्रेस कॉफ्रेंस में चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा है कि जेंगनेन चीन का हिस्सा है। उन्होंने कहा- स्टेट काउंसिल के जियोग्राफिकल नामों के प्रशासन की शर्तों के मुताबिक, चीनी अधिकारियों ने जेंगनेन के कुछ हिस्सों के नाम बदले हैं। चीन ने ऐसा अपने अधिकारों के तहत किया है। चीन के नाम बदलने वाले कदम पर पलटवार करते हुए भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने मंगलवार को कहा था- हमारे सामने चीन की इस तरह की हरकतों की रिपोर्ट्स पहले भी आई हैं।

'भारत के साथ संबंध सबसे अहम'

नए राजदूत की नियुक्ति पर व्हाइट हाउस ने दिया बड़ा बयान

वॉशिंगटन, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में अमेरिका के नए राजदूत एरिक गार्सेटी की नियुक्ति पर व्हाइट हाउस ने कहा है कि नए राजदूत भारत और अमेरिका के संबंधों को मजबूत करने की दिशा में काम करेंगे। साथ ही भारत और अमेरिका के बीच रक्षा, आर्थिक आदि क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाएंगे। बता दें कि लॉस एंजेलेस के पूर्व मेयर एरिक गार्सेटी भारत में अमेरिका के नए राजदूत होंगे। बीती 24 मार्च को ही अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने एरिक गार्सेटी को पद और गोपनीयत का शपथ दिलाई थी।

'भारत के साथ रिश्ते बेहद अहम'

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केरेन जीन पिएरे ने रिपोर्टर्स को बताया कि 'राष्ट्रपति कह चुके हैं कि 'हम भारत के साथ संबंधों को दुनिया में सबसे ज्यादा अहमियत

देते हैं।

राजदूत गार्सेटी हमारी महत्वकांक्षी कोशिश का नेतृत्व करेंगे और भारत के साथ क्रिटिकल और इमर्जिंग टेक्नोलॉजी में सहयोग बढ़ाएंगे। साथ ही रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे और लोगों से लोगों के बीच संबंधों और आर्थिक संबंधों को भी मजबूत करेंगे।' जीन पिएरे ने कहा कि राष्ट्रपति, भारत के साथ रिश्तों को बहुत अहमियत देते हैं। गौरतलब है कि इस महीने गार्सेटी भारत आ सकते हैं। गार्सेटी का नामांकन को बीते माह ही अमेरिका की संसद ने मंजूर किया था। बीते दो साल से भारत में अमेरिकी राजदूत का पद खाली है। जुलाई 2021 में राष्ट्रपति जो बाइडन ने एरिक गार्सेटी को भारत के राजदूत के रूप में नामांकित किया था लेकिन एरिक गार्सेटी पर लॉस एंजेलेस का मेयर रहते हुए अपने स्टाफ के यौन उत्पीड़न के आरोप लगे थे। जिसके चलते गार्सेटी का नाम अमेरिकी संसद से मंजूरी नहीं हो पा रहा था। दो साल के लंबे इंतजार के बाद गार्सेटी के नाम को मंजूरी मिली और अब वह जल्द ही अपना पदभार संभाल लेंगे।

इजराइली पुलिस ने अल-अक्सा मस्जिद में ग्रेनेड फेंके

नमाजियों को गिरफ्तार किया, जवाब में हमास ने 9 रॉकेट दागे, कहा- कीमत चुकानी पड़ेगी

येरूशलम, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। इजराइल में येरूशलम के अल-अक्सा मस्जिद में बुधवार को पुलिस और फिलिस्तीनियों की बीच झड़प हो गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कई लोगों को गिरफ्तार किया है और उन पर पवित्र मस्जिद को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। पुलिस के मुताबिक, कुछ फिलिस्तीनियों ने खुद को पटाखों, लाठी और पत्थरों के साथ मस्जिद में बंद कर लिया था और बाहर बैरिकेडिंग लगा दी थी।

इसके बाद पुलिस फोर्स को उन्हें रोकने के लिए मस्जिद में घुसना पड़ा। पुलिस ने बताया कि मस्जिद में प्रवेश करते से ही नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने उन पर पत्थर और पटाखों से हमला कर दिया। इस दौरान एक पुलिसकर्मी घायल भी हुआ। फिलिस्तीनी गवाहों ने कहा कि रमजान के महीने में इजलाइल पुलिस ने उन पर ग्रेनेड और आंसू गैस से हमला किया, जिससे उनका दम घुटने लगा। झड़प में 14 लोग घायल हुए हैं।

इजराइली सेना ने गाजा में की जवाबी कार्रवाई

हमले के कुछ देर बाद गाजा स्ट्रिप से इजराइल में 9 रॉकेट दागे गए। इजराइली आर्मी के मुताबिक उन्होंने 5 रॉकेट को मार गिराया, जबकि बाकी खुले मैदान में गिरे। किसी भी ग्रुप ने अभी इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन माना जा रहा है कि अटैक आतंकी संगठन हमास की तरफ से किया गया था। इजराइली सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गाजा में कई लड़ाकू विमानों से हमला किया। इस दौरान ट्रेनिंग कैंप्स को निशाना बनाया गया। अल-अक्सा मस्जिद में हुए हमले की हमास ग्रुप ने निंदा की है। उन्होंने पुलिस की

कार्रवाई को गंभीर अपराध बताया। उन्होंने फिलिस्तीनियों से मस्जिद की रक्षा के लिए एकजुट होने को कहा। हमास के डिप्टी हेड सालेह अल-अरौरी ने कहा- इजराइल को इस्लाम के पवित्र स्थानों पर हमले की बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। मस्जिद में हमले का विरोध करते हुए गाजा में हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए। उन्होंने मस्जिद की रक्षा करने के नारे लगाए और कई टायरों को आग लगा दी। अल-अक्सा मस्जिद हरम अल-शरीफ के परिसर में बनी है, जिसकी देखरेख जॉर्डन करता है। हमले के बाद जॉर्डन के विदेश मंत्रालय ने इजराइल को मस्जिद में मौजूद लोगों पर जुर्म करने के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने इजराली सेना से तुरंत वापस जाने को कहा। वहीं सऊदी अरब ने भी हमले की निंदा की।

पिछले कुछ महीनों में इजराइल और फिलिस्तीन के बीच हुए आतंकी हमलों में करीब 15 इजराइलियों की जान गई है और कई घायल भी हुए। वहीं पिछले 3 महीनों में करीब 86 फिलिस्तीनी हमलों का शिकार हुए हैं। इनमें से ज्यादातर लोग इजराइली सेना पर अटैक के दौरान मारे गए, जबकि कुछ लोग आम नागरिक थे। मक्का और मदीना के बाद अल-अक्सा मस्जिद तीसरा सबसे पवित्र स्थल है। ये हरम अल-शरीफ के परिसर में बना है। ये दुनिया की दूसरी सबसे पुरानी मस्जिद है। इस मस्जिद में 4 लाख लोग एक साथ प्रार्थना कर सकते हैं। यह मस्जिद हमेशा से विवादित रही है, क्योंकि यहूदी लोग इसे अपना मंदिर होने का दावा करते हैं।

नाटो का नया मेंबर बना फिनलैंड

अब इस मिलिट्री अलायंस में 31 देश, रूस ने कहा- ये हमारी सिक्योरिटी पर हमला

ब्रसेल्स, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। फिनलैंड नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन (एनएटीओ) का नया मेंबर बन गया है। वो इस मिलिट्री अलायंस में शामिल होने वाला 31वां देश है। नाटो के सेक्रेटरी जनरल जेन्स स्टोलनबर्ग ने मंगलवार को ऐलान किया कि फिनलैंड अब नाटो का मेंबर बन गया है। दूसरी तरफ, रूस को नाटो का विस्तार सख्त नागवार गुजरा। क्रेमलिन से जारी बयान में कहा गया- फिनलैंड को नाटो में शामिल करना एक तरह से रूस की सिक्योरिटी पर हमला है। हम इससे निपटेंगे। नाटो का हेडक्वॉर्टर ब्रसेल्स में है। माना जा रहा है कि बहुत जल्द स्वीडन भी नाटो का हिस्सा बन जाएगा। स्टोलनबर्ग ने मीडिया से बातचीत में कहा- हमारे लिए यह हफ्ता ऐतिहासिक होने जा रहा है। नाटो देश एक प्लेटफॉर्म पर आ रहे हैं। फिनलैंड हमारी नाटो फैमिली का

नया मेंबर बन चुका है। बहुत जल्द स्वीडन भी इसका हिस्सा बनेगा। स्टोलनबर्ग नॉर्वे के पूर्व प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने कहा- नाटो हेडक्वॉर्टर पर पहली बार फिनलैंड का झंडा फहराया गया। अब उसकी सिक्योरिटी का जिम्मा नाटो देशों का होगा। फिनलैंड के प्रेसिडेंट साउली निनीस्तो और डिफेंस मिनिस्टर एंत्ती काइकोनेन भी सेरेमनी का हिस्सा बने। फिनलैंड के नाटो में शामिल होने का रूस ने विरोध किया है। उसके डिप्टी प्राइम मिनिस्टर एलेक्जेंडर ग्रूस्को ने कहा- नाटो की हर हरकत पर नजर रखी जा रही है। हम भी अपने सिक्योरिटी सर्कल को बढ़ाने जा रहे हैं।

मंत्री ने बताया- कैसे होंगे जयपुर-जोधपुर के 2 हिस्से

नए जिलों में जल्द लगेंगे कलेक्टर-एसपी; क्या आचार संहिता लगी तो रुक जाएगी प्रोसेस?

जयपुर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश में 19 नए जिलों की घोषणा के बाद राजस्व विभाग तैयारी में जुट गया है। नए जिलों के लिए बनी रामलुभाया कमेटी की रिपोर्ट अब तक राजस्व विभाग को नहीं मिली है, ऐसे में रिपोर्ट आने के बाद तस्वीर और स्पष्ट हो जाएगी।

राजस्थान में पहली बार एक साथ इतने जिले बने हैं। नए जिले बनाने का एक प्रोसेस हैं, उसमें कुछ समय तो लगता ही है। आप देखिए जब राजस्थान की जनसंख्या 1.50 करोड़ थी, तब 26 जिले थे और आज 8 करोड़ है तब भी 33 जिले हैं, इसलिए 19 नए जिले बनाकर इस गैप को कुछ हद तक मिटाने का प्रयास किया है। नोटिफिकेशन भी जल्द हो जाएगा। आने वाले समय में लोकसभा, विधानसभा का परिसीमन होगा।

नए जिले बनने के बाद बाउंड्री लाइन तय होनी है। कौनसा इलाका कहां रहेगा, इसके लिए तहसील को यूनिट मानकर काम किया जाएगा। जिलों की बाउंड्री लाइन और उसमें शामिल होने वाली तहसीलों के बारे में रामलुभाया कमेटी की रिपोर्ट के बाद फैसला होगा। कमेटी की सिफारिशों के आधार पर फैसला होगा। फिर भी कहीं कोई दिक्कत होती है तो राजस्व विभाग ग्राम सभाओं के माध्यम से फैसला करेगा।

जो गांव जहां जाना चाहता है, उसके आधार पर सीमांकन के बारे में फैसला होगा। अगर कोई इलाका किसी नए जिले में शामिल होने का विरोध कर रहा है तो उनकी भी सुनी जाएगी। मुख्यमंत्री ने खुले मन से कह रखा है जो जिधर रहना चाहें वह उधर रहे।

कमेटी जो रिपोर्ट देगी इसके बाद भी कोई ऐतराज होगा तो राजस्व विभाग ग्रामसभा के माध्यम से सीमाएं बदलने का अधिकार रखता है, उसके आधार पर उन लोगों को संतुष्ट करने काम करेंगे। कुछ लोग नए जिलों को लेकर बेवजह भ्रांतियां फैला रहे हैं, ऐसे लोगों ने खुद के राज में कुछ नहीं किया, अब कांग्रेस ने जिले बनाए हैं तो उन्हें तकलीफ हो रही है।

जनप्रतिनिधियों और आम लोगों को अपनी मांगें रखने का अधिकार है। नए जिले बनाने में प्रशासनिक जरूरत, भौगोलिक स्थिति और आम लोगों की मांग इन तीन मापदंडों का ध्यान रखा है। इन तीन मापदंडों के आधार पर सीमांकन,परिसीमन किया जाता है। कमेटी की रिपोर्ट के बाद भी ग्रामसभा चाहेगी कि हम उस तरफ नहीं रहना चाहेंगे तो वह काम राजस्व विभाग करता है। पहले भी सीमांकन करता आया है, अब भी करेंगे। नए जिले की मांग करें, वह आपका अधिकार है। मुख्यमंत्री ने बिना मांगे सब दिया है।

नए जिले बनाने का चुनाव से कोई संबंध नहीं होता है। मुख्यमंत्री ने लोगों की मांग के हिसाब से जिले बनाए हैं। विधायकों की मांग का भी ध्यान रखा है। चुनाव का नए जिलों पर कोई असर नहीं होगा, यह लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। गजट नोटिफिकेशन जल्द हो जाएगा। नई जिला परिषद बनेंगी और जिला लेवल के सारे दफ्तर खुलेंगे।

आचार संहिता से पहले पहले कलेक्टर, एसपी और जिला परिषद सीईओ बैठ जाएंगे। जिला स्तर के कोर्ट खुल जाएंगे, हॉस्पिटल प्रमोट होंगे। एक जिला हेडक्वार्टर पर जो-जो विभाग होते हैं वे सब खुलेंगे। हर जिले में 200 करोड़ दिए जा रहे हैं, यह पहले फेज में दे रहे हैं। आगे और बजट दिया जाएगा।

नए जिले बनने से और कार्यकर्ताओं को मौका मिलेगा। जिला परिषद,पंचायत समिति, तहसील हेडक्वार्टर, उपखंड हेड क्वार्टर बढ़ेंगे। सभी विभागों के ऑफिसर बैठेंगे। लोगों को प्रशासनिक रूप से सुविधा होगी। न्याय सुलभ होगा, जल्दी न्याय होगा। काम में जो देरी होती थी, नए जिले बनने से उसमें तेजी आएगी।

कलेक्टर, एसपी, जिला परिषद सीईओ सहित सभी जिला लेवल के अफसर बैठेंगे। एडीएम, एसडीएम के पद बढ़ेंगे। नए कॉलेज खुलेंगे। मौजूदा अस्पताल जिला अस्पताल में प्रमोट होंगे। नए जिले में जब सब दफ्तर खुलेंगे तो इसका फायदा हर तरह से आम आदमी को होगा।

नए बनने वाले हर जिले में मिनी सचिवालय बनेंगे। अब तक चुनिंदा जिलों में ही मिनी सचिवालय थे। मिनी सचिवालय बनने से आम आदमी को बहुत राहत मिलेगी। अलग-अलग जगह दफ्तर होने से लोगों का समय और पैसा खराब होता है। जिला स्तर पर मिनी सचिवालय बनने से एक ही जगह सब दफ्तर और कोर्ट हो जाएंगे इससे सरकारी काम होने में आसानी होगी।

रामलुभाया कमेटी की रिपोर्ट भी हमें जल्द मिल जाएगी। राजस्व विभाग ने अपने स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी है। कलेक्टरों को अधिकार दे दिए हैं कि वे नए जिलों के लिए तुरंत जो जमीन चाहिए वह अलॉटमेंट करें। अलग-अलग विभागों के दफ्तर बनाने के लिए जमीन अलॉट करना पहला काम है। कलेक्टर जमीन चिन्हित करके अलॉटमेंट कर रहे हैं। सबसे ज्यादा समय ही जमीन अलॉट करने में लगता है। मुख्यमंत्री ने जैसे ही नए जिलों की घोषणा की राजस्व विभाग ने काम शुरू कर दिया। जिलों में सिविल लाइन बनेंगी उनके लिए जमीनें अलॉट हो रही हैं। इसके बाद हम सरकारी दस्तावेजों को नए पुराने जिलों के बीच बांटने की तैयारी कर रहे हैं।

रिकॉर्ड को इधर उधर करने में भी भारी मेहनत होगी। सरकारी रिकॉर्ड डिवाइड करना पड़ेगा, जिलों की सीमांकन होना है। मोटे तौर पर सारी तैयारियां हैं। जैसे ही 19 नए जिलों गजट नोटिफिकेशन होगा हम 15 दिन के अंदर सारी चीजें कंप्लीट कर देंगे।

अपने इलाके को जिला बनाने की मांग उठाना जनता अधिकार है। आठ करोड़ की जनसंख्या के हिसाब से अब भी जिले कम ही है। हमसे कई छोटे राज्य ऐसे हैं, जिनमें 60 से ज्यादा जिले हैं, जबकि राजस्थान तो सबसे बड़ा राज्य है। मेरा व्यक्तिगत विचार है कि जिले और बढ़ाए जाने चाहिए।

अभी भी कुछ और जिले बनाए जाने की गुंजाइश तो है ही। हम राम लुभाया कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर अब आगे फैसला करेंगे। लेंगे। मुख्यमंत्री विचार कर रहे हैं और वे फैसला करेंगे कि और जिले बनाने हैं या क्या करना है। नए जिले बनाने पर आगे फैसला मुख्यमंत्री ही करेंगे। सरकार को रिपीट करें लोग, जो चाहेंगे वह मिलेगा।

राजनीतिक पार्टियां वोट लेने के लिए ही बनाई जाती हैं। बीजेपी नेता तो केवल इसलिए आरोप लगा रहे हैं कि उनके वक्त में इतने जिले बने नहीं, इसलिए केवल राजनीति करने के लिए आरोप लगा रहे हैं। नए जिले जनता की मांग के आधार पर बनाए हैं, कई इलाकों की तो दशकों पुरानी मांग है। जनता की पुरानी मांग को पूरा करने में राजनीति क्या हो गई? बीजेपी केवल निगेटिव पॉलिटिक्स करती है। कांग्रेस ने हमेशा जनता की मांग को महत्व देकर उसे पूरा किया है।

95% प्राइवेट अस्पतालों में नहीं मिलेगा फ्री इलाज

सिर्फ 9 प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में फ्री इमरजेंसी सुविधाएं, राजस्थान आरटीएच लागू करने वाला पहला राज्य

जयपुर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में राइट टू हेल्थ बिल को लेकर सरकार और डॉक्टर्स के बीच चल रहा गतिरोध खत्म हो गया। इसी के साथ दो चीजें साफ हो गईं। पहली ये कि अब राइट टू हेल्थ बिल लाने और ऐसा करने वाला राजस्थान देश का पहला राज्य हो जाएगा। दूसरी यह कि सरकारी सुविधा नहीं लेने वाले अस्पताल इस बिल के दायरे से बाहर होंगे। हालांकि इनके लिए विकल्प खुला रहेगा ये खुद को आरटीएच में शामिल रखें। सिर्फ प्राइवेट मेडिकल कॉलेज और चुनिंदा निजी अस्पताल ही इस बिल के दायरे में आएंगे। हालांकि राजधानी जयपुर के ही 12 बड़े अस्पताल इस बिल के दायरे से बाहर होंगे।

चिरंजीवी योजना में तमाम प्राइवेट हॉस्पिटल कवर नहीं होते थे, फिर भी इनके लिए विकल्प खुला था। जिसके बाद कई हॉस्पिटल इसमें शामिल हो गए थे।

डॉक्टरों की हड़ताल के बाद क्या बदला

डॉक्टरों की इस हड़ताल से पहले राइट टू हेल्थ बिल के दायरे में तमाम अस्पताल और मेडिकल कॉलेज आ रहे थे। सिर्फ 50 से कम बेड वाले अस्पतालों को इसके दायरे से बाहर रखा गया था। मगर अब मोटे तौर पर तमाम निजी अस्पताल इस दायरे से बाहर आ गए हैं। राजस्थान के सिर्फ 5 प्रतिशत निजी अस्पताल अब इस हेल्थ बिल के दायरे में रह जाएंगे।

ऐसे अस्पताल जिन्होंने सरकार से जमीन मुफ्त या सब्सिडी के आधार पर ली हो, उनमें भी सिर्फ वही अस्पताल इस दायरे में आएंगे, जिन्होंने सरकार से जमीन लेने के दौरान हुए एमओयू की टर्म्स एंड कंडीशन में यह बात स्वीकार की हो कि वे भविष्य में सरकार का काम करेंगे। जिनकी टर्म्स एंड कंडीशन

में ये चीजें नहीं होंगी वे इस दायरे में नहीं आएंगे।

निजी मेडिकल कॉलेजों को इस दायरे में रखा गया है। ऐसे में राजस्थान के 9 मेडिकल कॉलेज आरटीएच के दायरे में आ जाएंगे।

ये 9 मेडिकल कॉलेज दायरे में

गीतांजलि मेडिकल कॉलेज, उदयपुर - महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज, जयपुर - नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, जयपुर - पैसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, उदयपुर - अनंता मेडिकल कॉलेज, उदयपुर - जेएनयू मेडिकल कॉलेज, जयपुर - अमेरिकन मेडिकल कॉलेज, उदयपुर - पैसिफिक मेडिकल कॉलेज, उदयपुर - डॉ एसएस टांटिया मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, श्रीगंगानगर

निजी मेडिकल कॉलेज दायरे में क्यों?

निजी डॉक्टर्स की हड़ताल के बावजूद निजी मेडिकल कॉलेजों को इस बिल के दायरे में रखा गया है। ऐसा इसलिए किया गया है क्योंकि निजी मेडिकल कॉलेजों के पास मेडिकल स्टूडेंस होते हैं। ऐसे में स्टूडेंटस को प्रैक्टिस के लिए पेशेंट की जरूरत होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए उन्हें इस बिल के दायरे में रखा गया है। बिल के दायरे में रहेंगे तो कॉलेजों के पास पेशेंट आते रहेंगे। यही वजह है कि निजी मेडिकल कॉलेज इस बिल के विरोध में खड़े नहीं हुए थे।

तीन शहरों को छोड़कर अन्य जिलों में आएगी परेशानी

राजस्थान में 9 प्राइवेट मेडिकल कॉलेज हैं। ये सभी जयपुर,उदयपुर, श्रीगंगानगर में हैं। ऐसे में इन शहरों में तो फिर भी लोगों के पास निजी अस्पताल का ट्रीटमेंट आरटीएच के दायरे में लेने का विकल्प होगा। अन्य जिलों में परेशानी हो सकती है।

सरकार अपनी सुविधा से जनता को अधिकार दे तो बेहतर : डॉ. सुनील चुग

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन राजस्थान के प्रेसिडेंट डॉ. सुनील चुग कहते हैं कि सरकार अगर अपनी सुविधा से यह जनता को अधिकार दे तो अच्छी बात है। मगर कभी भी प्राइवेट सेक्टर पर इसका बोझ नहीं डाला जाना चाहिए। डॉ. चुग ने कहा कि सरकार ने हमारी बात मान ली है, ऐसे में अब आंदोलन खत्म हो गया है। बुधवार से निजी अस्पतालों में पहले जैसी वर्किंग शुरू हो जाएगी।

अडाणी से रिश्तों पर कांग्रेस को घेरा

मंत्री बोले, देश में विरोध करते, राजस्थान में बंद कमरे में इलु-इलु करते

जैसलमेर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस एक तरफ केंद्र सरकार को अडाणी से रिश्तों के आरोप में घेर रही है। वहीं जैसलमेर में अडाणी के साथ बंद कमरे में इलु-इलु कर रही है। यहां अडाणी समूह को 1 लाख बीघा से भी ज्यादा जमीन अलॉट कर दी है। ये बात केंद्रीय कृषि कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने कहीं।

अडाणी मामले में कांग्रेस सरकार को घेरते हुए चौधरी ने कहा कि कांग्रेस का दोहरा चरित्र सामने आ रहा है। राहुल गांधी अडाणी और केंद्र सरकार के रिश्तों पर छाती पीट रहे हैं। जबकि उनकी गहलोत सरकार राजस्थान में अडाणी को जो जमीन अलॉट आदि कर रही है, वो क्या है।

प्रधानमंत्री की छवि खराब करने की कोशिश

मंत्री ने कहा कि कांग्रेस हाथी के दांतों की तरह है। बाहर से दिखाने

के अलग और खाने के अलग। बाहर कुछ और बोलते हैं जबकि बंद कमरों में अडाणी के साथ लव यू बोलते हैं। ये केवल प्रधानमंत्री की छवि को धूमिल करने का प्रयास है। प्रधानमंत्री का केवल एक ही मोटो है कि ना खाऊंगा और न खाने दूंगा। इस कारण ये भ्रष्टाचारी लोग जेल जा रहे है।

कांग्रेस का दोहरा चरित्र

मंत्री ने कहा कि अडाणी को राजस्थान में 1 लाख बीघा जमीन अलॉट करके अपना दोहरा चरित्र कांग्रेस ने बता दिया है। ये केवल ढोंग है प्रधानमंत्री को बदनाम करने का। अगर इतने ही सब बुरे हैं तो वे क्यों अडाणी को अपनी जमीन दे रहे हैं। बाहर विरोध करते हैं जबकि अंदर ही अंदर बंद कमरे में जमीन की डील करते हैं। ये लोग अब जान चुके हैं इसलिए इन पर भरोसा नहीं कर रहे हैं।

पंजाबी सिंगर को देखने के लिए भीड़ बेकाबू, लाठीचार्ज

आरयू में साढ़े तीन घंटे देर से पहुंचे सिंगर, 25 मिनट ही किया परफॉर्म

जयपुर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान यूनिवर्सिटी में मंगलवार दोपहर छात्र बेकाबू हो गए। पंजाबी सिंगर परमिश वर्मा के लिए बनाए गए स्टेज के पास का बैरिकेड तोड़ डाला। पुलिस फौरन हरकत में आई और लाठीचार्ज कर छात्रों को खदेड़ा। पुलिस को करीब 25 मिनट के अंदर 3 बार लाठीचार्ज करना पड़ा।

मंगलवार दोपहर करीब एक बजे आरयू के छात्रसंघ महासचिव कार्यालय का उद्घाटन बीजेपी के संगठन महामंत्री चंद्रशेखर और जयपुर ग्रेटर की मेयर सौम्या गुर्जर ने किया। महासचिव अरविंद जाजड़ा ने छात्रों के लिए 365 दिन काम करने का वादा किया। जाजड़ा ने कहा- मैंने अब तक छात्रों के लिए खूब लट्ठ खाए हैं। आगे भी यूनिवर्सिटी के छात्रों को मेरी जरूरत पड़ी तो मैं हर मोर्चे पर उनके साथ खड़ा रहूंगा। यूनिवर्सिटी

के घूमर मैदान पर हुए उद्घाटन समारोह में पंजाबी सिंगर परमिश वर्मा को बुलाया गया था। वह तीन घंटे लेट से दोपहर करीब साढ़े तीन बजे घूमर मैदान पर पहुंचे। परमिश ने स्टेज पर पहुंचते ही घुटनों के बल बैठकर छात्रों से माफी मांगी। बोला- माफी चाहता हूं मैं देरी से आया।

इससे करीब 15 से 20 मिनट पहले वहां मौजूद छात्र बेकाबू हो गए। वहां बनाए गए बैरिकेड तोड़ डाला। पुलिस ने लाठी मारकर छात्रों को भगाया। सिंगर के आने के बाद एक बार फिर दोपहर करीब साढ़े तीन बजे छात्र बेकाबू हुए। पुलिस को फिर लाठी फटकारनी पड़ी। फिर कुछ देर शांत रहने के बाद करीब पौने चार बजे छात्रों ने फिर हुड़दंग मचाना शुरू कर दिया। पुलिस बल ने फिर से लाठी मार-मारकर छात्रों को शांत कराया। हालांकि किसी को भी गंभीर चोटें नहीं आई हैं।

राजस्थान यूनिवर्सिटी में सिंगर परमिश को देखने के लिए स्टूडेंट्स के साथ बड़ी संख्या में आम जनता भी पहुंची थी। इस दौरान परमिश ने जनता की फरमाइश को ध्यान में रखते हुए अपने सुपर हिट सॉन्ग्स पर परफॉर्म किया। इस दौरान ऑडियंस झूमने लगी।

कुछ ही देर की परफॉर्मेंस के बाद भीड़ बेकाबू हो गई। इसके बाद पुलिस अधिकारियों ने स्टेज पर पहुंच परमिश से परफॉर्मेंस रोकने की अपील की।

2 साल के बेटे के साथ टांके में कूदी महिला

दोनों की हुई मौत, पिता का आरोप- ससुराल वाले दहेज के लिए कर रहे थे मारपीट

बाड़मेर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। बाड़मेर में विवाहिता ने 2 साल के बेटे के साथ टांके में कूदकर सुसाइड करने का मामला सामने आया है। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को चौहटन हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया गया। घटना बाड़मेर जिले के चौहटन साकरिया तला लीलसर गांव का है। विवाहिता के पिता ने दहेज प्रताड़ना व मारपीट कर हत्या कर टांके में डालने की रिपोर्ट दी है। वहीं, पुलिस रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतका की शादी 6 साल पहले हुई थी। पुलिस के अनुसार, मंगलवार रात करीब 11 बजे विवाहिता व बेटे के टांके में गिरने और मौत होने की सूचना मिली थी। इसके बाद मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना किया गया। शवों को कब्जे में लेकर चौहटन हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस को मृतका के पिता ने रिपोर्ट दी है।

रिपोर्ट में बताया- बेटी पन्नदेवी की शादी साकरिया तला लीलसर गांव निवासी प्रकाश से 6 साल पहले शादी की थी। शादी के एक-दो साल बाद से दहेज प्रताड़ना, मारपीट कर रहे थे। कई बार सामाजिक स्तर पर पंच पंचायती कर ससुराल वालों को समझाया। इसके बावजूद भी विवाहिता को परेशान करते थे। मंगलवार शाम को ससुराल वालों ने मारपीट कर विवाहिता व बेटे के साथ मारपीट व मार कर टांके में डाल दिया। चौहटन थानाधिकारी मृतका के पिता की रिपोर्ट दी बेटी पन्नीदेवी (25) पत्नी प्रकाश को दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। मंगलवार को बेटी व उसके 2 साल के बेटे हरीश को मारकर टांके में डाल दिया। दोनों के शवों का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

बच्ची के 10 टुकड़े कर कीर्तन में नाचा आरोपी

धार्मिक कार्यक्रम में खूब ढोल-नगाड़े बजाए; हत्यारे को फांसी की मांग

उदयपुर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। उदयपुर में 8 साल की बच्ची से रेप के बाद उसके 10 टुकड़े करने वाले आरोपी को अपने घिनौने कृत्य पर बिल्कुल भी पछतावा नहीं था। चौंकाने वाली बात ये है कि आरोपी 29 मार्च को बच्ची की हत्या के बाद घर के पास ही स्थित मंदिर में चल रहे भजन.कीर्तन में भी पहुंचा था। वह बच्ची के शव को बिस्तर में छिपाकर कीर्तन में पहुंचा था।

एडवोकेट और पीड़िता के गांव के रहने वाले अमित पालीवाल ने बताया- रात करीब 1 बजे तक वह मंदिर में ही रहा। भजन संध्या में बड़े आराम से नाच रहा था। घटना के दो दिन बाद 31 मार्च को गांव में खाकल देवजी बावजी के धार्मिक कार्यक्रम में भी आरोपी कमलेश शामिल हुआ था। यहां

आरोपी ने खूब ढोल.नगाड़ा बजाया था, लेकिन जब 1 अप्रैल को पुलिस ने पकड़ा तो ग्रामीणों के होश उड़ गए। उन्हें एक बार भी आरोपी की इस करतूत पर विश्वास नहीं हो रहा था।

भाजपा नेता और मावली पूर्व सरपंच कुलदीप सिंह चुंडावत ने बताया- जब पुलिस बच्ची को तलाशने पहुंच रही थी। तब भी वह घबराया नहीं, बल्कि पुलिस के साथ बच्ची को ढूंढने का नाटक करने लगा था। मैं भी उस क्षेत्र में गया तो हमारे साथ मौजूद रहा।

इस निर्मम हत्या के मामले में आरोपी को फांसी दिलाने की मांग को लेकर बुधवार सुबह करीब 11 बजे आदिवासी समाज ने उदयपुर कलेक्ट्रेट पर बड़ा प्रदर्शन किया। आक्रोशित युवाओं ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कई युवा यहां बेटी बचाओ और रेपिस्ट को फांसी दो जैसे संदेश लिखी तख्तियां लिए खड़े थे।

समाज के खेमराज खराड़ी ने बताया- जो बच्ची भैया कहती थी आरोपी ने उसी के साथ शर्मनाक और घिनौना कृत्य किया। ऐसे रेपिस्ट को जल्द से जल्द फांसी की सजा मिलनी चाहिए। पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता मिलनी चाहिए।

राजस्थान में तेजी से फैल रहा कोरोना का नया वैरिएंट

मरीज के संपर्क में आने वाले दूसरे लोग भी संक्रमित; मौतों ने बढ़ाई चिंता

जयपुर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान समेत पूरे देश में कोरोना फिर से बढ़ने लगा है। पिछले 20 दिन से केसों में इजाफा हुआ है। आखिरी 24 घंटे की रिपोर्ट में 29 पॉजिटिव केस मिले हैं। जबकि 949 लोगों की जांच की गई। एक्सपर्ट्स इस कोविड के बढ़ने के पीछे ओमिक्रॉन के नए सब वैरिएंट एक्सबीबी 1.16 को कारण मान रहे हैं।

राजस्थान में इस वैरिएंट के पिछले दो सप्ताह में 70 फीसदी से ज्यादा केस डिटेक्ट हुए हैं। इस कारण राजस्थान में संक्रमण दर एक से बढ़की तीन फीसदी के ऊपर चली गई है। कोविड के बढ़ते केसों को देखते हुए खांसी-जुकाम और बुखार के सस्पेक्ट मरीजों के लिए डॉक्टर्स ने कोविड जांच को अनिवार्य कर दिया है।

एसएमएस मेडिकल कॉलेज के सीनियर प्रोफेसर डॉ. पुनीत सक्सेना ने बताया- अब तक हम सामान्य फ्लू के मरीज की कोविड जांच नहीं करवा रहे थे।

पिछले 10-15 दिन से जिस तेजी से केस बढ़ रहे हैं। उसे देखते हुए हम सस्पेक्ट मरीज की कोविड जांच अनिवार्य कर रहे हैं। ताकि उस मरीज से किसी दूसरे मरीज को संक्रमण न फैले।

नया वैरिएंट एक्सबीबी 1.16 की आर वैल्यू ज्यादा है। यानी इस वैरिएंट से संक्रमित मरीज के संपर्क में आने वाले दूसरे व्यक्ति भी जल्दी संक्रमित हो रहे हैं। इससे पहले जो ओमिक्रॉन के दूसरे वैरिएंट थे वो इतनी तेजी से स्प्रेड नहीं हो रहे थे।

उनमें बीमारी के लक्षण भी सामान्य से भी हल्के थे। अगर कोई मरीज संक्रमित हो भी रहा था तो उसे हल्के जुकाम-खांस जैसे लक्षण दिख रहे थे।

इस वैरिएंट की चपेट में आने वाले मरीजों में तेज जुकाम-बुखार, खांसी के अलावा शरीर में थकान और कमजोरी भी महसूस हो रही है।

एसएमएस की ओपीडी में लगातार आ रहे मरीजों ने डॉक्टरों की चिंता भी बढ़ा दी है। हालांकि, इस नए वैरिएंट को लेकर अब तक कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

बेकाबू गाड़ी पलटी खाती गई, तीन की मौत

एक की महीनेभर बाद होनी थी शादी, चचेरे-ममेरे भाई थे तीनों

बाड़मेर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। बाड़मेर में स्कॉर्पियों गाड़ी पलटने से तीन चचेरे-ममेरे भाइयों की मौत हो गई। तीनों गांव लौट रहे थे। बीच रास्ते में अचानक गाड़ी टायर फटने से बेकाबू हो गई। गाड़ी तीन बार पलटी खाई। दो भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। तीसरे ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इनमें से एक की शादी 1 महीने बाद ही होनी थी। घटना बाड़मेर के मिठड़ा अणदाणियों की ढाणी (सदर थाना) गांव के पास की है। पुलिस ने तीनों के शवों को डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है। जानकारी मिलने पर बाड़मेर एसडीएम समुद्र सिंह भाटी भी हॉस्पिटल पहुंचे। फिलहाल पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मिठड़ा गांव के रहने वाले खंगार सिंह (24) पुत्र कानसिंह, श्याम सिंह (23) पुत्र वैरीसाल सिंह, प्रेम सिंह (23) पुत्र उम्मेद सिंह स्कार्पियों से तीनों बाड़मेर शहर से काम निपटाकर गांव की ओर लौट रहे थे। इस दौरान रात करीब 9 बजे मिठड़ा गांव के पास ही हादसा हो गया। आसपास के लोगों ने एम्बुलेंस बुलाकर घायल को डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल भेजा गया। जानकारी मिलने पर सदर पुलिस पहुंची।

एसडीएम समुद्र सिंह भाटी का कहना है कि गाड़ी कैसे पलटी है, इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

ट्रैक्टर ने टेंपो को मारी टक्कर, 2 की मौत

खेत में जाने के लिए 14 लोग घर से निकले थे, 8 घायल

अलवर, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। अलवर में बुधवार सुबह हुए एक सड़क हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई,जबकि 8 जने घायल हो गए। ये सभी सुबह अपने खेत लावणी करने के लिए टेंपो में निकले थे। लेकिन, एक ट्रैक्टर की टक्कर से टेंपो पलट गया और मौके पर चीख पुकार मच गई।

घटना शहर के टपूकड़ा थाना क्षेत्र के नाखनोल गांव के पास की है। टेंपो में करीब 14 लोग सवार थे। घायलों में से 2 को अलवर के जिला अस्पताल में रेफर किया गया है, जबकि अन्य लोगों को टपूकड़ा सीएचसी ले जाया गया है।

उत्तर प्रदेश राज्यपाल ने किया भाकृअनुप-भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान का दौरा

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न (मिलेट) वर्ष 2023 के अवसर पर, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने भाकृअनुप-भारतीय कदन्न (श्री अन्न) अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया। उन्होंने संस्थान में स्थापित श्री अन्न के प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन सुविधाओं का निरीक्षण किया। उनके समक्ष भारत के अद्वितीय जननद्रव्य शामिल, एक बृहत जननद्रव्य संग्रह एवं श्री अन्न की नवीनतम किस्मों के पुष्पगुच्छों का प्रदर्शन किया गया। डॉ. (श्रीमती) सी. तारा सत्यवती, निदेशक, भाकअनुसं ने उन्हें संस्थान के मैट्रिक्स, लक्ष्यों एवं दृष्टिकोणों के बारे में जानकारी प्रदान की। राज्यपाल के समक्ष भाकृअनुप के द्वारा विकसित एवं उद्यमियों को लाइसेंसीकृत विविध मूल्य वर्धित उत्पाद और प्रौद्योगिकियां प्रदर्शित की गईं। इस अवसर पर भाकअनुसं के वैज्ञानिकों और माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के साथ एक संवादात्मक बैठक आयोजित की गई। राज्यपाल ने श्री अन्न को लोकप्रिय बनाने हेतु संस्थान के द्वारा किए जा रहे प्रयासों, प्रदान की जा रही सुविधाओं और प्रशिक्षण की सराहना की। उन्होंने कहा कि लोग पहले श्री अन्न के विविध उत्पाद तैयार करने की विधि और तकनीकों के बारे में नहीं जानते थे। अब इस संस्थान के माध्यम से श्रीअन्न उत्पादों की विस्तृत शृंखला के उत्पादन हेतु प्रौद्योगिकियां उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि हमारे देश में किसान उत्पादन संगठन (किउसं) महत्वपूर्ण हैं और उन्हें समस्याओं का सामना करना पड़ता है जैसे कि बाजार से कैसे संपर्क किया जाए, ऑनलाइन कैसे बेचा जाए और अपने उत्पादों का परीक्षण कैसे किया जाए आदि। उक्त प्रश्नों का उत्तर देते हुए डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक ने कहा कि गांवों में श्री अन्न पर काम करने वाले किसानों, कृषि अधिकारियों, उद्यमियों और अन्य अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए इस संस्थान के द्वारा चार राज्यों में 33 किसान उत्पादक संगठन का गठन किया गया है। श्रीमती रक्षिता लडवंती, सीईओ, अलंद भूताई मिलेट्स फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी, कलबुर्गी, कर्नाटक, ने उल्लेख किया कि उनकी सफलता की कुंजी किसान उत्पादक संगठन से कच्चा माल खरीदने हेतु उद्यमियों से जुड़ाव है।

मुस्लिम धर्मगुरुओं से मिले अमित शाह

लिंचिंग, हेट स्पीच के मामलों में कार्रवाई का भरोसा दिया; धर्मगुरु बोले- ये शाह बिल्कुल अलग थे

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। मुस्लिम धर्मगुरुओं के डेलिगेशन ने मंगलवार देर रात गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस मीटिंग में डेलिगेशन का नेतृत्व जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने किया। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के सेक्रेटरी नियाज फारूकी, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य कमाल फारूकी और प्रोफेसर अख्तरुल वासे समेत कई लोग इस मीटिंग में शामिल हुए।

मीटिंग में शाह ने लिंचिंग और हेट स्पीच जैसे मामलों में कड़ी कार्रवाई करने का भरोसा दिया। मीटिंग के बाद जमीयत उलेमा-ए-हिंद के सेक्रेटरी नियाज फारूकी ने कहा कि वे राजनीतिक भाषण देने वाले अमित शाह से बिल्कुल अलग थे। उन्होंने बताया कि अमित शाह ने उनकी चिंताओं को विस्तार से सुना और पॉजिटिव जवाब दिए। वे उनकी बातों को खारिज नहीं कर रहे थे।

डेलीगेशन ने मीटिंग में 14 मुद्दे उठाए

मुस्लिम धर्मगुरुओं के डेलिगेशन ने मुस्लिम समुदाय की समस्याओं को बताने के लिए एक प्रेजेंटेशन भी दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस दौरान 14 मुद्दे उठाए गए। फारूकी ने बताया कि उन्होंने किसी नेता पर निशाना नहीं साधा। ये उनका टारगेट भी नहीं था। हमारा उद्देश्य था कि सहयोग की भावना बढ़े और देश का माहौल बदले।

जयराम रमेश का भाजपा पर हमला

मोदी सरकार के एकाधिकारवादी मित्र देश में महंगाई का कारण

नई दिल्ली, 5 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि आर्थिक शक्ति के बढ़ते संकेद्रण के कारण लोगों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इसकी वजह एकाधिकार है, जो विभिन्न क्षेत्रों में कीमतों को बढ़ा रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया की मोदी सरकार द्वारा बनाई गई बढ़ती बाजार सांद्रता के कारण सभी क्षेत्रों में लाभ मार्जिन 2015 में 18 प्रतिशत से दोगुना होकर 2021 में 36 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अर्थशास्त्री डॉक्टर विरल आचार्य के एक शोध पत्र ने कई क्षेत्रों में एकाधिकार के कारण उच्च लाभ मार्जिन के बारे में इस चिंता को प्रमाणित किया है।

मोदी ने अपने दोस्तों की मदद की

कांग्रेस नेता ने पीएम पर हमला करते हुए कहा कि आरबीआई के पूर्व डिप्टी गवर्नर आचार्य के साक्ष्य से पता चलता है कि मोदी सरकार के कथित "एकाधिकारवादी" मित्र देश में मंहगाई का एक बड़ा कारण हैं। उन्होंने अडानी का भी जिक्र किया। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि अडानी के बड़े घोटाले से साफ हो गया है कि पीएम मोदी की सरकार ने अपने दोस्तों को केंद्रित एकाधिकार बनाने में मदद की है।

हरिश्चंद्र फाउंडेशन को विद्युत चलित एंबुलेंस दान दी गई

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटेनियल द्वारा सत्य हरिश्चंद्र फाउंडेशन को एक विद्युत चलित विशेष वाहन (एंबुलेंस) उपहार स्वरूप प्रदान की गई। नद्गुल स्थित सत्य हरिश्चंद्र फाउंडेशन में बड़े बुजुर्गों को भी इस व्हीकल से बड़ा लाभ होगा। इस बैटरी चलित एंबुलेंस को मल्टीपरपज काम में लिया जाएगा। अवसर पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर राजशेखर रेड्डी ने आश्वासन दिया कि ग्लोबल ग्रैंड प्रोजेक्ट कीजिए जिससे वे फॉरेन क्लब पार्टनरशिप दिलवाएंगे। अवसर पर अध्यक्ष महावीर जैन, मानद मंत्री रामराज कटरी,गोविंद अग्रवाल, पंकज संघी, महेश सिंघानिया,चेतन, संजय केडिया, सुरेश गुप्ता, हरी श्रीनिवास, वेंकटराम रेड्डी, अमित गुप्ता, अनिल डंडू आदि उपस्थित थे।

एक ही दिन में 3 लोगों को सांप ने डंसा, एक की मौत

कुमरभीम आसिफाबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरमभीम आसिफाबाद जिले में एक ही दिन में तीन लोगों को सांप ने डसा। एक की मौत जबकि दो का इलाज चल रहा है। रेब्बेना मंडल के इंद्रानगर गांव के वडलूरी अर्शिता (9) नाम की बच्ची की सांप डसने से जान चली गई। मिली जानकारी के मुताबिक अर्षिता जब वह घर में सो रही थी, तब उसे सांप ने काट लिया। और जब परिवार वालों ने देखा कि उसका के जुबान मोटी होती जा रही है तब परिवार वालों ने एंबुलेंस को फोन करके बुलाया और अस्पताल ले जाते समय बीच रास्ते में हैं लड़की ने दम तोड़ दिया। आसिफाबाद जिला केंद्र के टीआर अशोक नाम के एक व्यक्ति को उसके घर के अंदर सांप ने काट लिया और उसे सरकारी अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार दिया गया और उसे बेहतर इलाज के लिए चंद्रपुर अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। आसिफाबाद मंडल के बुरु गुडा गांव के नागचैतन्य नाम के एक लड़के को खेलते समय सांप ने काट लिया। उसका सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। तीन लोगों को सांप ने काटा है। अलग-अलग जगहों पर और एक बच्ची की जान चली गई।

वीरेश शांडिल्य करेंगे हनुमान जयंती बाइक रैली शोभायात्रा का शुभारंभ

शोभा यात्रा से पूर्व भगवा झंडे, टोपियां व टी-शर्ट लांच

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दू सेवा संघ, हैदराबाद द्वारा गुरुवार 6 अप्रैल को मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के परम भक्त श्री हनुमानजी के जन्मोत्सव पर निकाली जाने वाली शोभायात्रा में एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया एवं ब्राह्मण महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिन्दू नेता वीरेश शांडिल्य बतौर मुख्य अतिथि भाग लेंगे। वीरेश शांडिल्य का बुधवार को तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद पहुंचने पर राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर हिन्दू सेवा संघ के अध्यक्ष प्रमोद कुमार मोदी व हिन्दू संघ के सदस्यों ने शांडिल्य का फूलमालाएं पहनाकर व भारत माता की जय के नारों के साथ हार्दिक अभिनंदन किया गया। बता दें शांडिल्य तीन दिवसीय हैदराबाद दौरे पर है और विशेषकर हरियाणा से हैदराबाद पहुंचे हैं।

हिन्दू सेवा संघ के अध्यक्ष प्रमोद कुमार मोदी ने शांडिल्य का हैदराबाद की धरती पर पधारने पर जहां स्वागत किया और शांडिल्य को सनातन की प्रखंड एवं मजबूत आवाज बताया और कहा कि आज सनातन धर्म को शांडिल्य जैसे वीर योद्धाओं की जरूरत है तो आतंकवाद को चुनौती देने के साथ-साथ सनातन धर्म व आदि शंकराचार्य की सोच को जन-जन तक पहुंचा रहे है।

आज शोभायात्रा से संबंधित टी-शर्ट, टोपियाँ एवं झंडों का विमोचन भी वीरेश शांडिल्य द्वारा किया गया, जिसमें हिन्दू सेवा संघ के अध्यक्ष प्रमोद कुमार मोदी, वासुरंजन शाण्डिल्य, विष्णु अग्रवाल, संतोष, पवन जांगिड़, विनोद, संजीव कुमार, गोवर्धन सिंह, जीतू जोशी, रवि बंजारी, उत्तम, अजय, शुशीला, यादम्मा, सुमन, गीता, रीना, प्रिया, गीता एवं अन्य मौजूद रहे।

बंडी संजय की गिरफ्तारी पर गज्जला ने रोष जताया

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शेरीलिंगमपल्ली से बीजेपी प्रभारी गज्जला योगानंद ने बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय की गिरफ्तारी पर रोष जताया है। इस मौके पर योगानंद ने कहा कि बंडी संजय को बिना वारंट के गिरफ्तार करना अलोकतांत्रिक ही नहीं बल्कि पुलिस की बर्बरता की पराकाष्ठा भी है।

बंदी संजय द्वारा बुधवार को 10वीं कक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में प्रेस वार्ता करने की घोषणा के मद्देनजर बीआरएस सरकार इस महीने की 8 तारीख को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को पटरी से उतारने की साजिश रच रही है। एक योजना के तहत पुलिस द्वारा लीपापोती की जाएगी और उनकी जबरन गिरफ्तारी लोकतंत्र का मजाक है। योगानंद ने कहा कि बीजेपी के नेता हिम्मत नहीं हारेंगे चाहे कितने भी हथकंडे अपना लें, तेलंगाना की जनता बंडी संजय के साथ खड़ी रहेगी, और जनता जल्द ही इस तरह के कार्यों के लिए उचित सबक सीखेगी।

बंड़ी संजय की गिरफ्तारी निन्दनीय : अशोक सेन

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। युवा भाजपा नेता आशोक कुमार सेन ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ी संजय को तेलंगाना सरकार ने अवैध रूप से गिरफ्तार करना एक शर्मनाक बात है और एक निन्दनीय कदम है। यह बीआरएस सरकार ही हताशा को दर्शाता है। राज्य में परिवर्तन तय है। सरकार को उसी का भय है। उन्होंने राज्य सरकार बंडी संजय को जल्द से जल्द रिहा करने की मांग की।

महानायकों का जीवन अनुकरणीय : जिलाधिकारी

कुमरम भीम आसिफाबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिलाधिकारी बोरकड़े हेमंत सहदेव राव ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, भारत के पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम का जीवन सभी के लिए अनुकरणीय है। बुधवार को जिला केंद्र स्थित समाहरणालय भवन में व्यवस्था डॉ. बाबू जगजीवन राम की 116वीं जयंती समारोह के दौरान जिला अतिरिक्त कलेक्टर राजेशम, चाहत बाज पाई, एस. पी सुरेश कुमार, जिला परिषद सदस्य कोवा लक्ष्मी, विधान परिषद सदस्य डांडे विठ्ठल, आसिफाबाद, सिरपुर विधायक अत्राम सक्कू और कोनेरू कोनप्पा ने शिरकत की और बाबू जगजीवन राम के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर जिला कलक्टर ने डॉ. उन्होंने कहा कि बाबू जगजीवन राम का जीवन प्रेरणादायक है और सभी को उनकी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह एक स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, राजनीतिज्ञ और दलितों के अधिकारों के लिए लड़ने वाले महान व्यक्ति थे। भारत की संविधान सभा के सदस्य के रूप में, उन्होंने 1977 से 1979 तक उप प्रधान मंत्री और सांसद के रूप में कार्य किया। कार्यक्रम में जेड.पीटीसी मंच अध्यक्ष अरिगेल नागेश्वर राव, लाइब्रेरी एसोसिएशन के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन, विभिन्न संघों के नेताओं, संबंधित विभागों के अधिकारियों और अन्य लोगों ने भाग लिया।

करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर में पंवार परिवार द्वारा आयोजित कथा वाचक संत श्री प्रह्लादपुरीजी महाराज की मधुर वाणी में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के सफल आयोजन पर आयोजक मैनादेवी-गोविन्दराम पंवार का सम्मान करते हुए उपाध्यक्ष मूलाराम चोयल, सचिव हीरालाल सैंणचा, परबत सोलंकी, जगदीश पंवार, अशोक हाम्बड़, अमराराम देवासी, ग्रीष्मा, सुकियादेवी सैंणचा, रितु, इन्द्रादेवी व अन्य।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने केसीआर का पुतला जलाया

मदनूर, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष हनमनलू के नेतृत्व में राजमार्ग 161 पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय की गिरफ्तारी के विरोध में रास्ता रोका गया। इस समय कामारेड्डी जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष जुक्कल विस क्षेत्र के पूर्व विधायक अरुणा तारा ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए बताए कि तेलंगाना सरकार के कहने पर स्थानीय पुलिस ने बिना कारण बताए संजय को गिरफ्तार किया।

भाजपा पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष करीमनगर के संसद संजय की गिरफ्तारी के विरोध में मदनूर मंडल भाजपा शाखा ने बुधवार दिन मुख्यमंत्री केसीआर का पुतला फूंकने का कार्यक्रम आयोजित किया। भाजपा पार्टी के जिलाध्यक्ष जुक्कल, पूर्व विधायक अरुणतारा, भाजपा जिला प्रभारी बद्दाम महीपाल रेड्डी धरने में मुख्य अतिथि व प्रभारी संयोजक रविकुमार गौड़ उपस्थित थे। इस मौके पर उन्होंने सरकार से गिरफ्तार बंडी संजय को तत्काल रिहा करने की मांग की। इस विरोध कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष हनुमान, अन्य नेताओं अरुण पटेल, कृष्णा पटेल, कांची यादव, वीरेशम भाजपा पार्टी से जुड़े संगठनों ने भाग लिया।

केबीआर पार्क में गणेश जी की पूजा-अर्चना करते हुए भक्त राजेंद्र कुमार अग्रवाल, विजय कुमार सिंह, श्रीनिवास, रूपलता, विजयलक्ष्मी, अनुराधा, योगेंद्र, मोहनलाल मित्तल, विनय अग्रवाल, विजय कुमार, सुभाष अग्रवाल, पीसी जैन, समासेवी गोपाल बल्दवा व अन्य।

बाबू जगजीवन राम की जयंती मनाई गई

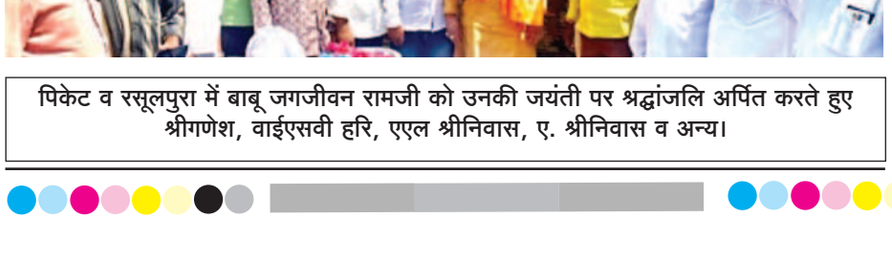

हैदराबाद, 5 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बाबू जगजीवन राम की 116वीं जयंती के अवसर पर कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने बलमराई चौक, डीबी. देवेंद्र के अधीन राज्य मंत्री चौ. मल्लारेड्डी, बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पना प्रताप की उपस्थिति में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा बाबू जगजीवन राम को श्रद्धांजलि दी गई। इसी तरह, न्यू बोइनपल्ली, संजीवैया नगर वेलर सेक्शन में चिन्नाटोकाटा नक्काला बस्ती, बापूजीनगर और छावनी कार्यशाला क्षेत्रों में जगजीवन राम की मूर्तियों पर जम्पना प्रताप ने प्रतिमाओं पर पुष्प माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। जम्पाना ने कहा कि बाबू जगजीवन राम ने उप प्रधानमंत्री का पद संभाला और दलितों के उत्थान के लिए बहुत मेहनत की। कार्यक्रम में श्रीकिशन, नागराजू, पवन, जेपी, अजित कल्याण, सीताराम, नित्यानंद, मुकेश यादव, कोंडल यादव ने भाग लिया।

पिकेट व रसूलपुरा में बाबू जगजीवन रामजी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्रीगणेश, वाईएसवी हरि, एएल श्रीनिवास, ए. श्रीनिवास व अन्य।

पूर्व उपप्रधानमंत्री बाबू जगजीवन रामजी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नरसरिया, रितु गोयल, रीता अग्रवाल एवं पवन भुवानिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम ...

इसी तरह, सेंट्रल इस्लामिक लैंड्स, संस्कृतियों का टकराव और औद्योगिक क्रांति से संबंधित पाठों को भी कक्षा 11वीं की पाठ्यपुस्तक थीम्स इन वर्ल्ड हिस्ट्री से हटा दिया गया है।

कक्षा 12वीं की इतिहास की किताबों से छात्रों को अकबरनामा और बादशाहनामा, मुगल शासकों और उनके साम्राज्य, पांडुलिपियों की रचना, रंग चित्रण, आदर्श राज्य, राजधानियां और दरबार, उपाधियां और उपहारों, शाही परिवार, शाही नौकरशाही, मुगल अभिजात वर्ग, साम्राज्य और सीमाओं के बारे में भी पढ़ने को नहीं मिलेगा।

इसके अलावा विश्व राजनीति में अमेरिकी आधिपत्य और द कोल्ड वॉर एरा जैसे अध्यायों को भी कक्षा 12वीं की नागरिक शास्त्र की पाठ्यपुस्तक से पूरी तरह से हटा दिया गया है। कक्षा 12वीं की किताब पॉलिटिक्स इन इंडिया सिंस इंडिपेंडेंस से राइज ऑफ पॉपुलर मूवमेंट्स और एरा ऑफ वन पार्टी डोमिनेंस को भी हटाया गया है।

इनमें कांग्रेस, सोशलिस्ट पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, भारतीय जनसंघ और स्वतंत्र पार्टी के प्रभुत्व के बारे में बताया गया था। जबकि 10वीं कक्षा की किताब डेमोक्रेटिक पॉलिटिक्स-2 से लोकतंत्र और विविधता, लोकप्रिय संघर्ष और आंदोलन, लोकतंत्र की चुनौतियां जैसे पाठ भी हटा दिए गए हैं।

2002 के गुजरात दंगों के सभी संदर्भ सभी एनसीईआरटी सामाजिक विज्ञान पाठ्यपुस्तकों से हटा दिए गए हैं। उदाहरण के लिए, 12वीं कक्षा की वर्तमान राजनीति विज्ञान की पाठ्यपुस्तक के अंतिम अध्याय के दंगों पर दो पृष्ठ, जिसका शीर्षक है, पॉलिटिक्स इन इंडिया सिंस इंडिपेंडेंस, को हटा दिया गया है। दूसरे पृष्ठ के एक खंड में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रसिद्ध 'राज धर्म' टिप्पणी को भी हटा दिया गया है। वहीं हिंदू चरमपंथियों की गांधी के प्रति नफरत,महात्मा गांधी की हत्या के बाद आरएसएस पर लगे प्रतिबंध जैसी बातें एनसीईआरटी कक्षा 12 की किताब में नहीं होंगी।

विवाद क्यों?

एनसीईआरटी की किताबों से यूं तो कई अध्याय हटे हैं लेकिन 12वीं कक्षा के पाठ्यक्रम से मुगल दरबार की सामग्री और कुछ कवियों की रचनाओं को हटाने पर विवाद छिड़ गया है। इसको लेकर शिक्षाविदों का कहना है कि अब तक मुगलों को ही ज्यादा पढ़ाया गया है। बच्चों को हर शासक के बारे में इन किताबों के जरिए ही जानकारी मिल सकती है, इसलिए सभी शासकों के बारे में पढ़ाया जाना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ी इन शासकों के शौर्य और पराक्रम से परिचित हो सके और अपने देश के इतिहास को गहराई तक समझ सके।

एनसीईआरटी के निदेशक दिनेश प्रसाद सकलानी ने कहा कि मुगलों के बारे में अध्याय नहीं हटाए गए हैं। उन्होंने कहा, 'यह झूठ है। पिछले साल एक रेशनलाइजेशन प्रोसेस थी क्योंकि कोरोना के कारण हर जगह छात्रों पर दबाव था।' एनसीईआरटी के निदेशक ने बहस को अनावश्यक बताते हुए कहा कि विशेषज्ञ समिति ने सिफारिश की है कि यदि अध्याय को हटा दिया जाता है, तो इससे बच्चों के ज्ञान पर कोई असर नहीं पड़ेगा और एक अनावश्यक बोझ को हटाया जा सकता है।